जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, गुरुवार 22 मई, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राज्य में 26 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

एवं

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन

मुख्य अतिथि

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

गरिमामय उपस्थिति

श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे
माननीय राज्यपाल, राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल मंत्री, भारत सरकार

श्री अर्जुन राम मेघवाल
माननीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार

शिलान्यास

- गोटन – साथिन (पीपाड़) राज्य राजमार्ग सं. 86-बी के विकास का कार्य
- अमृत 2.0 के अंतर्गत पाली, मारवाड़ जंक्शन, बाली, रानी, सोजत सिटी, फालना, सादड़ी में शहरी जल प्रदाय योजनाओं के पुनर्गठन के कार्य एवं जायका वित्त पोषित जिला झुंझुनूं (285 गांव) व सूरजगढ़ तथा उदयपुरवाटी शहर में पेयजल आपूर्ति कार्य
- डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर के गिरजासर, गडियाला माइनर, देवड़ा वितरिका, कोलायत वितरिका, नखत बन्ना माइनर और उप-माइनर के कमांड क्षेत्र में फव्वारा सिंचाई प्रणाली का विकास

लोकार्पण

- अजमेर,ब्यावर, नागौर, जोधपुर, चूरू, हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, भीलवाड़ा, झुंझुनूं, सीकर, टोंक एवं जालोर जिलों के 14 राज्य राजमार्गों के 12 विकास कार्य
- बाँसवाड़ा जिले में माही सिंचाई परियोजना की 10 नहर प्रणालियों के पुनर्वास के कार्य
- राजपुरा (बीकानेर) एवं सराड़ा (सलूम्बर) में 132 केवी जीएसएस लाइनें
- नाथद्वारा (राजसमन्द), प्रतापगढ़, पालड़ी (भीलवाड़ा) एवं धौलपुर में नर्सिंग कॉलेज

22 मई, 2025 । प्रात: 10:30 बजे । स्थान - पलाना, बीकानेर

विकास पथ पर राजस्थान

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

आत्मा के आनंद रूपी सामंजस्य का बाहरी रूप दया है। –विलियम हैज़लित

राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति

राजस्थान, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक गौरव के लिए जाना जाता है, आज शिक्षा और डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह रेगिस्तानी राज्य, जहां कभी जल और संसाधनों की कमी ने विकास को चुनौती दी थी, अब शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के बल पर नई ऊंचाइयां छू रहा है। राजस्थान ने शिक्षा को सुलभ, समावेशी और आधुनिक बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें डिजिटल उपकरणों और इंटरनेट की शक्ति का उपयोग प्रमुख है।

राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की शुरुआत कुछ साल पहले ही हुई, लेकिन इसकी नींव काफी पहले पड़ चुकी थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने देश भर में शिक्षा में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने का रास्ता खोला, और राजस्थान ने इसे उत्साहपूर्वक अपनाया। राज्य सरकार ने शिक्षा को डिजिटल मंचों के माध्यम से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। मिशन बुनियाद इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जिसे 2022 में शुरू किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को बढ़ाना, लैंगिक असमानता को कम करना और स्कूल छोड़ने की दर को घटाना था। इस पहल के तहत लगभग 20 लाख विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल शिक्षा प्रदान की गई। यह कार्यक्रम छह जिलों–उदयपुर, सिरोही, भीलवाड़ा, सीकर, धौलपुर और करौली में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ, जहां कक्षा 8 से 12 के 24,360 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और उनकी सीखने की क्षमता में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह परिणाम इस बात का सबूत है कि डिजिटल शिक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रभावी हो सकती है। राज्य में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे पर भी ध्यान दिया गया है।

हाल ही में, 13,976 राजकीय विद्यालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) लैब्स स्थापित की गई हैं, जो छात्रों को तकनीकी संसाधनों से जोड़ रही हैं। इसके साथ ही, 13,018 स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम शुरू किए गए हैं, जहां इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड और इंटरनेट कनेक्टिविटी के माध्यम से पढ़ाई को रोचक और आधुनिक बनाया जा रहा है। श्री गंगानगर जिले में राजस्थान का पहला डिजिटल स्कूल शुरू किया गया, जो इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। ये पहल न केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित हैं, बल्कि ग्रामीण स्कूलों को भी डिजिटल संसाधनों से जोड़ा जा रहा है, ताकि शिक्षा की पहुंच हर कोने तक हो। हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद, राजस्थान में डिजिटल शिक्षा के रास्ते में कई चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी। रेगिस्तानी भूभाग और बिखरी हुई आबादी के कारण कई गांवों में अभी भी विश्वसनीय इंटरनेट सुविधा नहीं है। इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति डिजिटल उपकरणों के उपयोग को बाधित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं, जैसे पर्याप्त कक्षा या प्रशिक्षित शिक्षक, भी कमी है, जिसके कारण डिजिटल शिक्षा का प्रभाव सीमित हो जाता है।

शिक्षकों का तकनीकी प्रशिक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। कई शिक्षक, विशेष रूप से पुराने शिक्षक, डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन शिक्षण विधियों से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। इसके लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है, जो समय और संसाधनों की मांग करते हैं। आर्थिक असमानता भी डिजिटल शिक्षा के सामने एक बड़ा रोड़ा है। कई परिवारों के पास स्मार्टफोन, लैपटॉप या इंटरनेट डेटा खरीदने की क्षमता नहीं है, जिसके कारण ऑनलाइन कक्षाओं में उनकी भागीदारी कम रहती है। कोविड–19 महामारी के दौरान यह समस्या और भी स्पष्ट हो गई थी, जब ऑनलाइन शिक्षा एकमात्र विकल्प थी, लेकिन कई छात्र इससे वंचित रह गए। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता की कमी भी एक मुद्दा है। न केवल छात्रों, बल्कि अभिभावकों को भी डिजिटल उपकरणों के उपयोग और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। इन चुनौतियों के बावजूद, राजस्थान ने इनका सामना करने के लिए कई रचनात्मक उपाय किए हैं, जैसे ऑफलाइन डिजिटल सामग्री प्रदान करना और सामुदायिक स्तर पर डिजिटल सेंटर्स स्थापित करना। भविष्य की बात करें तो राजस्थान में डिजिटल शिक्षा की संभावनाएं अपार हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, राज्य सरकार ने 2025 तक कक्षा 3 तक के सभी बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है।

स्टार लिंक जैसी सुविधाओं के लिए सरकार को अभी है खाका तैयार कर लेना चाहिए ताकि दूर संचार के क्षेत्र में राजस्थान धमाकेदार एन्ट्री करें और स्कूली शिक्षा का कायाकल्प हो। चुनौतियां निश्चित रूप से हैं, लेकिन इनका समाधान रचनात्मक और समावेशी दृष्टिकोण से संभव है। भविष्य में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्थानीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री जैसे नवाचार राजस्थान की शिक्षा प्रणाली को और सशक्त बनाएंगे।

भविष्य में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग आधारित शिक्षण मॉड्यूल को अपनाने की योजना है, जो प्रत्येक छात्र की सीखने की गति और जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम को अनुकूलित कर सकते हैं। इसके अलावा, डिजिटल शिक्षा को और समावेशी बनाने के लिए मातृभाषा में शिक्षण सामग्री विकसित की जा रही है, ताकि राजस्थानी और अन्य स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई संभव हो। यह कदम विशेष रूप से ग्रामीण छात्रों के लिए लाभकारी होगा, जो अक्सर हिंदी या अंग्रेजी में पढ़ाई को चुनौतीपूर्ण पाते हैं। राजस्थान में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विदेशी सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मिशन बुनियाद जैसे कार्यक्रमों में चिल्ड्रन इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन (सीआईएफएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सहयोग प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, वैश्विक तकनीकी कंपनियां, जैसे माइक्रोसॉफ्ट और गूगल, राजस्थान के स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में योगदान दे रही हैं। ये कंपनियां क्लाउड–आधारित शिक्षण मंच और डिजिटल उपकरण प्रदान कर रही हैं, जो शिक्षण को और प्रभावी बना रहे हैं। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने भी राजस्थान में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह सहयोग न केवल तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराता है, बल्कि वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने में भी मदद करता है। उदाहरण के लिए, सिंगापुर और फिनलैंड जैसे देशों के डिजिटल शिक्षा मॉडल से प्रेरणा लेकर राजस्थान अपने पाठ्यक्रम को और नवाचारी बना सकता है। इस डिजिटल क्रांति के पीछे कई नायक भी हैं, जिन्होंने राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नई शिक्षा नीति को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई है। स्कूलों में मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध और संस्कार युक्त शिक्षा पर जोर जैसे कदम उठाए गए हैं, जो शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और मूल्य–आधारित बनाने की दिशा में हैं। इसके अलावा, कई गैर–सरकारी संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता भी इस क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, कैवल्य एजुकेशन फाउंडेशन ने मिशन बुनियाद को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने हजारों छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा। स्थानीय स्तर पर, कई शिक्षक भी अपने सीमित संसाधनों के बावजूद डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर छात्रों को प्रेरित कर रहे हैं। सरकार की भूमिका इस क्रांति को गति देने में सबसे महत्वपूर्ण रही है। राजस्थान सरकार ने न केवल नीतिगत स्तर पर बदलाव किए, बल्कि कार्यान्वयन पर भी विशेष ध्यान दिया।

नई शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया, जिसने विश्वविद्यालयों और स्कूलों में नीति के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया। शिक्षा विभाग ने स्कूलों को चार श्रेणियों–कक्षा 1 से 5, 1 से 8, 1 से 10 और 1 से 12–में संगठित करने की योजना बनाई, ताकि शिक्षा का ढांचा और सुसंगत हो। इसके अलावा, डिजिटल डिवाइड को कम करने के लिए राजस्थान डिजिटल सेवा योजना शुरू की गई, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं को डिजिटल दुनिया से जोड़ना है। सरकार ने शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, ताकि वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें।हालांकि, सरकार के सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं। डिजिटल शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट आवंटन, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास और शिक्षकों की भर्ती और प्रशिक्षण जैसे मुद्दों पर और काम करने की जरूरत है। इसके अलावा, डिजिटल शिक्षा के दीर्घकालिक प्रभाव को मापने के लिए एक मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र की आवश्यकता है। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल शिक्षा केवल तकनीकी संसाधनों तक सीमित न रहे, बल्कि यह छात्रों के समग्र विकास में योगदान दे। राजस्थान में शिक्षा और डिजिटल क्रांति का सफर अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी दिशा और गति उत्साहजनक है। मिशन बुनियाद, आईसीटी लैब्स, स्मार्ट क्लासरूम और विदेशी सहयोग जैसे कदम इस दिशा में मजबूत नींव रख रहे हैं। आज अन्य प्रदेशों से सींग लेते हुए राज्य में पहली कक्षा से ही एआई को शिक्षा में जोड़ने की जरूरत है। स्टार लिंक जैसी सुविधाओं के लिए सरकार को अभी से खाका तैयार कर लेना चाहिए ताकि दूर संचार के क्षेत्र में राजस्थान धमाकेदार एन्ट्री करें और स्कूली शिक्षा का कायाकल्प हो। चुनौतियां निश्चित रूप से हैं, लेकिन इनका समाधान रचनात्मक और समावेशी दृष्टिकोण से संभव है। भविष्य में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्थानीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री जैसे नवाचार राजस्थान की शिक्षा प्रणाली को और सशक्त बनाएंगे। इस क्रांति के नायक चाहे वे शिक्षक हों, नीति निर्माता हों या सामाजिक कार्यकर्ता राजस्थान को एक ऐसी दिशा में ले जा रहे हैं, जहां शिक्षा न केवल सुलभ होगी, बल्कि यह हर बच्चे के सपनों को साकार करने का माध्यम भी बनेगी। सरकार की सक्रिय भूमिका और समाज के सहयोग से, राजस्थान निश्चित रूप से डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य बन सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा
साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

ट्रम्प भाईसाहब, अब बस भी करो

महावीर सिंह

पाकिस्तान के समर्थन–उकसावे से आतंकवादियों द्वारा पहलगांव में गई, 26 निर्दोष पर्यटकों की विभत्स, अमानवीय, अधार्मिक हत्या की घटना के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध समुचित दंडनीय कार्यवाही की ही जानी थी। पहलगांव घटना की लगभग विश्व के सम्पूर्ण सभ्य समाज द्वारा भर्त्सना की गई। चीन नें भर्त्सना तो की किन्तु संयम बरतने की सलाह के साथ, तुर्केय व अजरबैजान नें खुलकर भर्त्सना नहीं की। भारत के निकट पड़ोसियों नें भी घटना की मात्र हल्की से आलोचना कर ठंडा सा व्यवहार ही दिखाया। बहुत से भारतीयों की नजर में यह गम्भीर बात है और भारत की शक्तिशाली सरकार को इस ओर गम्भीरता से ध्यान देना चाहिए कि ऐसा क्यों?

पहलगांव घटना 22 अप्रेल 2025 को घटी। भारत द्वारा कार्यवाही की गई 7 मई की रात्रि को। भारत द्वारा पाकिस्तान को दंड देने के स्वरूप पाकिस्तानी पंजाब व पीओके के चिन्हित 22 में से 9 आतंकी ठिकानों, प्रशिक्षण व ठहराव स्थानों, आतंकियों के भारत में घुसने के लॉंचपैडस को ध्वस्त कर दिया गया। यह सेना के शौर्य, प्लानिंग और अचूक निशानों का नतीजा था। भारत का हर नागरिक भारतीय सेना की उत्कृष्टता, बहादुरी, पेशेवराना व विधिसम्मत कार्यशैली को नतमस्तक होकर अभिवादन, सलाम, प्रणाम करता है।

निश्चित: इतनी बड़ी कार्यवाही के लिए सटीक सूचनाओं को एकत्र कर, उनको मध्यनजर रखकर पूरी योजना बनानी पड़ती है, योजना के क्रियान्वयन के लिए तैयारी करनी पड़ती है। विभिन्न महकमों व सेना के विभिन्न अंगों की कार्यवाहियों में समन्वय बैठना पड़ता है। इसके बाद कार्यवाही को अंजाम दिया जाता है। इसमें 15 दिन का समय लगा।

यहां एक सामान्य नागरिक के मन में एक सद्भावी प्रश्न तो उठता है–– ऐसा लगता है कि शायद, भारत के पास आतंकी घटना के घटने के कुछ ही घण्टों में तुरंत कार्यवाही की कोई समुचित, सुविचारित, पूर्वनिर्धारित कार्य योजना नही है।

15 दिन के समय नें पाकिस्तान और उनके द्वारा तैयार आतंकियों को अपने आप को सुरक्षित करने और भारत की जवाबी कार्यवाही से होने वाला नुकसान को कम से कम हो इसके लिए तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल गया होगा। उनका नुकसान भी कम से कम ही हुआ होगा।आतंकी मरने की प्रतीक्षा थोड़े ही कर रहे होंगे।

कहने वाले कह सकते है कि बाहर बैठ कर सीख देना सबसे आसान काम है। हां काफी हद तक यह ठीक भी है। किन्तु दूसरा पक्ष है कि वर्तमानं में हमारे सेटेलाइट्स पाकिस्तान का, लगभग पूरा भुगोलिक क्षेत्र, हर समय, कवर करते है। उनसे प्राप्त चित्रों के सतत परीक्षण से आतंकी ठिकानों और वहां हो रही गतिविधियों की रियलटाइम ट्रैकिंग सम्भव लगती है। पाकिस्तान लगातार मुंबई की आतंकी घटना, संसद पर हमला, पठानकोट, पुलवामा, उरी व पहलगांव जैसी आतंकी कार्यवाही करता आ रहा है। विगत 10 वर्षों में की गई सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तान नही सुधरा। तो फिर पाकिस्तान को सदैव के लिए स्थायी सूचना दे दी जाए कि यदि उसकी धरती से कोई आतंकी घटना भारत पर हुई तो तत्काल अन्य विधि सम्मत सभी प्रकार कार्यवाहियों के साथ साथ, समुचित हवाई हमले किए जांएगे।

इसके लिए आतंकी ठिकानों की दिन–प्रतिदिन आधार पर सही सूचनाएं इक्कठी करते रहना होगा और तत्काल जवाबी कार्यवाही करनी होगी। अगर हमारे सुरक्षा सलाहकारों, विशेषज्ञों का जमावड़ा इसे सम्भव नहीनमंत है तो फिर नियति यही है कि पहले पाकिस्तान कोई बड़ी आतंकी घटना करे और फिर हम 10–15 दिन में उसे सबक सिखा दें और फिर बैठ जाएं।ऐसा कब तक? 7 मई और 10 मई के बीच कई बार पाकिस्तानी सेना नें अतंर्राष्ट्रीय सीमा व लाइन ऑफ कंट्रोल पर, बेजा हरकत करते हुए भारतीय सेना व बेगुनाह नागरिकों पर भारी तोपखाने, ड्रोन्स व मिसाइलस से से हमले किये गए।इस गम्भीर, अवांछनीय हरकत का भारत की सेना नें भी मुनासिब कार्यवाही कर प्रत्युत्तर दिया।इसी कार्यवाही में 10 मई की रात्रि व सुबह पाकिस्तान के 11 बेहद महत्वपूर्ण हवाईअड्डों को पाकिस्तान वायु सेना के लिए अनुपयोगी बना दिये अर्थात एक तरह से पाक वायुसेना को नुमाइसी खिलोने जैसा बना दिया। इनमें रावलपिंडी का हवाईअड्डा (नुरखान एयर बेस) उस स्थान के अत्यंत समीप बताया गया है जहां पाकिस्तान का परमाणु शस्त्रागार बताया जाता है।

माना जाता है कि इसके बाद ही पाकिस्तान नें अमरीका सहित कुछ देशों से भारत के हमले रुकवाने का अनुरोध किया। भारतीय पक्ष का कहना है कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स नें भारतीय समक्ष से वार्ता की और युद्ध रोकने का अनुरोध किया। उसके बाद युद्ध रोकने की सहमति बनी जिसकी घोषणा भारत के विदेश सचिव नें 10 मई को एक प्रेस कांफ्रेंस में की जिसका सार था कि उस रोज 5 बजे से युद्ध कार्यवाहियां रोक दी गई। वैसे अनपढ़ भारतीय भी जनता है कि भारत की सेना कोई पाकिस्तान की सेना की तरह, थोड़ा ही है जहां सेना युद्ध शुरू और रोकने के लिए बिना सरकार की सहमति/ अनुमति के कोई भी निर्णय ले लेती है।। भारत में ऐसे निर्णय जनता की चुनी हुई सरकार के द्वारा ही लिए जाते है अर्थात भारत की सरकार नें 10 मई 2025 को सांयकाल 5 बजे से जल, थल, वायु से कोई युद्धक कार्यवाही न करने सम्बन्धी पाकिस्तानी अनुरोध को मान लिया। सरकार से इसे युद्ध विराम के बजाए संघर्ष विराम कहना ज्यादा पसन्द करती है। लेकिन यहां किसी नें कुछ भ्रम पैदा कर दिया–––––भारत के परम मित्र अमरीका के कुछ उच्चपदस्थ मित्र लोगों ने। वहां के विदेश मंत्री मार्क रुबियो नें कहा कि उन्होंने भारत के प्रधान मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से बात की और उनसे संयम बरतने की अपील की। भारत नें तो उनसे यह अनुरोध किया नहीं होगा क्योंकि उस समय जो परिस्थितियां थी उनके रहते भारत को ऐसा करने की आवश्यकता नहीं थी। इसका अर्थ है कि ऐसा करने के लिए उनसे पाकिस्तान नें अनुरोध किया होगा। यहां तक भी ठीक है। विश्व में जब जहां कही युद्ध की स्थितियां होती है तो कुछ देश लड़ने वाले देशों से शांति की अपीलें करते रहते हैं–कुछ गम्भीरता से तो कुछ यों ही विदेश नीति की एक रूटीन कार्यवाही के रूप में।

पहला गम्भीर प्रश्न तो यह है कि भारत नें यह अनुरोध क्यों माना? भारत के उच्चपदस्थ कई युद्धवीर नेता लोग, उनके अतिकरीबी धर्माचार्यों, कुछ सांस्कृतिक संगठनों के महंतों नें तो यह घोषणा तक कर रखी थी कि अतिशीघ्र निकट भविष्य में तो बस लिया ही मानो। भारत की संसद कई प्रस्तावों के माध्यम से यह दोहरा चूकी कि इ्ध्ख भारत का अभिन्न हिस्सा है। संसद में कई बार छाती ठोक के कहा गया है कि विलय के समय युद्ध विराम की 2–4 दिन की जल्दबाजी की जो गलती तत्समय के हुक्मरानों नें की उसे सुधारने का समय आ गया है।

7 से 10 मई के बीच घटित हुआ और जिस प्रकार से हमारे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वाले जैसा, एक तरह से आंखों देखा सा हाल बता रहे थे, उस से तो यही लग रहा था कि पाकिस्तान हथियार डालने ही वाला था। फिर यह अमरीकी अनुरोध मानने का क्या अर्थ? हमारे बयानवीर नेता लोग तो बेचारे थक गए यह बताते बताते कि लड़ाई रोकने के लिए किसी का कोई बाहरी दबाव नहीं था, कोई व्यापार की बात कह कर युद्ध विराम नहीं कराया गया––केवल व केवल पाकिस्तान गिड़गड़ाया तब भारत नें दया दिखा कर बड़े भाई साहब वाला रोल अदा किया।संघर्ष विराम किया है, ओप्रेसन सिंदूर अब भी चालू है अर्थात––––– (जैसा आप चाहो वैसा अर्थ निकालो)। अब यह मीडिया रिपोर्टिंग और संघर्ष विराम की कहानी इतनी सी होती तब तक ठीक था। हमारे जैसे लोगों ने तो बिना मीन मेख के मान लिया था कि जो हमारी सरकार कह रही है वही 100 टक्का सही हैं। किंतु बीच में कूद पड़े, हमारे नेता भाई साहबों के परम मित्र ट्रम्प भाई साहब। ट्रम्प भाई साहब घोषित रूप से भारत के परम मित्र है, जिनके लिए यहां से वहां तक पलक पांवड़े बिछाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। हमारे विदेश सचिव जी नें संघर्ष विराम वाली घोषणा की उसके लगभग साथ सी ही, ट्रम्प भाई जान कुछ कुछ इस प्रकार के अर्थ वाली बातें कह बैठे कि उनके अधिकारियों जे डी वेन्स व मार्को रुबियो नें अथक प्रयास कर, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करा दिया। कोई अत्यंत बड़ी विनाशकारी दुर्घटना हो सकती थी। उस से पहले ही व्यापार का हवाला देकर, होने वाली अत्यंत भयानक घटना रुकवा दी।

अब भारत के अधिकारी लोग कहते रहें कि किसी तीसरे पक्ष का कोई रोल संघर्ष विराम में नहीं किन्तु ठाले बैठे विपक्ष को तो एक मुद्दा पकड़ा ही दिया न ट्रम्प भाई जान नें। अगर एक बार कह के रुक जाते तो भी बात बनी रहती किन्तु ट्रम्प भाई साहब तो रुकने का नाम ही नही ले रहे–––अमरीका में कहा सो कहा विदेशों में भ्रमण कर रहे है वहां भी कुछ कुछ ऐसा ही कह देते हैं। अब तक 6–7 बार घूमा फिरा कर ऐसा स्पस्ट रूप से या सांकेतिक रूप से कह चुके हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी भी पाकिस्तान में आकर कह गए कि ब्रिटेन अमरीका के साथ काम करते हुए भारत पाकिस्तान के मध्य मुद्दे सुलझाने का प्रयास करता रहेगा। इस से भी प्रश्न होता है कि कोई ऐसी बात हुई क्या? अब यहां के कद्दावर नेताओं ने तो पूरा जोर लगा रखा है यह समझने के लिए कि ट्रम्प भाई साहब तो यों ही बोलते रहते है, उन्हें कोई सिरिसली नहीं लेता। यह लोग गिना रहे है कि पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में वर्ष वार कितनी कितनी बार झूठ बोले ट्रम्प भाई साहब।

अब 19 मई 2025 को विदेश सचिव नें यह कहा है कि ट्रम्प स्वमेव बीच में आ रहे हैं तो हम क्या करें। यहां के कुछ मंदबुद्धि लोग और सत्ताधारियों की नजर में कुछ कुछ देशद्रोही टाइप लोग यों ही बात का बतंगड़ बना रहे है। इस वक्त राष्ट्र प्रेम का सर्वोत्तम उदाहरण है कि सरकार की कही बात को 100 टक्का सही मानना ही है। लेकिन फिर भी कुछ सिरफिरे लोग इस बात को ऐसे ही आयी गयी होने ही नहीं दे रहे। चलो छोड़ो जी, यह तो बड़े लोगों की बातें है। एक–दूसरे की टांग, पूँछ, मूछ जो हाथ लगे सो खींचना इन बड़े नेताओं का पसंददीदा खेल बन चुका है लेकिन मेरे गांव का आदमी भी कुछ अटपटे सवाल पूछ लेता है जिनका मेरे जैसे स्वघोषित परम् राष्ट्रवादी के पास भी कोई जवाब नहीं::––(1) बैसरेंन घाटी में जहां 2–3 हजार पर्यटक हर रोज जा रहे थे, सुरक्षा व अन्य सुविधाओं की घोर अनदेखी क्यों थी? (2) 26 पर्यटकों के मौत के जिम्मेदार वो 3–4 आतंकी,आखिर कब तक पकड़े जाएंगे? मार दिए गए या पाकिस्तान में प्रवेश कर गए? (3) ट्रम्प भाई जान बार बार क्यों कह देते है, उन्होंने युद्ध रुकवाया, आण्विक युद्ध का खतरा टलवाया, किसी न्यूट्रल देश में वार्ता का प्रस्ताव दिया वगैरा वैगारा जिसे अखबारों नें कुछ यो छापा है::––

"Donald Trump claims he stopped India Pakistan nuclear war:'Told them gonna do a lot of trade with you"(gonna means I am going to--in general speaking)

Trump once again claims he helped settle India-Pak tensions,--used trade as leverage.

This is the sixth time since Saturday that Trump has claimed that the US brokered the ceasefire between New Delhi and Islamabad.""

सवाल ओर भी थे गांव के लोगों के––––

(4) ठाले बैठे लोगों के पास ओर नही तो यही सवाल है कि पुलवामा के हमलों की सुरक्षा चूक का क्या खुलासा हुआ व चूक पर क्या कार्यवाही हुई (5) यह भी चर्चा कर लेते हैं कि सरकार खुद ही प्रश्न का उत्तर उचित स्तर से दे तो आगे सवाल उठे ही नहीं, क्या कारण है, क्यो ऐसा नही किया जाता? सनसडब्क विशेष सत्र बुलाकर सारी बताने योग्य बातें संसद में बता दे–––क्यों आम आदमी या विपक्ष के सवालों को सेना के शौर्य पर शक का मुलमा चढ़ा कर दफन कर दिए जाते है और सवाल करने वालों को देशद्रोही तक कह जाता है? क्या जो सवाल देश की जनता के मन में है वैसे सवाल अभी विभिन्न देशों में भेजे जा रहे सांसदों से वहां का मीडिया नहीं पूछेगा––उनको तो देश द्रोही कहलाने का डर होगा नही!

इस देश में शायद ही कोई ऐसा हो जिसे देश की सेना के शौर्य, अनुशासन, पेशेवर सक्षमता, वीरता पर भरोसा नही हो किन्तु ऐसा दावा कई नेताओं की देश के प्रति निष्ठा और प्रेम के सम्बंध में निर्विवाद रूप से नहीं किया सकता क्योंकि उनके बोल व कर्म कई बार संशय उत्पन्न करते हैं। ओर जाते जाते, दिल्ली स्थित विकासशील देशों के दूतावास हमारे बड़बोले नेताओं के एक एक बयान, वाक्य, भावभंगिमाओं का विश्लेषण कर अपनी सरकारों को ब्रीफ भेजते हैं और उन देशों के नेता उन्हें ध्यान में रखकर ही हमारे नेताओं से ठक्कर सुहाती बातें करते है। विभिन्न देशों के बीच रिश्तों व राजनीति के विद्वान, विश्लेषक, ज्ञाता मोरगनथा के अनुसार "राष्ट्रों के बीच सम्बन्ध एक शक्ति संघर्ष है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में, राष्ट्र–राज्य मुख्य अभिनेता हैं। उनका उद्देश्य अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। राष्ट्र की शक्ति एक महत्वपूर्ण कारक है। राज्यों को शक्ति और नैतिकता के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए।" शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच के रिश्ते गलबाहियों से तय नहीं होते।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

जन आधार व राशन कार्ड सेवाएं नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान

- **ग्राम पंचायत नान्दला, बुबानिया और धोलादांता बुबानिया के ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी, नसीराबाद को ज्ञापन सौंपा**
- **नगर पालिका में विलय के बाद से काम रुके हुए हैं, सरकार की योजनाओं से वंचित हो रहे ग्रामीण**

नसीराबाद, (निसं)। ग्राम पंचायत नान्दला, बुबानिया और धोलादांता बुबानिया के ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी, नसीराबाद को ज्ञापन सौंपकर जन आधार और राशन कार्ड से जुड़े कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि नगरपालिका नसीराबाद में पंचायत के विलय के बाद से पिछले दो महीनों से ये कार्य पूर्ण रूप से बंद पड़े हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व में श्रीनगर पंचायत समिति के माध्यम से जन आधार, राशन कार्ड, खाद्य सुरक्षा सूची में नाम जोड़ने जैसे कार्य सहजता से किए जा रहे थे, लेकिन अब नगर पालिका क्षेत्र में शामिल होने के बाद यह सभी सेवाएं बाधित हो गई हैं। ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जोड़ने की प्रक्रिया भी रुकी हुई है और यदि समय पर कार्य शुरू नहीं हुए तो बहुत से परिवार सरकारी योजनाओं से वंचित रह सकते हैं। ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी से मांग की है कि ग्राम पंचायत नान्दला एवं संबंधित गांवों के जन आधार व राशन कार्ड संबंधी कार्यों को शीघ्र पुन: प्रारंभ कराया जाए, ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

नगर पालिका द्वारा सफाई के लिए खुले छोड़े गये नाले आमजन के लिये खतरा बने

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगर पालिका क्षेत्र के पावटा कस्बा में नगर पालिका की लापरवाही का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है।

कस्बे के सुभाष चौक पर नगर पालिका की ओर से नाला अवरुद्ध होने पर सफाई के लिए खोला गया। लोगों ने नगर पालिका अधिकारियों से नाले की सफाई कर उसका पुनर्निर्माण कराने की मांग की, लेकिन नगर पालिका ने बिना चेतावनी बोर्ड के नालों को खुला छोड़ रखा है। ऐसे में अब रास्ते से गुजरने वाले आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही नाले की वजह से हादसे की आशंका भी बनी रहती है। नाला अवरुद्ध होने की वजह से नगर पालिका ने जेसीबी से नाले को तोड़ दिया व नाले का सफाई व निर्माण कार्य बंद पड़ा है। व्यापारियों व राहगीरों ने बताया कि नाला ऐसे ही खुला पड़ा है। जिसकी वजह से आम रास्ते से निकलना मुश्किल हो गया है। साथ ही बदबू और मच्छरों से भी लोगों को परेशानी हो रही है।

इस संबंध में क्षेत्रवासियों ने पालिका के अधिकारी को कई बार बताया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। क्षेत्रवासियों ने बताया कि रास्ते में नाला खुदा होने की वजह से मरीजों को लंबा रास्ता तय करके अन्य रास्तों से अपने गंतव्य तक जाना पड़ता है। इतना ही नहीं, रात के समय इस खुले नाले की वजह से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। साथ ही क्षेत्र में गंदगी भी पसरी रहती है। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका अधिकारियों से नाले की जल्द सफाई करवाकर ठीक कराने की मांग की है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 22 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र सायं 5:47 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 9:49 तक, वणिजकरण दिन 2:17 तक, चन्द्रमा दिन 12:08 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कर्क, बुध–मेष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 2:17 से रात्रि 1:31 तक है। आज पंचक है। आज से राष्ट्रीय ज्येष्ठ मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:21 तक, चर 10:42 से 12:23 तक, लाभ अमृत 12:23 से 3:45 तक, शुभ 5:26 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:07

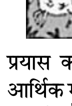

मेष
आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पूर्व में आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा।

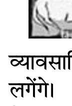

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

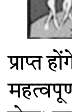

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

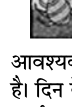

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

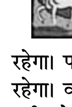

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

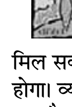

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

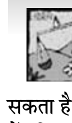

तुला
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार होगा।

वृश्चिक
परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

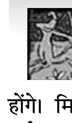

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

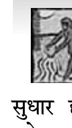

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 289 प्रभात जयपुर, गुरुवार 22 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

'The Tilt' The U.S. And The Shameface

"While stating that the Indians are more 'devious' than the 'sometimes extremely stupid' Pakistanis, the U.S. 'must not-cannot-allow' India to use the refugees as a pretext for breaking up Pakistan."

Ab Tumhare Hawale...

Now A Star In The Sky

अमेरिका से भारत भेजे गये प्रत्येक 1000 डॉलर पर अब पचास डॉलर का नया टैक्स लगेगा

जैसा कि विदित ही है, अमेरिका से भारतीय मूल के 45 लाख लोग, अपने वृद्ध माँ-बाप के लिये, बच्चों की शिक्षा व अन्य इमरजैंसियों के लिए, प्रति वर्ष लगभग 100 बिलियन डॉलर भेजते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। अमेरिकी प्रशासन के एक नए लैजिस्लेटिव प्रपोज़ल (विधायी प्रस्ताव) ने अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों और नई दिल्ली के नीति निर्धारकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। ''वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट'' नाम के इस प्रस्ताव में अमेरिका से विदेश भेजी जाने वाली रकम पर 5 प्रतिशत एक्साइज़ टैक्स लगाने की बात कही गई है, यह कदम भारतीय प्रवासी और उनके देश में बसे परिवारों के बीच की एक महत्वपूर्ण फायनैंशियल लाइफलाइन को झटका दे सकता है। यदि यह कानून बनता है, तो इसका असर भारत के शहरों से लेकर गांवों तक के घरेलू बजटों पर पड़ेगा और भारत की व्यापक आर्थिक प्रणाली तक पहुँचेगा।

यह प्रस्तावित टैक्स सभी गैर-अमेरिकी नागरिकों द्वारा अपने देशों में भेजी जाने वाली राशि पर लागू होगा,

(शेष पृष्ठ 4 पर)

- अब इस 5 प्रतिशत के नये प्रस्तावित टैक्स से, इस रकम में लगभग 1.6 बिलियन डॉलर की कमी होने का अंदाज़ा है।
- गाँव व छोटे-छोटे शहरों में बसे परिवारों के लिए अमेरिका से उनके बच्चों द्वारा भेजी गई यह रकम जीवन-दायिनी का काम करती थीं। अतः अमेरिका से आने वाले पैसे की ''फ्रीक्वैंसी'' कम हो जायेगी या ''अमाउंट'' कम हो जाएगा।
- अतः, भारी संभावना है कि अब अमेरिका में रहने वाले अप्रवासी भारतीय, अपने परिवार को भेजने वाले पैसे को हवाला या अन्य ''अव्यवस्थित व गैर कानूनी'' रास्ते से भेजने लगेंगे।
- भारत में विदेश से (अमेरिका से) आने वाली रकम घटने से भारत का विदेशी मुद्रा का कोष (रिज़र्व) भी लगातार कम होगा।
- साथ ही भारत व अमेरिका के बीच संबंधों में दरार भी आ सकती है, क्योंकि ये अप्रवासी भारतीय अपनी मेहनत से अमेरिका की इकॉनमी को समृद्ध तो करते ही हैं, अपने भारत स्थित परिवारों का लालन-पालन भी करते हैं और उनकी इस जायज़ आय को बाधित करने से दोनों देशों के बीच तनाव तो आयेगा ही।
- पर, ट्रम्प इस कदम से अपने वोट बैंक को तो खुश कर रहे हैं, जो कि ''अमेरिका फर्स्ट'' नारे में विश्वास करते हैं तथा भारी संख्या में विदेशियों के अमेरिका आने को पसंद नहीं करते।

65 वर्ष के दृष्टि बाधित को जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट क्यों आना पड़ा

जयपुर, 21 मई। सुप्रीम कोर्ट ने धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज से जुड़े मामले में 65 साल के दृष्टिबाधित आरोपी को जमानत नहीं देने को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने आरोपी को जमानत देते हुए कहा कि यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि मामला मजिस्ट्रेट कोर्ट की सुनवाई वाला केस है और पचास फीसदी दृष्टिबाधित बुजुर्ग को भी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करनी पड़ी।

सुप्रीम कोर्ट ने आपसी लेनदेन के धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को जमानत देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरह के मामलों में भी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट तक आना पड़ा।

- सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की तथा निर्देश दिये।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की खंडपीठ ने यह आदेश राधेश्याम शर्मा की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि आरोपी को एक सप्ताह में संबंधित निचली अदालत में पेश किया जाए और अदालत उसे उचित शर्तो पर रिहा करे।

याचिका में अधिवक्ता गिर्राज प्रसाद शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बीते करीब सात माह से जेल में बंद है। वह 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति है और पचास फीसदी से अधिक दृष्टि बाधित है। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। इस पर

(शेष पृष्ठ 4 पर)

बाँग्लादेश में सेना सत्ता संभाल सकती है

बाँग्लादेश के सेनाध्यक्ष वकार-उज़-ज़मा ने अपनी रूस की यात्रा के दौरान रूस से बाँग्लादेश में और सक्रिय होने व आपसी सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। बाँग्लादेश की राजनीति हर दिन और भी जटिल होती जा रही है। बाँग्लादेश की सेना द्वारा तख्तापलट करने की संभावना नज़र आ रही है, क्योंकि सेना और अंतरिम सरकार के बीच भारी मतभेद है।

बाँग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज़-ज़मां ने पिछले सप्ताह मॉस्को का दौरा किया और वहाँ रूस के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात की। रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत में सेना प्रमुख ने रूस के साथ अधिक सक्रिय और सार्थक सहयोग की बात की।

इस पृष्ठभूमि में, देश के अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद युनूस चीन चले गए और वहाँ के विदेश मंत्री से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने बाँग्लादेश में चीन की भागीदारी और रक्षा क्षेत्र में अधिक सहयोग की माँग की।

अंतरिम सरकार प्रमुख और सेना के बीच जारी संघर्ष स्पष्ट रूप से सामने आ गया है। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि पूरी सेना एकजुट होकर सेना प्रमुख के पीछे खड़ी है। सेना प्रमुख की यह पहल निश्चित रूप से यह संकेत नहीं देती कि पूरी बाँग्लादेशी सेना रूस के साथ सहयोग की इस दिशा में एकमत है। बाँग्लादेशी सेना के भीतर भी गहरे

(शेष पृष्ठ 4 पर)

- दूसरी और बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया, मो. यूनुस ने अपनी चीन की यात्रा के दौरान चीन को बाँग्लादेश की प्रगति में शरीक होने का आमंत्रण दिया।
- बाँग्लादेश की संपूर्ण सेना, सेनाध्यक्ष के साथ हो, ऐसा नहीं है, सेना में कई धड़े विद्यमान हैं।
- एक धड़ा जो जिहाद व रूढ़ीवादिता का समर्थक है, वो पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाने के पक्ष में है। दूसरी ओर सेनाध्यक्ष समर्थक खेमे ने चेतावनी दी है कि मोहम्मद यूनुस का समर्थन करने वाला खेमा बाँग्लादेश में अस्थिरता पैदा कर रहा है, अल्पसंख्यकों को टारगैट करके तथा इससे देश में अशांति व अस्थिरता फैल रही है।
- इसलिए सेना का कहना है कि अगर मो. यूनुस का खेमा अस्थिरता व अशांति पर अंकुश नहीं लगा पाता है तो सेना को सत्ता संभालनी पड़ेगी।
- मो. यूनुस समर्थक खेमा पाकिस्तान की आईएसआई को बाँग्लादेश में ''फ्री एंट्री'' देना चाहता है व चीन से भी मैत्रीपूर्ण सहयोग की बातचीत कर रहा है। दूसरी और सेना समर्थक बाँग्लादेश का तटस्थ व उदार रूप बरकरार रखना चाहते हैं और इसी संदर्भ में सेनाध्यक्ष मॉस्को गये थे।

सुप्रीम कोर्ट ने अशोका युनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबादी को जमानत पर रिहा किया

पर, साथ ही कटाक्ष भी किया कि जब देश युद्ध में फंसा है तथा दुष्ट सड़कों पर घूम रहे हैं, तब हमें संगठित रहना चाहिए या सस्ती लोकप्रियता की फिराक में ''सांप्रदायिक टिप्पणियाँ'' करनी चाहिये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अशोका युनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को जमानत दे दी, जिन्हें 18 मई को ऑपरेशन सिंदूर पर विवादास्पद पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जाँच पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। प्रोफेसर को अंतरिम राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत तो दी, पर ऑपरेशन सिंदूर को ''डॉग विसलिंग'' और ''सस्ती लोकप्रियता पाने का प्रयास'' बताने के लिए कड़ी फटकार लगाई।

- सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर के खिलाफ जाँच जारी रखने की भी इजाज़त दी तथा प्रोफेसर का पासपोर्ट भी सरकार में जमा कराने का आदेश भी दिया।

कोर्ट ने निर्देश दिए कि वे पहलगाम टैरर अटैक के संबंध में और भारत-पाक शत्रुता को लेकर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते, साथ ही कोर्ट ने उन्हें अपना पासपोर्ट सरैंडर करने का आदेश दिया।

महमूदाबाद को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था और हरियाणा की एक अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था।

उनकी पोस्टको सेना के लिए निंदनीय और महिला सैन्य अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की मीडिया ब्रीफिंग की थी, के प्रति अपमानजनक माना गया।

मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटिश्वर सिंह की बैंच ने की थी। जस्टिस कांत ने कहा, ''सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन क्या यह समय है, इतनी ज्यादा सांप्रदायिकता पर बात करने का.....? देश एक बड़े संकट से गुजरा है। राक्षसों ने निर्दोषों की जानें लीं। हम सभी एकजुट थे, पर ऐसे मौके पर सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश क्यों?

अवैध बांग्लादेशी बता कर महिला को हिरासत में लेने का मामला

जयपुर, 21 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने जामडोली थाना इलाके में रहने वाली महिला को कथित रूप से अवैध बांग्लादेशी बताकर उसे हिरासत में लेने के मामले में गृह सचिव, डीजीपी, पुलिस कमिश्नर और जामडोली थानाधिकारी सहित, अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने ये आदेश शोएब की

- हाईकोर्ट ने गृहसचिव, डीजीपी, पुलिस कमिश्नर व जामडोली थानाधिकारी से जवाब तलब किया।

ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता एसएस अली ने अदालत को बताया कि गत 5 मई को याचिकाकर्ता के घर कुछ पुलिसकर्मी आए और उसकी मां साजिदा को बिना कारण बताए अपने साथ ले गए। याचिकाकर्ता ने जामडोली थाने में कई बार

(शेष पृष्ठ 4 पर)

पहलगाम की घटना ने हमारे लिये ''वेक अप'' कॉल का काम भी किया

हालांकि, पहलगाम को अंजाम देने वाले आतंकवादी अभी पकड़े नहीं गये हैं, पर, सघन ''इंटैलिजैंस कार्यवाही'' से, ''स्पाय रिंग'' का पर्दाफाश हुआ, जो देश भर में फैली हुई थी तथा जासूस पाकिस्तान में अपने ''हैंडलर्स'' से लगातार सम्पर्क में थे

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 मई। अभी हाल ही में हुई हरियाणा-निवासी एक यूट्यूबर तथा उसके कई सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद, भारत में एक बहुत बड़े जासूसी नैटवर्क के सामने आने से देश की गुप्तचर एजेंसियों की खामियों को लेकर गहन चिन्ता पैदा हो गई है। गुप्तचर एजेंसियों की कार्यक्षमता की यह चूक पहलगाम नरसंहार के बाद ही चर्चा में आ गई थी। ज्ञातव्य है कि पहलगाम में चार अज्ञात हमलावरों ने इस घातक हमले को अंजाम दिया था, लेकिन वे अभी तक इन एजेंसियों की पहुंच से बाहर हैं।

अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न राज्यों में संबंधित जासूसी कृत्य से जुड़े 11 लोग गिरफ्तार किये गये हैं। इनमें हिसार-निवासी व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा भी शामिल है, जिसके बारे में यह माना जा रहा है कि संवेदनशील सूचनाएं जुटाने तथा उन्हें पाकिस्तान स्थित हैन्डलर्स तक पहुंचाने में उसकी केन्द्रीय भूमिका थी। मल्होत्रा, जो इस समय पुलिस कस्टडी में है, को उन सभी स्थानों पर ले जाया जा रहा है, जहां वह पिछले वर्ष में गई थी। ऐसा संदेह है कि इन स्थानों पर उसने विदेशी संचालकों एवं आकाओं के निर्देशानुसार, विभिन्न प्रकार के सर्वे किये हैं तथा सैन्य जासूसी की है।

- हिसार की ज्योति मल्होत्रा इस ''रिंग'' की मुखिया की तरह काम कर रही थी तथा ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी ने भारत के ''इंटैलिजैंस'' की आँखे भी खोलीं, क्योंकि इससे पहले इतने बड़े ''स्पाय रिंग'' के सक्रिय होने की जानकारी कभी नहीं मिली, इसीलिए भीड़ में चारों आतंकवादी बाहर निकल गये। अगर पहलगाम की घटना नहीं होती तो हमारी ''इंटैलिजैंस'' एजेंसियां अपने निवास में आराम से सोती रहती और ''स्पाय रिंग'' निर्बाध रूप से दस साल और चलती रहती।

गृह मंत्रालय ने इस कार्यवाही को खुफिया गतिविधियों के विफल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता बताया है। लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ एवं पुराने अधिकारी इससे कम ही सहमत हैं। उनका कहना है कि इस जासूसी नैटवर्क का भण्डाफोड़ वस्तुतः गहरे तन्त्रगत मुद्दों एवं दोषों की ओर संकेत करता है, खासतौर से इस बात की विफलता, कि पहलगाम हत्याकांड को समय रहते रोका क्यों नहीं गया, क्योंकि उसके समय रहते पता चलने से और ज्यादा आक्रामक काउन्टरइन्टेलिजेंस रेस्पॉन्स दिया जा सकता था।

एक सेवानिवृत वरिष्ठ गुप्तचर अधिकारी ने, नाम न छापने की शर्त पर, कहा, ''अगर पहलगाम की घटना न हुई होती, तो यह नैटवर्क कई महीनों, बल्कि सालों तक हमारी नजरों में नहीं आया होता। इस घटना ने एक उत्प्रेरक (कैटलिस्ट) काम किया है। लेकिन इससे यह भी उजागर हो गया कि हम किस हद तक गैर-मुस्तैद थे।

पहलगाम की घटना में लिप्त चार हमलावरों की पहचान तथा गिरफ्तारी न

(शेष पृष्ठ 4 पर)

बाटा ने कैरी बैग के 6 रु. वसूले, 61 हजार का जुर्माना भरना पड़ा

जयपुर, 21 मई। जिला उपभोक्ता आयोग, तृतीय ने ग्राहक को जूतों के साथ कंपनी का नाम लिखा कैरी बैग देने के बदले 6 रुपए वसूलने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस व सेवादोष माना है। इसके साथ ही, आयोग ने बाटा इंडिया पर 61 हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए उसे निर्देश दिया है कि वह परिवादी से कैरी बैग के लिए वसूले 6 रुपए 9 प्रतिशत ब्याज

- जिला उपभोक्ता आयोग ने कहा, कैरी बैग पर बाटा का विज्ञापन है, इसलिए वह निःशुल्क होना चाहिए।

सहित लौटाए। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य पवन कुमार भारद्वाज ने यह आदेश नीना पारीक के परिवाद पर दिए। आयोग ने कहा कि कैरी बैग पर बाटा का विज्ञापन था और ऐसे में वह निशुल्क होना चाहिए था।

मामले के अनुसार परिवादी ने 27 फरवरी, 2024 को विपक्षी के शू स्टोर से एक जोडी जूता व एक जोडी स्लीपर 4698 रुपए में खरीदे, लेकिन विपक्षी

(शेष पृष्ठ 4 पर)

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री आज बीकानेर में

प्रधानमंत्री करणी माता के दर्शन, रेलवे स्टेशनों व सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन व जनता को संबोधित करेंगे

बीकानेर, (कासं) 21 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरूवार को बीकानेर आयेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री का राजस्थान का यह पहला दौरा है। कहा जा रहा है कि मोदी नाल एयरबेस पर एयरफोर्स के जवानों से भी मुलाकात कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री देशनोक में करणी माता के दर्शन करेंगे और देशनोक में ही आधुनिक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। वे पलाना (देशनोक) में सभा को संबोधित करेंगे। मोदी के स्वागत के लिए सड़कों पर बैनर और होर्डिंग लगाये गए हैं। राजस्थान के चीफ सैक्रेटरी सुधांश पंत ने बुधवार को पलाना में सभा स्थल का जायज़ा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि राजस्थान के अपने दौरे में कई और परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का भी अवसर मिलेगा। इनमें अनेक सड़क परियोजनाएं भी शामिल हैं। इनसे, जहां, आवाजाही की सुविधाएं बढ़ेंगी। वहीं, सीमावर्ती क्षेत्रों में हमारे डिफैंस इंफ्रास्ट्रक्चर को भी और मजबूती मिलेगी।

- बीकानेर के लोगों व जनता में जोश का माहौल, सड़कों पर मोदी के होर्डिंग व स्लोगन लगे हैं।
- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केन्द्रीय रेल तथा कानून मंत्री एवं राजस्थान के अनेक मंत्री बीकानेर पहुंचे। सभा स्थल पर एक लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था। तेज गर्मी के कारण 50 बैड का अस्थायी अस्पताल बनाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बीकानेर आयेंगे। यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ देशनोक में करणी माता के दर्शन करेंगे और देशनोक में ही आधुनिक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे तथा पलाना (देशनोक) में सभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी विशेष विमान से नाल एयरबेस पहुंचेंगे। यहां उनके स्वागत के लिए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल मौजूद रहेंगे। देशनोक में करणी माता के दर्शन के बाद प्रधानमंत्री मोदी देशनोक रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां, अमृत भारत योजना में देशनोक रेलवे स्टेशन, बूंदी, मांडलगढ़ और गोगामेड़ी स्टेशनों के अलावा देशभर के कई स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी भी दिखायेंगे।

इसके बाद मोदी पलाना (देशनोक) में सभा को संबोधित करेंगे। 26,000 करोड़ से अधिक की लागत वाले प्रोजेक्ट का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव नई दिल्ली से विशेष ट्रेन से बुधवार रात 9:10 बजे बीकानेर पहुंचेंगे और वहाँ से देशनोक जायेंगे तथा व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने दुश्मनों के मंसूबों को फेल कर दिया था। ऐसे में मोदी के दौरे

(शेष पृष्ठ 4 पर)

विधायक कंवर लाल मीणा ने मनोहर थाना कोर्ट में सरैन्डर किया

जयपुर, 21 मई। भाजपा के अंता विधायक कंवरलाल मीणा ने करीब एक माह से जारी लंबी जद्दोजहद के बाद, आखिरकार बुधवार को मनोहर थाना कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सरेंडर से पूर्व कंवर लाल मीणा ने प्रसिद्ध तीर्थ कामखेड़ा बालाजी मंदिर के दर्शन किए और बालाजी का आशीर्वाद लिया। विधायक मीणा को सुप्रीम कोर्ट ने

- सुप्रीम कोर्ट ने मीणा की याचिका खारिज कर दो सप्ताह में कोर्ट में सरैन्डर करने का आदेश दिया था।

उनकी लगाई याचिका खारिज होने के बाद, दो सप्ताह के भीतर कोर्ट में सरेंडर करने के आदेश जारी किए थे।

गौरतलब है कि विधायक कंवरलाल मीणा पर 20 वर्ष पूर्व चुनाव अधिकारी पर पिस्टल तानकर धमकाने, राजकार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप लगा था। इसके बाद एडीजे कोर्ट अकलेरा की ओर से विधायक मीणा को

(शेष पृष्ठ 4 पर)

एक लाख का इनामी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा रेवाड़ी से गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा निवासी खैरोली थाना महेंद्रगढ़ (हरियाणा) को रेवाड़ी से गिरफ्तार किया

- बहरोड थाने पर फायरिंग कर कुख्यात गैंगस्टर पपला गुर्जर को छुड़ाकर ले जाने का है आरोपी
- गैंगस्टर पपला गुर्जर के गांव का ही रहने वाला है राजवीर उर्फ लारा, करीब छह साल से फरार चल रहा था
- गैंगस्टर राजवीर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एके 56 रायफल मय डबल मैग्जीन व सात जिन्दा कारतूस बरामद किये

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर 5 साल 8 महीने पहले थाना बहरोड पर एके-47 एवं अन्य अत्याधुनिक हथियारों से हमला कर हवालात में बंद कुख्यात गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को भगाने के मामले में फरार चल रहे साथी गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा (32) निवासी खैरोली थाना महेंद्रगढ़ (हरियाणा) को रेवाड़ी से गिरफ्तार कर लिया है। इनामी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा की गिरफ्तारी पर पुलिस मुख्यालय से एक लाख रुपये का इनाम घोषित है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि 5-6 सितम्बर 2019 की रात हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला निवासी खैरोली जिला महेन्द्रगढ़ को भिवाड़ी जिले की बहरोड़ थाना पुलिस ने एक स्कॉर्पियो एवं 31.90 लाख रुपए नगद सहित गिरफ्तार किया था। अगले दिन गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा सहित अन्य 30 से अधिक बदमाश एके - 47 एवं अन्य अत्याधुनिक हथियारों के साथ बहरोड़ थाने पर हमला कर हवालात में बंद पपला गुर्जर को छुड़ाकर भगा ले गए थे। एडीजी एमएन ने बताया कि इस घटना के 17 महीने बाद 27-28 जनवरी 2021 को भिवाड़ी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में ईआरटी के कमांडो की टीम द्वारा विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को उसकी महिला मित्र जिया के साथ महाराष्ट्र के कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया। मामले में पुलिस अब तक 32 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा घटना के वक्त से ही फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए उनके कार्यालय से एक लाख के इनाम की घोषणा की गई।

एमएन ने बताया कि फरार इनामी गैंगस्टर राजवीर की तलाश व गिरफ्तारी के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के समन्वय व एजीटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्वान्त शर्मा के सुपरविजन एवं उप अधीक्षक पुलिस फूलचन्द टेलर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। आरोपी राजवीर की तलाश एवं धरपकड़ को एजीटीएफ ने "ऑपरेशन लारा" नाम दिया। इनामी बदमाश राजवीर बचपन में क्रिकेट का अच्छा खिलाडी था, इस कारण गांव में राजवीर को लारा नाम से पुकारते थे।

राजवीर की तलाश के प्रयासों के दौरान सामने आया कि आरोपी अपने पास ना तो मोबाइल रखता था और ना ही सोशल मीडिया का उपयोग करता था। ऑपरेशन लारा के दौरान एजीटीएफ द्वारा मुखबिर तंत्र मजबूत किया जाकर जमीनी स्तर पर कार्य कर गैंगस्टर राजवीर को रेवाडी हरियाणा से पकड़ा। इस कार्य को अंजाम देने के लिए भिवाड़ी हाल एजीटीएफ के कांस्टेबल सुधीर कुमार को लगाया गया था।

गैंगस्टर राजवीर ने गत 6 वर्षों के दौरान लगभग 18-20 राज्यों विजय नगर कर्नाटक, कोल्हापुर, नासिक महाराष्ट्र, गोवा, प्रयागराज उत्तर प्रदेश, हरियाणा व दिल्ली के विभिन्न जिलों में अपनी पहचान छुपाते हुए फरारी काटी है। इस दौरान इसने अनेक बार भेष बदला व दक्षिणी भारत में विभिन्न अखाड़ों में रहा ताकि पुलिस को चकमा दिया जा सके। अधिकतर समय बसों व ट्रेनों में लम्बी-लम्बी यात्राएं अलग-अलग नामों से की। किसी भी स्थान पर लम्बे समय तक नहीं रहा। आरोपी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा गंभीर प्रवृति के अपराध करने का आदी रहा है। इसके खिलाफ हरियाणा के महेन्द्रगढ़ में पूर्व से हत्या व मारपीट के प्रकरण दर्ज है, जिसमें हत्या के प्रकरण में जमानत पर चल रहा है।

इनामी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा की तलाश एवं गिरफ्तारी करने वाली एजीटीएफ टीम में डीएसपी फूल चन्द, एसआई कमलेश चौधरी, एएसआई शैलेन्द्र शर्मा, हैड कांस्टेबल राम अवतार, कांस्टेबल बृजेश शर्मा, लोकेश कुमार निर्वाण एवं सुधीर कुमार शामिल थे। कांस्टेबल सुधीर कुमार की मुल्जिम राजवीर की गिरफ्तारी व एके -56 रायफल की बरामदगी में अहम योगदान रहा।

स्मैक तस्कर को तीन साल का कठोर कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस प्रकरण जगदीश प्रसाद शर्मा ने स्मैक तस्करी के मामले में आरोपी को 3 साल के कठोर कारावास और 30 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

- कोर्ट ने 30 हजार के जुर्माने से भी दंडित किया

विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने बताया कि तत्कालीन बीगोद थाना प्रभारी आईपीएस प्रोबेशनर मृदुल कच्छावा ने 19 अप्रैल 2017 को सिंगपुरा-बड़लियास रोड पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान सिंगपुरा की ओर से आई एक बाइक को चालक ने पुलिस को देखकर पुन: उसी दिशा में घूमाने का प्रयास किया। संदेह के आधार पर पुलिस ने बाइक को रुकवाकर चालक से पूछताछ की तो उसने खुद को जीवा का खेड़ा निवासी दयाल पुत्र चतर बंजारा बताया। पुलिस ने तलाशी ली तो दयाल के पास 30 ग्राम स्मैक मिली। पुलिस ने बाइक जब्त कर दयाल को गिरफ्तार किया। अनुसंधान के बाद आरोपित दयाल के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट पेश की। न्यायालय में ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक गुर्जर ने 8 गवाह और 43 दस्तावेज पेश कर दयाल पर लगे आरोप सिद्ध करवाये। न्यायालय ने सुनवाई पूरी होने पर आरोपित दयाल को सजा सुनाई।

सैन्य अधिकारी के घर चोरी

बीकानेर, (निसं)। कैप्टन अंकित लठवाल की पत्नी अदिति ढ़ाका ने सदर थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वह अपने पति कैप्टन अंकित लठवाल के साथ 16 अप्रैल को नासिक गए थे। इस दौरान लांस नायक बलजिंदर सिह घर की देखभाल करते थे। बलजिंदर सिह ने 11 मई को क्वार्टर संभाला तो सही सलामत था। 17 मई को बलजिंदर ने वीडियो कॉल करके बताया कि क्वार्टर में चोरी हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अज्ञात चोर 40 ग्राम सोने के कड़े, 24.65 ग्राम सोने का ब्रेस्लेट,15.92 ग्राम सोने की चेन, 4.5 ग्राम सोने के लॉकिट, 33.29 ग्राम सोने की नैकलेस, 2 जोड़ी कानों के टॉप्स, अंगूठी सहित अन्य जेवरात चोरी हो गए।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
डॉ. राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल, राजीव गांधी विद्या भवन, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302017
क्रमांक :- प.6/रास्कूलशिप/जय/संस्था/बा.शि./केजीबीवी-साक्षात्कार/2024-25/राजकाज 15332008 दिनांक :- 16/05/2025
साक्षात्कार सूचना
समग्र शिक्षा अभियान अन्तर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालयों में राजकीय शिक्षिकाओं/शिक्षक/वार्डन के रिक्त पदों पर प्रतिनियुक्ति/पदस्थापन हेतु स्थगित किये गये ऑनलाइन साक्षात्कार दिनांक 26.05.2025 से 06.06.2025 तक आयोजित किये जायेंगे।
राज.संवाद/सी/25/2732 उपायुक्त (बालिका शिक्षा)

Municipal Council Dholpur
No. – 12229-31 Date- 20.05.2025
Notice Inviting Tender
N.I.T. is invited on behalf of Governor of Rajasthan by Municipal Council Dholpur for diesel generator fixing work from Registered Contractor the amount of work is 11.88 lacs and UBN No. are has under.
UBN No- DLB2526WSOB05348
For detail visit www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in
Commissioner
Municipal Council Dholpur
Raj.Samwad/C/25/2710

कार्यालय नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
क्रमांकः- एफ.10/SS-IV/2024-25/4572 दिनांकः- 20.05.2025
:: ई-निविदा सूचना ::
(UB NO. DLB2526WSOB05360)
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।
महापौर नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
आयुक्त नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/2739

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR
File No. 218-21 Date 07.04.2025
Notice Inviting Bid
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01386
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01387
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01388
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01389
Bids For NIT No. 01/2025-26 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 09.05.2025 11.00 AM to Date 30.05.2025 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 30.72 Lacs
(Saurabh Sharma)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur
DIPR/C/6230/2025

राज. बोर्ड : 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आज आयेगा

- एक साथ जारी होंगे साइंस, कॉमर्स व आट्र्स के परिणाम
- शाम पांच बजे जारी होगा परिणाम, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वीसी के जरिए जुड़ेंगे

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित किया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वीसी के जरिए जुड़ेंगे। बोर्ड प्रशासक और संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा गुरुवार शाम पांच बजे परिणाम जारी करेंगे।

बोर्ड के सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि साइंस, कॉमर्स व आट्र्स संकायों का रिजल्ट एक साथ जारी किया जाएगा। इस साल कुल 8 लाख 93 हजार 616 स्टूडेंट परीक्षा के लिए पंजीकृत थे। इनमें से साइंस में 2 लाख 73 हजार 984, कॉमर्स में 28 हजार 250 आर्ट्स में 5 लाख 87 हजार 475 और वरिष्ठ उपाध्याय में 3907 छात्र पंजीकृत थे। 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू हुई थी। रिजल्ट की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

उन्होंने बताया कि स्टूडेंट अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकेंगे। पिछले साल की भांति इस साल भी तीनों संकायों का परिणाम एक साथ जारी किया जा रहा है। शर्मा ने बताया कि बोर्ड की ओर से दसवीं कक्षा का परिणाम भी शीघ्र ही घोषित किया जाएगा। इसकी तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी।

पॉक्सो के आरोपी कैदी ने सेवर जेल में फांसी लगाई, मौत

- पॉक्सो एक्ट में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था कैदी
- कुछ दिनों पहले ही आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया था

भरतपुर, (निसं)। सेवर स्थित सेंट्रल जेल में एक कैदी ने हाई सिक्योरिटी बैरक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक कैदी पोक्सो मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। कुछ दिनों पहले ही वह आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया था, जिसके बाद करौली पुलिस ने उसे भरतपुर पुलिस को सौंप दिया था। कैदी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। जेल प्रशासन को सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

सेवर थाना अधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि सेवर जेल के जेलर मुकेश मीणा ने बताया था कि राजवीर पुत्र बलराम ने फांसी लगा ली है। मृतक जेल की बैरक नंबर 5 में था। इसमें दूसरा कैदी था वह सो रहा था। पुलिस की टीम ने कैदी के शव को नीचे उतारा। फिलहाल उसके शव को आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। राजवीर पुत्र बलराम को करौली पॉक्सो कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई हुई थी। 5 मई को बलराम आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया था। 19 मई को पुलिस ने इसे पकड़कर कल जेल भेजा था। कैदी ने रोशनदान में साफी को फांसी का फंदा बनाकर फांसी लगाई है। आरोपी बलराम (35) को 3 मई को आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड में एडमिट किया गया था। उसकी तबियत ख़राब थी। 5 मई को बलराम आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया। 19 मई को बलराम करौली पुलिस ने पकड़कर भरतपुर पुलिस को सौंप दिया। जिसके बाद कल उसे कोर्ट में पेश किया गया। कल भरतपुर कोर्ट ने बलराम को वापस सेवर जेल भेज दिया। आज उसने बैरेक नंबर पांच में रोशनदान से लटककर फांसी लगा ली।

दुष्कर्म के आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा : बीकानेर में पुलिस ने एक फैक्टरी में काम करने वाले श्रमिक परिवार की 10 साल की बच्ची दुष्कर्म के आरोपी दो अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फैक्टरी में काम करने वाले श्रमिक परिवार की 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया था। मुक्ताप्रसाद पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस ने पीड़िता के पड़ोस में रहने वाले पश्चिम बंगाल निवासी नरेश प्रधान और रिंकू बर्मन को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच कर रहे सीओ सिटी श्रवणदास संत ने दोनों अभियुक्तों को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली
क्रमांक-448-468 दिनांक-07/5/25
ई-निविदा सूचना संख्या-02/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो / केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दुर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE-PWD2526A0459
UBN No.- 1. PWD2526WSOB01382, 2. PWD2526WSOB01383
3. PWD2526WSOB01384, 4. PWD2526WSOB01385
अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड करौली
DIPR/C/6240/2025

कार्यालय नगर परिषद बून्दी
क्रमांकः- 1145 दिनांकः- 20.05.2025
-:: निविदा सूचना ::-
नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: निर्माण/2025-26/1113 दिनांक 19/05/2025 की निविदा दिनांक 19/05/2025 से दिनांक 30/05/2025 शाय: 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 02/06/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 02/06/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB05259, DLB2526WSOB05250, DLB2526WSOB05252, DLB2526WSOB05268, DLB2526WSOB05253, DLB2526WSOB05251, DLB2526WSOB05255, DLB2526WSOB05258, DLB2526WSOB05273, DLB2526WSOB05248, DLB2526WSOB05267, DLB2526WSOB05254, DLB2526WSOB05270, DLB2526WSOB05262, DLB2526WSOB05271, तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।
आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी
राज.संवाद/सी/25/2720

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने मोटरसाइकिलें चोर करने के मास्टर माईंड शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अब तक करीब डेढ दर्जन मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि परिवादी राजेश मीणा पुत्र जगदीशप्रसाद मीणा ने मामला दर्ज करवाया था कि वर्धमान डेंटल हॉस्पीटल के पास से कोई अज्ञात चोर उसकी मोटरसाइकिल को चुराकर ले गया। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम का गठन किया। मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा करने हेतु अलग-अलग जगह टास्क देकर टीमों द्वारा आरोपी नन्दलाल उर्फ नन्दा पुत्र हरचन्द कुमावत निवासी कुमावतों का नयागांव पुलिस थाना केकड़ी शहर जिला अजमेर से दबिश देकर गिरफ्तार किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत के मामले में प्रदर्शन जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत के मामले में 24 घंटे बाद भी बुधवार को प्रदर्शन खत्म नहीं हुआ है। परिजनों ने पुलिस पर जबरन मृतका के शव का पोस्टमार्टम करने का आरोप लगाते हुए एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार कृष्णा हॉस्पिटल में रायपुर तहसील के केसरपुरा गांव की रहने वाली सुखी देवी पत्नी जमुनालाल बैरवा को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए गत दिनों भर्ती करवाया गया था, जहां मंगलवार को अचानक उसकी ऑपरेशन के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया और दोषी चिकित्सा कर्मियों पर कार्रवाई की मांग और मुआवजे को लेकर परिजनों में प्रदर्शन किया। हंगामा शांत करने के लिए पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने समझाइश की, लेकिन कल जब देर शाम तक भी बात नहीं बनी तो पुलिस ने जबरन मृतका के शव का एमजी हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द करने की कोशिश की, लेकिन परिजनों ने शव उठाने से इनकार कर दिया। वहीं बुधवार को सवेरे 8 बजे से ही परिजन एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर जमा हो गए और बड़ी संख्या में समाज के लोगों की मौजूदगी हॉस्पिटल मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने जबरन मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाया है, जबकि परिजनों की सहमति नहीं थी। परिजनों ने दोषी चिकित्सकों पर कार्रवाई और उचित मुआवजा देने की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया, फिलहाल आक्रोशित समाज के लोग और परिजनों का प्रदर्शन एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर जारी है। 24 घंटे से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी मामले में अब तक भी परिजनों को न्याय नहीं मिल पाया है। वहीं अस्पताल प्रशासन का तर्क है कि महिला की मौत अटैक से हुई है ना कि अस्पताल की लापरवाही से। हालांकि यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि महिला की मौत किन कारणों से हुई।

बीकानेर को एक और नई ट्रेन मिलेगी

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर को मुंबई के लिए एक नई ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। 21903/21904 नंबर की यह ट्रेन मुंबई के बांद्रा टर्मिनस और बीकानेर के बीच चलेगी। इस ट्रेन की सेवा साप्ताहिक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को देशनोक रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

रेलवे बोर्ड के आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस नई साप्ताहिक ट्रेन के संबंध में अधिसूचना रेलवे बोर्ड द्वारा जारी कर दी गई है। 22 मई को पीएम मोदी इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उसके बाद इस ट्रेन की नियमित सेवा प्रारंभ होगी। गाड़ी संख्या 21903 अप प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से रात्रि 23:25 बजे रवाना होगी।

युवकों ने नाबालिग से दुष्कर्म किया

नोखा, (निसं)। यहां एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने नोखा थाने में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता ने बताया कि मई 2024 में वह दुकान जा रही थी। राजकीय स्कूल के पास उसके गांव का एक युवक और उसका साथी मिले। गांव के युवक ने उसे गर्मियों की छुट्टियों के दौरान स्कूल के बरामदे में बैठकर बात करने को कहा। पीड़िता के मना करने पर दोनों युवक उसे जबरन स्कूल के शौचालय में ले गए। वहां दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसे चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान एक आरोपी ने घटना का वीडियो बना लिया। आरोपियों ने पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार प्रताड़ित किया। उन्होंने उसे अन्य जगहों पर बुलाने का दबाव बनाया। मना करने पर उन्होंने कथित अश्लील वीडियो वायरल कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया कि वह इस घटना के बाद से मानसिक तनाव में है।

- वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया, मामला दर्ज, घटना के बाद से पीड़िता मानसिक तनाव में

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)
Phone No- (07459) 220016 Email-mbramganjmandi@rajasthan.gov.in
क्रमांक : न.पा.रा./2025/829-31 दिनांक 20.05.2025
ई-निविदा सूचना 01/2025-26
नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 20.05.2025 से 05.06.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 20.05.2025 से 05.06.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि 06.06.2025 समय दोपहर : 02.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 06.06.2025 को दोपहर 03:00 बजे तक रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
NIB -DLB2526A1527 UBN - DLB2526GSOB05335
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रामगंजमण्डी
राज.संवाद/सी/25/2703

कार्यालय नगरपरिषद डूंगरपुर (राज.)
Tel.:-02964&232459, फैक्स :- 02964-233690, Email Id :- npd.dpr@gmail.com
क्रमांकः- स्टोर/न.प.डूं/2025-26/679 दिनांक :-14.05.2025
निविदा सूचना संख्या 05/2025-26
नगरपरिषद् डूंगरपुर के ओर से कार्य के अनुभवी एवं स्थानीय व्यवसायीयों से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	:	1 कार्य
निविदा की लागत	:	11.00 लाख
कुल धरोहर राशि	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत 22000/-
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	:	14.05.2025 प्रातः 11.00 बजे से 27.05.2025 सांय 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	:	14.05.2025 प्रातः 11.00 बजे से 27.05.2025 सांय 6.00 बजे तक
कार्यालय में डी.डी.जमा कराने की तारीख	:	28.05.2025 दोपहर 2.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	:	29.05.2025 प्रातः 11.00 बजे से

UBN NO. DLB2526SLOB04692
सभापति नगरपरिषद डूंगरपुर (राज.)
आयुक्त नगरपरिषद डूंगरपुर (राज.)
राज.संवाद/सी/25/2717

लोगों को मारकर मगरमच्छ को खिलाने वाले डॉक्टर डेथ को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया

आरोपी को दिल्ली पुलिस ने जाल बिछाकर दौसा जिले के ग्राम गुढाकटला में स्थित रामेश्वर धाम आश्रम से गिरफ्तार किया

- डॉक्टर डेथ रामेश्वर धाम आश्रम में पुजारी का भेष बनाकर रह रहा था तथा खुद का नाम संत दयादास बताता था
- गिरफ्तारी से पूर्व दिल्ली पुलिस ने आश्रम की रैकी की तथा दवा लेने के बहाने डॉक्टर डेथ को गिरफ्तार किया

दौसा, (निसं)। लोगों को मारकर मगरमच्छ को खिलाने वाले डॉक्टर डेथ को दिल्ली पुलिस ने जाल बिछाकर दौसा जिले के ग्राम गुढाकटला में स्थित रामेश्वर धाम आश्रम से गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर डेथ रामेश्वर धाम आश्रम में पुजारी का भेष बनाकर रह रहा था तथा खुद का नाम संत दयादास बताता था। गिरफ्तारी से पूर्व दिल्ली पुलिस ने आश्रम की रैकी की तथा दवा लेने के बहाने डॉक्टर डेथ को गिरफ्तार किया।

आयुर्वेदिक डॉक्टर से सीरियल किलर बना देवेंद्र शर्मा (67) पिछले साल पैरोल पर छूटने के बाद से फरार था। शर्मा के खिलाफ कई लोगों की हत्या का मामला दर्ज है। उसे दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा में सात अलग-अलग मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और गुरुग्राम की एक अदालत ने उसे मृत्युदंड भी दिया था। पुलिस को संदेह है कि वह 50 से ज्यादा हत्याओं के मामलों में संलिप्त है। सूत्रों ने बताया कि 2002 से 2004 के बीच कई टैक्सी और ट्रक चालकों की नृशंस हत्याओं के लिए तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। वह अगस्त 2023 में पैरोल पर बाहर आया था। बताया जाता है कि शर्मा और उसके साथी ड्राइवरों को फर्जी यात्रा के लिए बुलाते थे, उनकी हत्या करते थे और उनके वाहनों को ब्लैक मार्केट में बेच देते थे। इसके बाद सभी सबूत मिटाने के लिए शवों को उत्तर प्रदेश के कासगंज में हजारा नहर के मगरमच्छों से भरे पानी में फेंक दिया जाता था।

सूत्रों ने बताया कि शर्मा का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें हत्या, अपहरण और डकैती के कम से कम 27 मामले शामिल हैं। वह पहली बार 1995 से 2004 के बीच अवैध गुर्दा प्रतिरोपण रैकेट चलाने के लिए कुख्यात हुआ था। बीएएमएस (आयुर्वेदिक चिकित्सा और सर्जरी में स्नातक) डिग्रीधारक शर्मा ने 1984 में राजस्थान में एक क्लिनिक खोला था। उसने पुलिस के सामने कई राज्यों में डॉक्टरों और बिचौलियों की मदद से 125 से अधिक अवैध प्रतिरोपण कराने की बात कबूल की थी। सूत्रों ने बताया कि 1995 से 2004 के बीच उसने एक गिरोह बनाया जो कथित तौर पर एलपीजी सिलेंडर ले जा रहे ट्रकों को रोकता था, चालकों को मारता था और खेप चुरा लेता था। उसने टैक्सी चालकों की लक्षित हत्याएं भी कीं। सूत्रों ने बताया कि उसका गिरोह ट्रक को कबाड़ के तौर पर बाजार में बेच देता था। इस दौरान शर्मा पर दो दर्जन से ज़्यादा लोगों की हत्या करने का संदेह है। वह एक गिरोह का भी हिस्सा था और कथित तौर पर हर मामले के लिए सात लाख रुपये वसूल करता था।

शर्मा को गुर्दा गिरोह और सिलसिलेवार हत्याओं के संबंध में 2004 में गिरफ्तार किया गया था। शर्मा तिहाड़ जेल में अपनी सजा काट रहा था और अगस्त 2023 में पैरोल पर रिहा होने के बाद से फरार था। अपराध शाखा को उसकी तलाश का काम सौंपा गया था। अलीगढ़, जयपुर, दिल्ली, आगरा और प्रयागराज सहित कई शहरों में छह महीने तक चले अभियान के बाद टीम ने उसके दौसा के ग्राम गुढाकटला धाम आश्रम में होने का पता लगाया, जहां वह झूठी पहचान के साथ आध्यात्मिक व्यक्ति के रूप में रह रहा था। यह पहली बार नहीं है जब शर्मा पैरोल पर छूटने के बाद फरार हुआ था। उसे 28 जनवरी, 2020 को 20 दिन की पैरोल दी गई थी, लेकिन जुलाई में अपराध शाखा द्वारा दिल्ली से गिरफ्तार किए जाने से पहले वह सात महीने तक फरार रहा था।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि डॉक्टर डेथ की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने गुढाकटला के आसपास अपना डेरा जमा लिया, गिरफ्तारी से पूर्व दिल्ली पुलिस ने आसपास की रैकी की तथा मरीज बनकर दवा लेने पहुंच गए। दवा देते वक्त डॉक्टर डेथ को गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर डेथ ने 7 हजार रुपये में मकान किराए पर ले रखा था, जिसने वृद्ध आश्रम खोलकर अपने मंसूबों को अंजाम देने की योजना बना रहा था। आश्रम में ऐशो आराम की जिंदगी जीने के लिए एसी-कूलर लगा रखे थे। संत दयादास के नाम से रहता था। 2002 के आसपास बांदीकुई के गुढाकटला रोड़ पर जनता क्लिनिक खोल रहा था। पहली गिरफ्तारी बांदीकुई से दो हत्याओं के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
क्रमांक :- कृ.उ.म.स./सुविधा/2025-26/94-106 दिनांक :- 14/05/2025
कृषि उपज मण्डी समिति श्रीडूंगरगढ़ द्वारा निम्नांकित व्यवस्थाओं/सेवाओं के संचालन के लिए उपापन ठेका पद्धति द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुभवी फर्मों/ठेकेदारों/सदभावी व्यवहारियों से मोहरबन्द बोली आमंत्रित की जाती है। निम्न सारणी में वर्णित कार्यों की निविदा/ बोली आमंत्रण सम्बन्धित विवरण एवं शर्तों का http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य/व्यवस्था का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा शुल्क (रु. में)	निविदा प्रपत्र बेचने की अन्तिम दिनांक व समय	निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की दिनांक व समय	प्राप्त निविदाएँ खोलने की दिनांक व समय
1.	मुख्य मण्डी प्रांगण में विद्युत व्यवस्था UBN (DAM2526SSOB00106)	3.00	6000/-	500/-	27.05.2025 दोपहर 1200 बजे तक	27.05.2025 सांय 5.00 बजे तक	28.05.2025 दोपहर 2.00 बजे
2.	मुख्य मण्डी प्रांगण में चौकीदारी संचालन UBN (DAM2526SSOB00107)	9.80	19600/-	500/-			
3.	मुख्य मण्डी प्रांगण में प्याऊ संचालन UBN (DAM2526SSOB00108)	2.50	5000/-	500/-			
4.	मुख्य मण्डी प्रांगण में सफाई व्यवस्था UBN (DAM2526SSOB00109)	9.80	19600/-	500/-			
5.	मुख्य मण्डी प्रांगण हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर ठेका UBN (DAM2526SSRC00105)	9.50	19000/	500/-			
6.	कियोस्क संख्या 01 व 02 UBN (DAM2526SSOB00110)	-	15000/-	300/-	27.052025 दोपहर 12.00 बजे तक	27.05.2025 साय 5.00 बजे	खुली बोली द्वारा 28.05.2025 दोपहर 1.00 बजे

नोट : बोली आमंत्रण सूचना सम्बन्धित नियम/शर्ते सम्बन्धी बोली दस्तावेज उपरोक्त तालिका में दिए निर्धारित शुल्क अनुसार जमा करवाकर कृषि उपज मण्डी समिति श्रीडूंगरगढ़ कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में निर्धारित दिनांक एवं समय तक कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते है।
NIB Code :- DAM2526A0079
प्रशासक कृषि उपज मण्डी समिति श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
सचिव कृषि उपज मण्डी समिति श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
राज.संवाद/सी/25/2700

नेगचार बाग को नोटिस देने के बाद कार्रवाई करना भूला जेडीए प्रशासन

सीकर रोड पर सोनी हॉस्पिटल के सामने आवासीय गिरधर कॉलोनी में 2300 वर्ग गज ज़मीन पर अवैध तरीक़े से संचालित है नेगचार बाग रेस्टॉरेंट एवं बैंकवेट

जयपुर । राजधानी जयपुर में सीकर रोड पर सोनी हॉस्पिटल के सामने आवासीय गिरधर कॉलोनी में 2300 वर्ग गज ज़मीन पर अवैध तरीक़े से संचालित नेगचार बाग रेस्टॉरेंट एवं बैंकवेट को ध्वस्त करने के बजाय जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है।

जबकि जेडीए ने गत आठ फ़रवरी को इस रेस्टोरेंट का संचालन करने वाले नवीन चौधरी को धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में कहा गया था कि, आपने ग़ैर अनुमोदित आवासीय गिरधर कॉलोनी के प्लॉट संख्या चार पर जेडीए की बिना अनुमति एवं स्वीकृति 2300 वर्गगज जमीन पर नेगचार बाग के नाम से रेस्टोरंट व बैंक्वेट हॉल का निर्माण कर व्यवसाय संचालन किया जा रहा है, जोकि जेडीए विनियमों एवं बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन होने के कारण अवैध और अनाधिकृत है। जेडीए प्रशासन ने इस नोटिस के ज़रिये नवीन चौधरी से सात दिन यानी 15 फ़रवरी तक 2025 तक जवाब माँगा था साथ ही चेतावनी भी दी थी कि अगर अवैध निर्माण नहीं हटाया गया तो जेडीए की ओर से तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। हैरानी की बात यह है कि इस नोटिस की समय अवधि ख़त्म होने के क़रीब तीन माह के बाद भी जेडीए प्रशासन इस अवैध रेस्टोरेंट पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। जबकि जेडीए ट्रिब्यूनल ने भी 4 अप्रैल 2025 को शिवांगन कंस्ट्रक्शन की ओर से दायर याचिका पर भी जेडीए को कार्रवाई के आदेश दिए थे ।

- **जेडीए ट्रिब्यूनल ने भी 4 अप्रैल 2025 को शिवांगन कंस्ट्रक्शन की ओर से दायर याचिका पर भी जेडीए को कार्रवाई के आदेश दिए थे।**

लिफ्ट देकर महिला को बाइक सवार दो बदमाशों ने लूटा

जयपुर। आमेर थाना इलाके में लिफ्ट देकर बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला को लूट लिया।

पुलिस के अनुसार पन्ना मीणा कुंड निवासी कमला मीणा ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार से घर लौट रही थी इसी दौरान उसने तेज गर्मी के चलते बाइक सवारों से लिफ्ट मांगी। बाइक सवार बदमाशों ने उसे लिफ्ट दी और उसे जैन मंदिर सागर के पास सुनसान स्थान पर ले गए और उसके गले से सोने का लॉकेट छीनकर ले गए। घटना 20 मई की शाम करीब साढ़े चार बजे की है।

इस पर पीडिता घर पर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और मामला दर्ज करवाया।

पुलिस कमिश्नर अब 23 मई को झोटवाडा थाने में करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने जनसुनवाई में आंशिक संशोधन करते हुये 29 मई की जगह अब 23 मई (शुक्रवार) को शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक पुलिस थाना झोटवाडा में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) कुँवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाडा एवं चौंमू एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

समर कैंप शुरू

जयपुर। गोविंद नगर पश्चिम, आमेर रोड स्थित शिवम् पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल कैम्पस में समर कैंप शुरू हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डायरेक्टर बाबूलाल अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि प्राचार्या विद्या गर्ग रहे।

सार-समाचार

लैंडमार्क स्थापना दिवस पर सेल्फ डिफेंस कार्यशाला

जयपुर। लैंडमार्क ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्ययूशन के 27वें स्थापना दिवस के अवसर पर तीन दिवसय नि:शुल्क सेल्फ डिफेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक सेन्सई अंजू द्वारा विषम परिस्थितियों में आत्मरक्षा के गुर बताये गए और यह समझाया कि किसी भी हमलावर से खुद को बचाने के लिए कौन-कौन सी तकनीकें अपनानी चाहिए। इस अवसर पर लैंडमार्क ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्ययूशन की डायरेक्टर एवं सारस्वत महिला मंडल की अध्यक्षा लीनेस कुलदीप शर्मा ने बताया कि आज के समय में लड़कियों के लिए सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त और आपातकाल में किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम बनाता है। सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद छात्राएं, युवतियां और महिलाएं छेड़छाड़ या अन्य किसी भी उत्पीड़न से खुद का बचाव कर सकती हैं। लैंडमार्क संस्था हर साल बच्चियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे रहा हैं। यह सामाजिक सरोकार है।

महेंद्र सिंह राठौड़ फिर चुने राटो के अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) के कार्यकारिणी समिति के चुनाव जयपुर में निर्विघ्न सम्पन्न हुए। महेंद्र सिंह राठौड़ एक बार फिर निर्विरोध राटो के अध्यक्ष चुने गए हैं। दविपाल सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सुखदेव सिंह उपाध्यक्ष नियुक्त हुए। वहीं, मोहन सिंह मेड़तिया को सचिव और नरेंद्र सिंह को संयुक्त सचिव चुना गया है। हेम सिंह कोषाध्यक्ष और दिलीप चौहान चेयरमैन ईवेंट नियुक्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, 8 कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए। इनमें पुष्पेंद्र सिंह, वंश प्रदीप सिंह, कुंदन सिंह, यतीश धाभाई, विनीत विजयन, एसएन शर्मा, पीयूष माथुर और राजेंद्र सिंह राठौड़ शामिल हैं।

आयुक्त ने सिलिकोसिस सहायता राशि के लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश

जयपुर। आयुक्त एवं विशिष्ट शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बुधवार को भुगतान की गई सिलिकोसिस सहायता राशि का संबंधित विभागों से अंक मिलान एवं पुनर्भरण करवाने के लिए संबंधित जिला अधिकारियों के साथ वीसी के जरिए बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार भवन में आयोजित अहम बैठक में सिलिकोसिस नीति के तहत सिलिकोसिस योजना के नवीन या पुराने पोर्टल पर अंक मिलान के लंबित प्रकरण, नोडल अधिकारी स्तर पर सिलिकोसिस के मृत्यु सहायता के लिए लंबित प्रकरणों का निस्तारण करवाने सहित कई अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अग्रवाल ने कहा कि राज्य में न्यूमोकोनियोसिस (सिलिकोसिस) नीति के तहत न्यूमोकोनियोसिस (सिलिकोसिस) रोग की पहचान, रोकथाम, नियंत्रण एवं पीड़ित तथा पीड़ित के परिवार के पुनर्वास के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। इस नीति के अन्तर्गत केन्द्रीयकृत ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से निदेशालय विशेष योग्यजन द्वारा सिलिकोसिस सहायता राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से पीड़ितों को किया जा रहा है। निदेशक ने कहा कि इस योजना में भुगतान की गयी सिलिकोसिस जीवित या मृत्यु सहायता का संबंधित श्रमिक के खान विभाग या श्रम विभाग या अन्य (राज्य निधि) से अंकमिलान कर उक्त राशि का संबंधित विभाग से पुनर्भरण कर निधि में बजट प्राप्त किया जाता है। बैठक के दौरान अतिरिक्त निदेशक (विशेष योग्यजन) चंद्रशेखर चौधरी सहित श्रम, खान एवं संबंधित विभागों के जिला स्तरीय एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए कार्यशाला 28 को

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 28 मई को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित करवाई जाएगी। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने इस बारे में सभी जिला कलेक्टरों को जिला स्तरीय कार्यशाला के आयोजन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक, योग प्रशिक्षक, आहार विशेषज्ञ, स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिलाधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, परामर्शदाताओं के अतिरिक्त जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी शामिल होंगे तथा वरिष्ठ नागरिकों से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। अग्रवाल ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यशालों में लगभग 75 से 300 प्रतिभागियों (जिसमें 75 प्रतिशत बुजुर्ग, 15 प्रतिशत युवा व 10 प्रतिशत अन्य) की भागीदारी के अतिरिक्त जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य सदस्य की उपस्थिति रहेगी। कार्यशाला में जिला विशेषयोग्यजन पुनर्वास केंद्र एवं प्रधानमंत्री दिव्यांग केंद्र के माध्यम से आवश्यकतानुसार आंकलन पश्चात सहायक उपकरण और उपकरणों के वितरण के लिए शिविर और वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक जानकारी और सेवाएं प्रदान करने के लिए ई-मित्र सेवा प्रदाता भी मौजूद रहेंगे।

'फिनटेक पार्क को बर्बाद नहीं होने देंगे'

जयपुर। स्वेज फार्म सर्किल से पार्षद पंडित करण शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ो लोग पदयात्रा कर फिन टेक पार्क की ओर रवाना हुए। कांग्रेस पार्षद वार्ड नंबर 134 पंडित करण शर्मा ने बताया कि यह पदयात्रा इसलिए निकली जा रही है, जिससे जयपुर शहर का ऑक्सीजन कहा जाने वाला फिन टेक पार्क जो की तारों, दुर्गापुरा पर पर स्थित है वहां पर वर्तमान में भाजपा शासित सरकार पीएम आवास योजना लाकर बहु मंजिली इमारत बनाने जा रही है। इस पार्क में 2500 से अधिक पेड़ लगे हुए हैं जिसमें राज्य पेड़ खेजड़ी के भी कई पेड़ हैं, उन सबको काटने लगातार कार्य सरकार कर रही है। पंडित करण शर्मा सैकड़ो लोगों के साथ में जिसमें महिलाओ एवं युवाओं को साथ में लेकर अशोक के पेड़ लेकर स्वेज फार्म सर्किल से निकालकर, गुर्जर की थड़ी होते हुए, रिद्धि सिद्धि चौराहा होते हुए, फिन टेक पार्क की ओर निकले और उन्होंने कहा कि हम यह पेड़ फिन टेक पार्क पर जाकर लगाएंगे। किसी भी कीमत में जयपुर शहर के ऑक्सीजन कहे जाने वाले इस पार्क को बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा काटने नहीं दिया जाएगा। हम अहिंसा के जरिए अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए पार्क को बचाने की पुरजोर कोशिश करेंगे अगर सरकार फिर भी नहीं मानेगी तो सरकार की ईट से ईट बजा देंगे लेकिन पार्क को नहीं काटने देंगे जयपुर के साथ में इस अन्याय को नहीं होने देंगे। इस अवसर पर रोहन मीणा आशीष बर्मन अजय सिंह एडवोकेट रवि शर्मा एडवोकेट कुणाल शर्मा एडवोकेट प्रमोद गौतम एडवोकेट रविंद्र मान रोहिताश सिंह अजय वर्मा अमित शर्मा शीला शर्मा श्याम शर्मा हरीश वर्मा राहुल जांगिड़ सुमन शर्मा प्रेमलता गायत्री देवी परमानंद मीणा रवि यादव एवं अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

केंद्रीय श्रमिक संगठनों का केंद्र सरकार की हठधर्मिता के विरोध में प्रदर्शन

जयपुर। राज्य के केंद्रीय श्रमिक संगठन, इंटक, एटक, एचएमएस, सीटू, राज सीटू, एक्टू आदि के संयुक्त तत्वावधान में श्रम विभाग के कार्यालय के समक्ष केंद्र सरकार द्वारा अपनाई गई आर्थिक, सामाजिक, श्रम संबंधी नीतियाँ, कार्यकलाप एवं श्रमिक, मध्यम वर्ग/गरीब जनता के मुद्दों को लगातार दरकिनार करने संबंधी प्रवृत्ति एवं विशेष रूप से श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड लागू करने के निर्णय के विरुद्ध विशाल प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित श्रमिको को श्रमिक नेता कुणाल रावत, मुकेश माथुर, रविन्द्र शुक्ला, राम अवतार स्वामी, रामपाल सैनी, एस के शर्मा आदि ने संबोधित किया।

राज्य के केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड लागू करने के निर्णय के विरुद्ध प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि हमने पहलगाम में आतंकी हमला, निर्दोष 26 लोगों की दु:खद हत्या तथा उसके बाद की परिस्थितियों के मध्येनजर 20 मई की राष्ट्रव्यापी श्रमिक हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया, आतंकवादियों एवं दुश्मन राष्ट्र के विरुद्ध भारतीय सेना द्वारा प्रदर्शित बहादुरी पर हम गर्व करते हैं। लेकिन ऐसी विषम परिस्थितियों में भी भारत सरकार, श्रम संहिताओं को लागू करने, काम के घंटे बढ़ाने और ट्रेड यूनियन अधिकारों पर अंकुश लगाने के लिए आक्रामक तरीके से दबाव बना रही है। सरकार द्वारा कॉरपोरेट घरानों को सक्रिय रूप से समर्थन दिया जा रहा हैं। वैधानिक न्यूनतम वेतन एवं सामाजिक सुरक्षा लाभों का इनके द्वारा खुलकर उल्लंघन किया जा रहा है।

केन्द्रीय श्रमिक संगठनों ने यह भी मांग की हैं कि रेलवे, बैंक, बीमा, बंदरगाह और गोदी आदि का निजीकरण रोका जाएं।

स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा सेवाओं को सरकारी क्षेत्र में ही बनाए रखा जाएं। ठेका श्रमिकों को नियमित श्रमिकों के समान वेतन, भत्ते एवं अन्य सुविधाएं दी जाएं। समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित किया जाए। रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाएं एवं नियमित रोजगार दिया जाएं।

प्रदर्शन में डी के छंगाणी, मुकेश चतुर्वेदी, भंवर सिंह, जीवन गुर्जर, राजीव सारण, रमेश चतुर्वेदी, किशन सिंह, राकेश यादव, केशव व्यास,पवन डूडी,विनोद राय ,शरीफ़, बी एम सुंडा, राशिदजुम्मा खान सहित अनेक साथी उपस्थित थे।

सड़क हादसों में एक महिला व व्यक्ति की मौत

जयपुर। शहर में अलग-अलग सड़क हादसों में एक महिला व व्यक्ति की मौत हो गई। सीकर रोड पर जैतपुरा के पास बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग निकला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **सीकर रोड पर जैतपुरा के पास और आगरा रोड पर बगराना के पास हुई दुर्घटना**

पुलिस के अनुसार श्रीराम विहार वीकेआई निवासी 55 वर्षीय रामपाल पुत्र मेहूं अपने एक साथी के साथ फैक्ट्री में काम करने बाइक से जा रहे थे। दोपहर करीब ढाई बजे जैतपुरा में धर्मकांटे के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर रामपाल की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि उसके साथी का उपचार जारी है। दूसरी घटना में आगरा रोड पर बगराना के पास सड़क पार कर रही महिला को बाइक ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बाइक लेकर फरार हो गया। हादसे की जांच दुर्घटना थाना पुलिस पूर्व द्वितीय कर रही है। पुलिस के अनुसार बगराना निवासी 52 वर्षीय रजा देवी मजदूरी करने बाजार जा रही थी। इसी दौरान सुबह करीब साढे आठ बजे आगरा रोड पर बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। इससे महिला गंभीर रुप से घायल हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

50 मर्डर करने वाला डॉक्टर डेथ राजस्थान से गिरफ्तार

शवों को मगरमच्छों के बीच फेंक देता था, आश्रम में पुजारी बनकर छिपा हुआ था

जयपुर। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात सीरियल किलर देवेंद्र शर्मा उर्फ "डॉक्टर डेथ" को दौसा से गिरफ्तार किया है। डॉक्टर डेथ 50 से अधिक लोगों की हत्या कर चुका है। आरोपी अगस्त 2023 में पैरोल पर बाहर आकर फरार हो गया था। इसके बाद वह कई जगहों पर फरारी काटने के बाद दौसा के एक आश्रम में पुजारी बनकर छिपा हुआ था।

क्राइम ब्रांच को डॉक्टर प्रवचन देता हुआ मिला। आरोपी डॉक्टर देवेन्द्र शर्मा पूर्व में एक किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट से भी जुड़ा था। दिल्ली से लेकर हरियाणा-राजस्थान तक 50 से अधिक लोगों की हत्या करने और इनके शवों को यूपी के कासगंज में मगरमच्छों को खिलाने वाले राक्षस 'डॉक्टर डेथ' को दिल्ली की क्राइम ब्रांच दौसा से गिरफ्तार कर दिल्ली ले गई। सात मामले में उम्र कैद के बाद एक मामले में फांसी का इंतजार कर रहा यह सीरियल किलर अगस्त 2023 में तिहाड़ जेल से पैरोल पर बाहर आया था। इसके बाद से ही फरार चल रहा था।

दिल्ली के कुख्यात आयुर्वेदिक डॉक्टर देवेंद्र शर्मा का पहली बार क्राइम फाइल में नाम 1998 से 2004 के बीच आया था। वह किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट से जुड़ा हुआ था। इस मामले में उसकी गिरफ्तारी हुई और उसने 125 से अधिक अवैध ट्रांसप्लांट के केस कबूल किए थे। इससे पहले देवेंद्र शर्मा ने 1994 में गैस एजेंसी की डीलरशिप ली थी।

हालांकि इसमें घाटा हुआ तो उसने मानव अंगों की तस्करी शुरू कर दी थी। इस प्रकार हत्या की ताबड़तोड़ वारदातों को अंजाम देते हुए यह कब खूंखार सीरियल किलर बन गया, इसे खुद पता नहीं चला। पुलिस की मानें तो आरोपी पर हत्या की सनक सवार थी। इसके लिए वह खासतौर पर टैक्सी ड्राइवरों को निशाना बनाता था।

वह टैक्सी बुक करता और फिर ड्राइवर की हत्या करने के बाद उसके शव को उत्तर प्रदेश के कासगंज में मगरमच्छों के लिए मशहूर हजारा नहर में डाल देता था। वहां पलक झपकते मगरमच्छ शवों को खा जाते थे। इसलिए आरोपी के खिलाफ पुलिस को सुराग नहीं मिल पाता। इसके बाद वह टैक्सियों को ब्लैक मार्केट में बेच देता था।

वह दौसा के एक आश्रम में पुजारी बनकर फरारी काटने लगा। इधर, दिल्ली पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस करने और उसे पकड़ने के लिए आधा दर्जन से अधिक टीमें बना रखी थी।

इन टीमों ने बड़ी मुश्किल से उसकी लोकेशन को ट्रैक किया और उसे पकड़ने के लिए दौसा के आश्रम में पहुंची। इस दौरान आरोपी आश्रम में प्रवचन करता मिला।

डेल कंपनी और डीलर पर खराब लैपटॉप बेचने के लिये जुर्माना

जयपुर। जिला उपभोक्ता मंच जयपुर प्रथम ने खराब लैपटॉप बेचने तथा विवादित लैपटॉप में प्रारंभ से उत्पादकीय दोष होने के बावजूद उपभोक्ता की समस्या का समाधान न कर पाने का, सेवा दोष कारित करने के लिये डेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड व डीलर सन्ट्रोनिक कम्प्यूटर्स, जयपुर पर जुर्माना लगाया। इस मामले की पैरवी अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल द्वारा की गई।

मामले के तथ्यों के अनुसार उपभोक्ता मोहनलाल अग्रवाल ने एक डेल कंपनी का लैपटॉप 2014 में खरीद लिया था, जिसमें तकनीकी समस्या आने के कारण उपभोक्ता ने उसे वापस कर राशि प्राप्त कर ली तथा पहले से अधिक राशि का लैपटॉप पुन: क्रय किया। इसके बावजूद उपभोक्ता को लैपटॉप में अनेक प्रकार की तकनीकी समस्या आने लगी। अधिवक्ता सिंघल ने यह भी बताया कि डेल कंपनी में उपभोक्ता द्वारा शिकायत किये जाने पर कंपनी के कर्मचारियों ने उक्त मॉडल के अनेक लैपटॉप में तकनीकी शिकायतें आने का जिक्र किया था।

आंखों में मिर्ची डालकर सोने की टॉप्स खींचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

गांधी नगर थाना पुलिस ने बुजुर्ग महिला की सोने की टॉप्स खींचकर ले जाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर। गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की आंखों में मिर्ची डालकर कानों से सोने की टॉप्स खींचकर ले जाने वाले दो आरोपियों को धर-दबोचा है और उनके पास से छीने गए सोने के टॉप्स भी जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की आंखों में मिर्ची डालकर कानों से सोने की टॉप्स खींचकर ले जाने वाले 20 वर्षीय अनिकेत उर्फ कालू और 20 वर्षीय शाहिल गुजराती को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपित झालाना डूंगरी जयपुर के रहने वाले है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित शराब पार्टी करने के आदि है तथा अपने शौक पूरा करने के लिए रुपयों की जरूरत के लिए वारदात को अंजाम देते है। थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि 70 वर्षीय मुन्नी देवी ने 19 मई को मामला दर्ज करवाया था कि वह बकरियों को पानी पिलाने जंगल में गयी थी। इस दौरान पीछे से दो लडको ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर जैसा पदार्थ डालकर कर उसके कान के सोने के टॉप्स,गले का जंतर और 20 हजार रुपये की नकदी लेकर भाग गये। आरोपी वारदात के बाद गुजरात जाने की फिराक में थे। लेकिन पुलिस की कड़ी नाकाबंदी के कारण भागने में सफल नहीं हो सके। दोनों के आरोपियों के शरीर पर चोट आई हुई थी व पट्टी बंधी हुई थी। जिनसे पूछताछ में सामने आया कि आरोपित भाग रहे थे तो जंगलात की ऊंची दीवार जिस पर तार लगे हुये थे से कूद गये थे जिससे गिरने पडने से शरीर पर चोट आई।

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में 28 पुलिस निरीक्षक इधर-उधर

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने 2 पुलिस निरीक्षकों को इधर-उधर किया है साथ ही दो पुलिस निरीक्षको को लाइन हाजिर भी किया गया है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के जारी आदेश के अनुसार गुरु भूपेंद्र सिंह को मुहाना, राजेश शर्मा को सोडाला, सुरेंद्र सैनी को बजाज नगर, धर्म सिंह को माणक चौक, हरि ओम (एस आई) को भट्टा बस्ती, महावीर यादव को कोतवाली,राजेश मीणा को आदर्श नगर, बलवीर को सुभाष चौक, सुभाष यादव को रामगंज, उदय सिंह को गलता गेट, राजेश शर्मा को आमेर, मुकेश मीणा को जयसिंहपुरा, माधो सिंह को संजय सर्किल, सुरेश यादव को नाहरगढ़, देवेंद्र प्रताप को सदर, पूनम को एसएमएस, राजेश कुमार सिंह को वैशाली नगर, हवा सिंह को करणी विहार, अंतिम शर्मा को चित्रकूट, रविंद्र नरूका को विश्वकर्मा, लिखमाराम को प्रभारी सीएसटी पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, मानवेंद्र सिंह को जयपुर मेट्रो, सुरेंद्र सिंह को यातायात निरीक्षक प्रथम जयपुर पूर्व, विनोद जाखड़ को यातायात निरीक्षक सेकंड जयपुर पूर्व, कैलाश प्रसाद को पुलिस निरीक्षक यातायात प्रशासन, वर्षा रानी भोजगी को अपराध सहायक जयपुर पूर्व, धर्मेंद्र शर्मा और रामेश्वरी रिजर्व पुलिस लाइन भेजा गया है।

बेटे के कहने पर डील करने सेंट्रल जेल पहुंची माँ, पहली बार में ही धरी गई

स्मैक लेकर पहुंची थी जेल, महिला के साथ बेटे का दोस्त भी गिरफ्तार

जयपुर। केन्द्रीय कारागृह से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धमकी मिलने के बाद से जेल प्रशासन बेहद गंभीर है और मुल्जिमों से मुलाकात करने आने वाले परिजनों के सामान की पुख्ता जांच कर रहा है। इसी के साथ जेल में हाई सिक्योरिटी बरती जा रही है। वहीं जेल से रिहा होने वाले अपराधी जेल से बाहर आने के बाद जेल परिसर में ही मादक पदार्थो की तस्करी करने में जुट गए है। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर लालकोठी थाना पुलिस ने जेल परिसर की पार्किंग से एक महिला व उसके मददगार को स्मैक सप्लाई करने के आरोप में स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार महिला कर बेटा समीर जेल में बंद है और स्मैक पीने का आदि है। उसे देने के लिए वो स्मैक लेकर आई थी। पुलिस ने दोनो आरोपियों से कुल 5 सौ 22 ग्राम स्मैक बरामद की है।

पुलिस ने जैसे ही मुखबिर की सूचना पर महिला तस्कर सब्बीरन पत्नी सद्दीक (57), पूर्वी का टीबा, रामगंज निवासी को जेल परिसर की पार्किंग में दबोचा तो उसने बताया कि स्मैक देने वाला तस्कर राम लाल मीणा (32), पुत्र दानाराम राजावास ,हरमाड़ा निवासी जेल के बाहर ही मोटर साईकिल पर बैठा है। महिला की निशानदेही पर पुलिस ने रामलाल मीणा को भी दबोच लिया। बताया जा रहा है कि रामलाल मीणा मादक पदार्थो की तस्करी करता है और तस्करी के मामले ही कुछ समय पहले जमानत पर रिहा हुआ है। दोस्ती निभाने और जेल में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी के लिए अपनी जड़े जमाने के लिए आरोपी ने समीर की मॉ को तैयार किया और जेल में स्मैक पहुंचाने की प्लानिंग बनाई। लेकिन पहली ही खेप पहुंचाने से पहले दोनो आरोपी पुलिस के हत्थें चढ़ गए।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि रामलाल मीणा की समीर से जेल में ही मुलाकात हुई थी । जिसके बाद दोनो दोस्त बन गए। जेल से बाहर आने के बाद रामलाल मीणा समीर की मॉ सब्बीरन से मिला और जेल में समीर को स्मैक पहुंचाने का प्लान बनाया

बताया जा रहा है कि समीर के खिलाफ लालकोठी थाने में स्मैक पीने के 5-6 मुकदमें दर्ज है और स्मैक की खरीद-फरोख्त के मामले में वो पीछे कई महीनों से जेल में है। महिला सब्बीरन ने रामलाल के साथ मिलकर जींस की पीछे वाली जेब की सिलाई खोली और उसमें फिल्टर वाले कपड़े में स्मैक रखकर जेब की सिलाई कर दी। बताया जा रहा है फिल्टर वाला कपड़ा इतना बारीक होता है कि तलाशी के दौरान उसकी किसी भी तरह की कोई आवाज नहीं आती और वो जेल प्रहरियों के तलाशी देने पर आवाज नहीं करता । जो आसानी से जेल के अंदर पहुंच जाता है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि रामलाल मीणा अपने समीर व राकेश उर्फ बकरा को जेल में स्मैक पहुंचाने की फिराक में थे और ये स्मैक वो भूपेंद्र नाम के व्यक्ति से लेकर आया था। पुलिस भूपेंद्र के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहीं है। वहीं पुलिस आरोपी समीर और राकेश उर्फ बकरा से पूछताछ कर सकती है।

- **पहली ही डिलिंग में दबोचे गए दो आरोपी, कुल 5 सौ 22 ग्राम स्मैक बरामद**

14 वर्षीय बालक का अपहरण करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 14 वर्षीय बालक का अपहरण कर उसके साथ कुकर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है और साथ ही घटना में उपयोग में ली गई एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार आरोपी ने 17 मई के दिन एसएमएस अस्पताल में एक बालक का अपहरण किया था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बालक का अपहरण कर उसके साथ कुकर्म करने वाले आरोपित 40 वर्षीय हेमराज बैरवा निवासी बरौनी जिला टोंक हाल सागनारे सुंदर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि टोंक निवासी एक महिला ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि उसके पति की तबीयत ज्यादा खराब होने पर एसएमएस अस्पताल की सैकण्ड् मंजिल पर सर्जिकल आईसीयू में भर्ती करने के लिए उसकी लडकी व लडका आईसीयू वार्ड में आ गये। वही उसके जेठ का लडके को बेड, बिस्तर व ईलाज के दस्तावेज का ध्यान रखने के लिए श्री जी वार्ड में छोड दिया था और कुछ देर बाद वह वहां नहीं मिला। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे एवं तकनीकी साधनों की सहायता जानकारी मिली कि एक व्यक्ति एक बाइक बैठा के टोंक रोड की और ले गया।

अपहृत बालक की तलाश के लिए एसएमएस अस्पताल, जेएलएन मार्ग पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरे में वीडियो फुटेज देखते हुये गांधीनगर, जवाहर सर्किल, सांगानेर सदर, चोखी ढाणी, टोंक रोड, होते हुये शिवदासपुरा बरखेड़ा टोल प्लाजा पर दिखाई दिया । जिस पर बालक की तलाश करते हुये पुलिसकर्मी चाय की थड़ी पर पहुचे। जहां पर बालक बैठा हुआ मिला। पुलिस ने पूछताछ में सामने आया कि वह वार्ड का रास्ता भूल जाने पर रोड पर आ गया था। जहां से उसे एक व्यक्ति ने एक नम्बर गेट पर छोड़ने के बहाने से बाइक पर बैठाकर अपहरण कर ले जाकर उसके साथ कुकर्म किया। जिस पर पुलिस ने आरोपियों हेमराज बैरवा को चिन्हित करते हुए पकडा।

World Sherlock Holmes Day: A Toast to the Master Sleuth

Every year on May 22, World Sherlock Holmes Day honours the legendary detective created by Sir Arthur Conan Doyle. Celebrated on the author's birthday, the day pays tribute to Holmes' razor-sharp intellect, iconic deerstalker hat, and his enduring impact on detective fiction. Fans across the globe revisit classic tales, don costumes, and even attend themed events. From Baker Street to bookshelves worldwide, Holmes continues to captivate readers and inspire modern crime-solving stories. Whether you're a lifelong fan or a curious newcomer, today's the perfect day to say, 'The game is afoot!'

'The Tilt' The U.S. And The Shameface

By using what Nixon and Kissinger called quiet diplomacy, the Administration gave a green light of sorts to the Pakistanis. In one instance, Nixon declared to a Pakistani delegation that, 'Yahya is a good friend.' Rather than express concern over the ongoing brutal military repression, Nixon explained that he 'understands the anguish of the decisions which Yahya had to make.' As a result of Yahya's importance to the China initiative and his friendship with Nixon and Kissinger, Nixon declared that the U.S. 'would not do anything to complicate the situation for President Yahya or to embarrass him.' Much like the present situation post 9/11, Washington was hesitant to criticize Pakistan publicly out of fear that such a tactic might weaken the dictator's support for American interests.

The U.S. Navy 7th Fleet.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

This is a record from the horses' mouth of what transpired into the defeat of Pakistan in 1971, and the subsequent humiliation of the American intent. Here are excerpts from the American National Security Archive Electronic Briefing Book No. 79.

The National Security Archive, published on the World Wide Web 46, declassified U.S. government documents and audio clips concerned with United States policy towards India and Pakistan during the South Asian Crisis of 1971.

The documents, declassified and available at the U.S. National Archives and the Presidential Library system, detail how United States policy, directed by Richard Nixon and Henry Kissinger, followed a course that became infamously known as 'The Tilt.'

Pakistan's December 1970 elections, the first free democratic elections for the National Assembly in Pakistan's history, saw Sheikh Mujibur (Mujib) Rahman's East Pakistan-based Awami League party (AL) win 167 out of 169 seats contested in Pakistan's Eastern flank, giving the AL a majority and control of the 313-seat National Assembly. This was the first time that political power in Pakistan would be concentrated in its Eastern half.

West Pakistan's loss of political power over East Pakistan was devastating. Threatened by this development, on March 1, 1971, with the Assembly set to open in two days, the military dictator General Agha Muhammad Yahya Khan postponed the opening indefinitely. Outraged by the West's disregard for their political rights, the ethnically Bengali East Pakistanis took to the streets, demanding that Yahya and West Pakistan respect the election results.

On March 25, 1971, West Pakistani forces, commanded by General Yahya and the Martial Law Administrator, Lt. General Tikka Khan, began a self-destructive course of repressive actions against their fellow Pakistanis in the East. The Martial Law Administrators did not discriminate, targeting anyone from Awami Leaguers to students. Large numbers of Bengalis, Muslims and Hindus, businessmen and academics, were killed during this period of martial law. The final tally of the dead, as reported by Mujib, was approximately three million. As a result of the violence and instability caused in East Pakistan by the genocide, an estimated ten million Bengalis had fled across the border to India by May 1971. The refugees were problematic for two main reasons: first, they created a strain on the Indian economy, an economy just coming to terms with development. Secondly, a group of refugees known as the Mukti Bahini, referred to by the Indians as 'Bengali Freedom Fighters,' were using India as a base from which to launch guerrilla attacks, in efforts to fight against West Pakistani oppression.

The refugees became too much for India to handle. Eventually, tensions between India and Pakistan grew uncontrollable, and among other things, the lack of a political solution in East Pakistan and Indian support for the guerrilla fighters led to war between the two neighbours. The end result of the conflict was the splitting of Pakistan into two separate states: Pakistan in its present form and an independent Bangladesh.

Pakistani officers laying down their weapons as a mark of surrender to the Indian Army in East Pakistan.

The U.S. Tilt Towards Pakistan

Discussing the martial law situation in East Pakistan during March of 1971, President Richard Nixon, in his February 9, 1972 State of the World report to Congress indicated that the 'United States did not support or condone this military action.' Nevertheless, the U.S. did nothing to help curtail the genocide and never made any public statements in opposition to the West Pakistani repression.

Instead, by using what Nixon and Kissinger called quiet diplomacy, the Administration gave a green light of sorts to the Pakistanis. In one instance, Nixon declared to a Pakistani delegation that, 'Yahya is a good friend.' Rather than express concern over the ongoing brutal military repression, Nixon explained that he 'understands the anguish of the decisions which Yahya had to make.' As a result of Yahya's importance to the China initiative and his friendship with Nixon and Kissinger, Nixon declared that the U.S. 'would not do anything to complicate the situation for President Yahya or to embarrass him.' Much like the present situation post 9/11, Washington was hesitant to criticize Pakistan publicly out of fear that such a tactic might weaken the dictator's support for American interests.

As the conflict in the Sub-continent began to grow, so did criticism of American policy leanings towards Pakistan. The administration denied that any specific anti-India policy was being followed. Declassified documents show that in addition to tilting towards Pakistan in its public statements, the U.S. also followed a pro-Pakistan line in the UN, in discussions with China, and on the battlefield as well.

Not only did the United States publicly pronounce India as the aggressor in the war, the U.S. also sent the nuclear aircraft carrier, U.S.S. Enterprise, to the Bay of Bengal, and authorized the transfer of U.S. military supplies to Pakistan, despite the apparent illegality of doing so. American Military assistance was formally cutoff to both India and Pakistan. A combination of Nixon's emotional attachment to General Yahya and his dislike for Indira Gandhi and West Pakistan's integral involvement with the China initiative and Kissinger's predilection for power politics greatly influenced American policy decision-making during this conflict.

New Documentation

The fact that the conflict occurred over 50 years ago makes it possible now to look at United States actions and policy through documents released at the National Archives under the U.S. government's historical declassification program. The record is far from complete: numerous materials remain classified both by the State Department, CIA and other agencies as well as the Nixon Presidential Materials Project. Nevertheless, the available documents offer many useful insights into how and why Richard Nixon and Henry Kissinger made important decisions during the 1971 South Asian Crisis.

The NSC Senior Review Group discusses the situation in East Pakistan and increasing tensions between India and Pakistan. The President indicates that 'the big story is Pakistan,' and he expresses his concern from the standpoint of human suffering. While Nixon suggests that some Indian and Pakistani interest might be served by war, it is not in American interests as 'the new China relationship would be imperiled, probably beyond repair.' While stating that the Indians are more 'devious' than the 'sometimes extremely stupid' Pakistanis, the U.S. 'must not-cannot-allow' India to use the refugees as a pretext for breaking up Pakistan. Despite the conditions in the East, which Ambassador Blood described as 'selective genocide,' Nixon states that, "We will not measure our relationship with the government in terms of what it has done in East Pakistan. By that criterion, we would cut off relations with every Communist government in the world because of the slaughter that has taken place in the Communist countries."

Indira Gandhi, in a letter to President Nixon, notes that the refugee flow has not slowed, and has reached approximately seven million. She questions U.S. efforts to work towards a political solution in East Pakistan as well as American arms transfers to Pakistan.

Kissinger, in a memorandum to Nixon, describes his talks with the Chinese Ambassador in Paris. Kissinger explains to the Chinese that the U.S. is prevented from giving any military assistance to Pakistan because of Congress, but supports Chinese assistance by stating that the U.S. would 'understand it if other friends of Pakistan will give them the equipment they need.' He also declares that the U.S. 'will do nothing to embarrass the government of Pakistan by any public statements.'

Kissinger discusses the developments in South Asia including Yahya's stand to not grant independence in the East, the serious insurgency movement underway in East Pakistan, and the continued flow of refugees into India. He suggests that American strategy gives Yahya a face-saving way of taking the political steps necessary to re-establish normal conditions. While Kissinger wrote in his memoirs, "We had no national interest to prevent self-determination for East Pakistan," the documents show that he believed otherwise. In this record, at a time when rapprochement with China was in the national interest, Kissinger suggests that 'a U.S. effort to split off part of Pakistan in the name of self-determination would have implications for Taiwan and Tibet in Peking's eyes.'

The documents indicate that repression of intellectuals in the East continues, but on a reduced scale. Ambassador Farland advises that the best policy is to continue the current practice of 'persistent but quiet pressure on GOP towards better treatment of East Pakistanis in all categories.'

The U.S., disguising the movement of the nuclear aircraft carrier, the USS Enterprise, into the Bay of Bengal for evacuation purposes, gladly lets the ship movement represent possible American involvement in the conflict, especially if it expanded to a superpower confrontation. Admiral Welander from the NSC Staff indicates that the JS has approved, for planning purposes only, the CINCPAC concept to ready a USS attack carrier to dissuade 'third party' involvement in the South Asia crisis.

Keating suggests that Gandhi is trying to 'cool' the political climate in India while continuing to exert pressure on Pakistan. The President's Briefing indicates, however, that India is stepping up its support for the guerillas fighting in East Pakistan, action that could 'goat' the Pakistanis into a full-scale war. In one of the messages, UN Ambassador Bush describes the December 10 meeting between Kissinger and the Chinese delegation to the United Nations. While discussing the India-Pakistan crisis, Kissinger reveals that the American position on the issue was parallel to that of the Chinese. Kissinger disclosed that the U.S. would be moving some ships into the area, and also that military aid was being sent from Jordan, Turkey, and Iran. Some of this aid was illegally transferred because it was American in origin. Bush also reports that Kissinger gives his tacit approval for China to provide militarily support for Pakistani operations against India. Bush expresses his personal doubts in the administration's 'Two State Departments thing,' and takes issue with Kissinger's style, in one instance calling him paranoid and arrogant.

The DIA assesses the limits and possibility of Chinese support to the Pakistanis. It opines that while Chinese support will be limited to political, diplomatic, and propaganda for the time being, the PRC could initiate small attacks in the high mountainous areas in the East, and therefore occupy Indian troops without 'provoking Soviet retaliatory moves.'

Heavy fighting is turning in favour of the Indians, while cease-fire plans continue to be in the works. A controversy is brewing with regards over the U.S. decision to send a nuclear carrier into the Bay of Bengal. The present trickle of Mig-19's and F-104's will not hold off the Indians. Handwriting next to Mig-19s notes 'China' and next to F-104s notes 'Jordan.'

Keating describes his difficulty in explaining the rationale behind the deployment of a carrier task force. He also suggests that the decision to send the task force into the Indian Ocean has only encouraged Yahya to continue the Pakistani military effort.

India has ordered a unilateral cease-fire upon the unconditional surrender of West Pakistani forces in East Pakistan. Despite the cease-fire, American officials in Dacca report that 'no one seems to be in effective control of the situation,' and that fighting continues 'between Bengalis and scattered Mujahid/Razakar/West Pakistani elements.' Also, in a heavily excised paragraph, the CIA reports that a squadron of American origin, Jordanian F-104s was delivered to Pakistan on 13 December, despite an American embargo on military supplies to both India and Pakistan. This embargo includes third party transfers of American equipment to either of the parties. These are some telling notes.

The Nixon administration, during the East Pakistan crisis convened meetings of the Washington Special Action Group (WSAG) to discuss the situation in South Asia. Records of these meetings were kept, and somehow leaked to Syndicated columnist Jack Anderson. Anderson's articles, based on classified WSAG minutes, became contentious, not only because they quoted from leaked classified material, but also for their racy content. Kissinger and others in the administration became upset at Anderson's exposure of White House policies because, among other things, it revealed the tilt towards Pakistan, despite the genocidal conditions in the East.

rajeshsharma1049@gmail.com

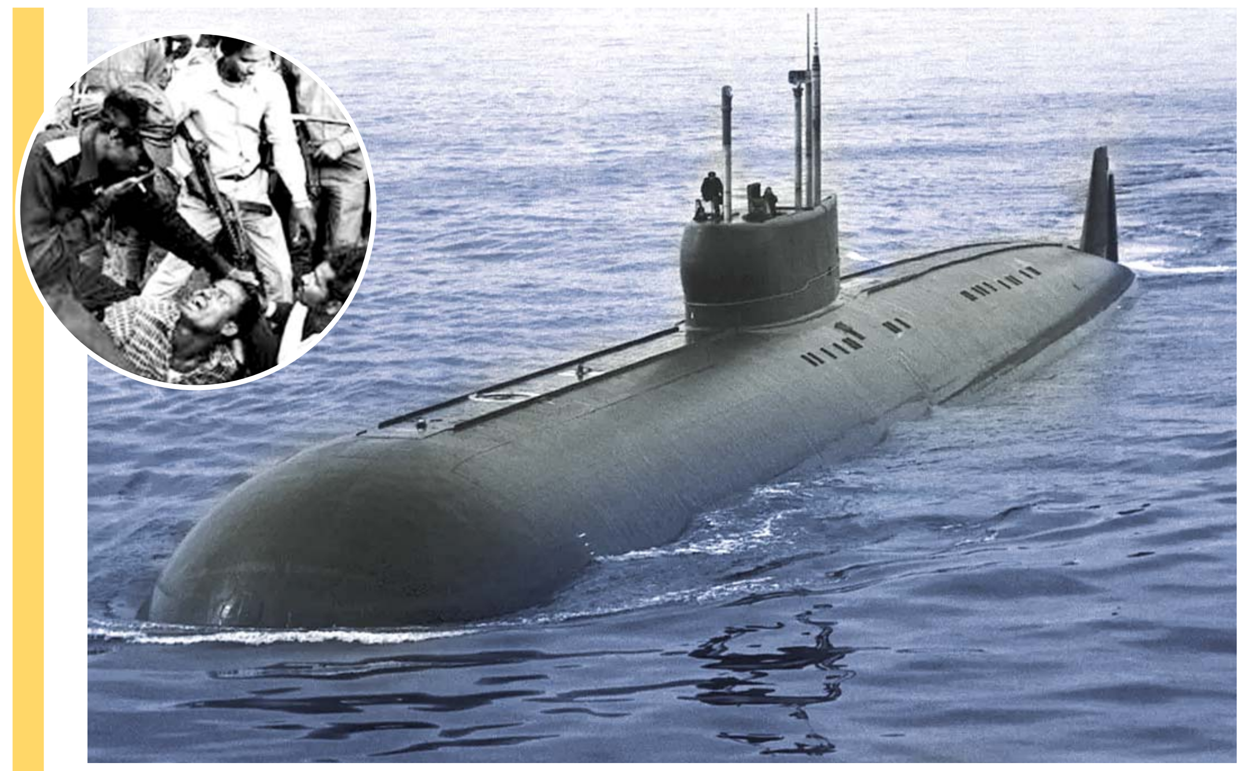

Russian Submarine.

#1971

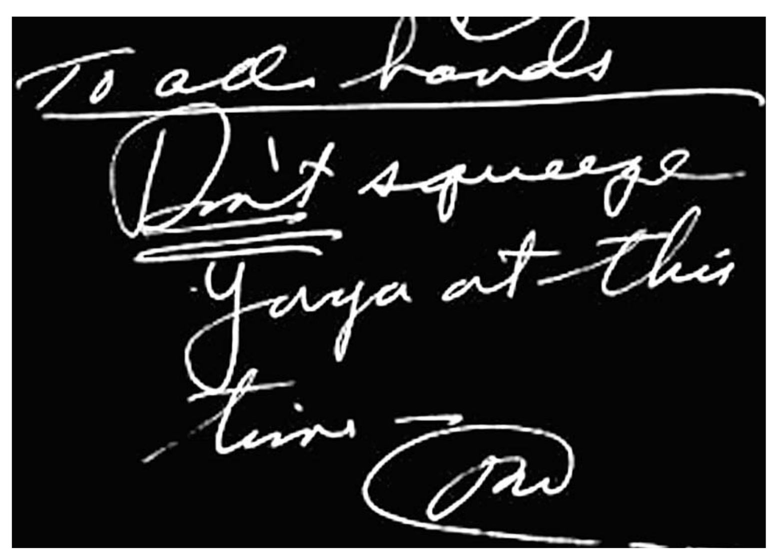

Nixon's Handwritten Message,
"To all hands, Don't Squeeze Yahya at this time"

> Kissinger, in a memorandum to Nixon, describes his talks with the Chinese Ambassador in Paris. Kissinger explains to the Chinese that the U.S. is prevented from giving any military assistance to Pakistan because of Congress, but supports Chinese assistance by stating that the U.S. would 'understand it if other friends of Pakistan will give them the equipment they need.' He also declares that the U.S. 'will do nothing to embarrass the government of Pakistan by any public statements.' Kissinger discusses the developments in South Asia including Yahya's stand to not grant independence in the East...

Indira Gandhi- Richard Nixon.

#NO MORE

Ab Tumhare Hawale...

He oversaw the planning, execution, and operation of all nuclear power projects across the nation.

Dr. M R Srinivasan, the former Chairman of India's Atomic Energy Commission, passed away on Tuesday, 20 May 2025, at the age of 95. The veteran scientist suddenly fell ill overnight in Ooty and peacefully passed away in the local hospital at 4 a.m. on Tuesday. M R Srinivasan was the former Chairman of the Atomic Energy Commission, who played a major role in developing India's nuclear power programme.

Malur Ramasamy (M R) Srinivasan, born in January 1930, was an Indian nuclear scientist and mechanical engineer who was also responsible for the development of a Pressurised Heavy-Water Reactor (PHWR) in India. After joining the Department of Atomic Energy (DAE) in September 1955, Srinivasan worked with Dr. Homi Bhabha on the nation's first nuclear research reactor, Apsara, which achieved criticality in August 1956. In 1959, he was appointed as the Principal Project Engineer for the construction of India's first atomic power station, and later in 1967, he took charge of the Madras Atomic Power Station as its Chief Project Engineer.

In 1974, he became the Director of the Power Projects Engineering Division, DAE, and later, in 1984, he was promoted to the Chairman of the Nuclear Power Board, where he oversaw the planning, execution, and operation of all nuclear power projects across the nation. In 1987, he finally became the Chairman of the Atomic Energy Commission and Secretary of the Department of Atomic Energy. He was awarded the Padma Vibhushan, India's highest civilian recognition for all his contributions to the Indian nuclear programme. M R Srinivasan completed his schooling in Mysore and later joined the engineering college (currently UVCE) by M. Visvesvaraya, where he finished his Bachelor's in Mechanical Engineering in 1950.

He also did his Master's in gas turbine technology from McGill University in Canada in 1954.

PM Modi's Condolences

In a social media post, Prime Minister Narendra Modi expressed condolences on the demise of veteran scientist M R Srinivasan. Modi highlighted how Srinivasan's role in developing India's nuclear infrastructure has been foundational for the industry.

Now A Star In The Sky

"Space has many complex organic molecules, so astrochemistry is now a fast-developing science."- Narlikar

India's renowned Astro Physicist V.V. Narlikar is no more. We, at Arbit, have the good fortune at this time of loss to pass on to our readers some of the observations from this mostly silent man, please read on, but first, something about the man-

Narlikar was born in Kolhapur, India, on 19 July 1938, into an academic family. His father, Vishnu Vasudev Narlikar, was a mathematician and theoretical physicist who was a professor and head of department at Banaras Hindu University, Varanasi. His mother, Sumati Narlikar, was a scholar of Sanskrit.

Narlikar went to school at Central Hindu College (now Central Hindu Boys School) in Varanasi. He then studied at Banaras Hindu University. He continued his education at Cambridge University, where he was a member of Fitzwilliam College (as his father had been).

Narlikar began his research career as a doctoral student in theoretical cosmology, under the guidance of Fred Hoyle in Cambridge. He was then a postdoctoral fellow at King's College in Cambridge and earned an additional master's degree in astronomy and astrophysics. In 1966, Fred Hoyle established the Institute of Theoretical Astronomy in Cambridge. Narlikar was a founding member of the institute, while remaining a fellow at King's College.

In 1972, Narlikar returned to India as a professor at the Tata Institute of Fundamental Research in Mumbai, where he led its theoretical astrophysics group. In 1981, Narlikar became a founding member of the World Cultural Council. In 1988, he was appointed the founding director of the Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics (IUCAA) in Pune.

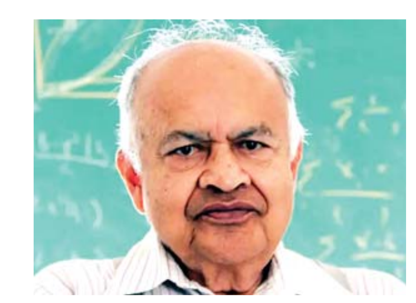

During 1994-1997, he was the president of the International Astronomical Union commission for cosmology. The National Council of Educational Research and Training appointed Narlikar as chairperson of its committee responsible for developing textbooks in science and mathematics.

Research

Narlikar's research involved Mach's principle, quantum cosmology, and action-at-a-distance physics. Dissatisfied with the standard Big Bang model of cosmology, Narlikar investigated alternative models, a field known as non-standard cosmology. With Fred Hoyle, he developed a conformal gravity theory known as Hoyle-Narlikar theory, which attempted to synthesise general relativity with Mach's principle. It proposes that the inertial mass of a particle is a function of the masses of all other particles, multiplied by a coupling constant, which is a function of cosmic time. The theory was not accepted by mainstream cosmology. Narlikar married Mangala Narlikar (née Rajwade), a mathematics researcher and professor. The couple had three daughters: Geeta, a biomedical researcher at the University of California, San Francisco, Girija and Leelavati who both work in computer science.

Here is a rare interview for our readers- ***BY IPSITA HERLEKAR***

IH: You have always advocated the need to cultivate a culture of science in society. How can one propagate the culture of science?

JN: Today, planetariums are found in many of the larger cities in India. This spread or growth of planetariums I have observed as I have grown older. The first planetarium, I remember, was first set-up in Kolkata and it was the only one for many many years, until one was built in Bombay. Now, you have a chain of planetariums in many cities around the country, including one in Bengaluru.

IH: What is your opinion on the current system of science education in India?

JN: Science should be a subject that children like. But that is not how it is most likely perceived. Many children grow up scared of science instead of being excited about it. Some others think of it as a subject that requires a lot of memorization. That kind of thinking should not be there. Children should be taught to appreciate science as a tool to answer many questions and feel more competent by learning to use it. In order to be able to achieve this, the way in which science is taught in schools has to change first.

IH: You have been in the field of astrophysics for many decades now. In which direction do you see the research in this area progressing?

JN: One has to see the historical growth in this field. It all started with astronomy, observing the sky and stars. Later, human curiosity is such that people wanted to know why things happen. This led to advances in the field of astrophysics. Then, there was a time when a new aspect of astronomy, called astrochemistry, caught the attention of many researchers. Scientists previously believed that there occurred no chemistry in interstellar space, as there was hardly any matter in there, and therefore, found it largely uninteresting. But they turned out to be wrong, as it was found that space has many complex organic molecules. So, astrochemistry is now a fast-developing field of science. And as you might have guessed, the next direction the research is expected to take off in is astrobiology. For a very long time, people have been interested in finding out if life, as we know, exists elsewhere in the universe. This is where the research will be headed next. Currently, there are more students taking up advanced studies in astronomy and astrophysics. But fields like astrochemistry and astrobiology remain unexplored. It will take time for research in these subjects to pick up and progress, especially astrobiology.

IH: In what ways can scientists contribute towards science education in India?

JN: Scientists can take part in various ways towards public education. On various aspects of science. For example, I had many school children come and ask me for autographs. And instead of just signing on a small plain piece of paper, I used to ask them to write a science question on a postcard and I would answer the question and sign it too. I felt that was one way of making children think about science.

THE WALL

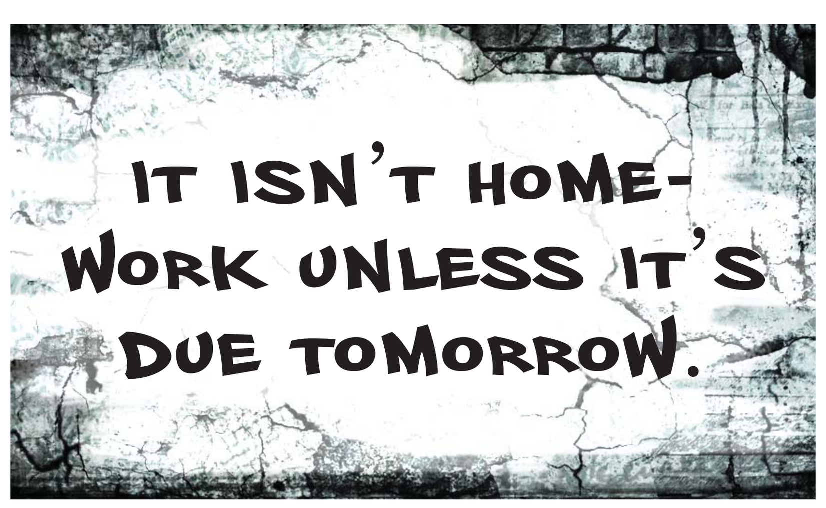

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

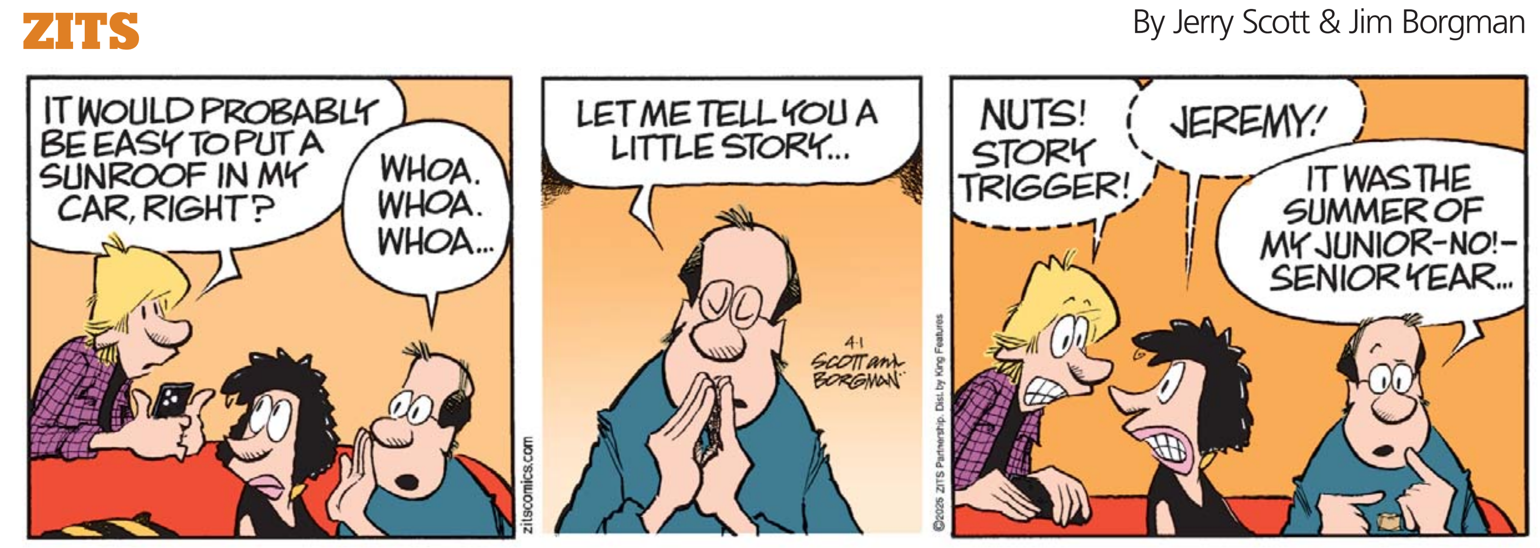

संक्षिप्त

तिरंगा यात्रा 26 को

निवाई। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के शौर्य प्रदर्शन का वन्दन अभिनन्दन करने के लिए शहर में भव्य एवं विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी व भाजपा शहर अध्यक्ष अंकुर गुप्ता द्वारा तिरंगा यात्रा के पोस्टर का विमोचन करके तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आव्हान कियाइस अवसर पर रामावतार घाटी, पार्षद अंकित वर्मा, पार्षद नितिन जैन छाबड़ा, जयनारायण कुमावत, वंशप्रदीप पारीक, कैलाश नटवाड़ा, रामचरण पारीक, आशु गोड़, जितेंद्र विजय, लक्ष्मण खटाना, जितेन्द्र धारवाल, जोहन केशवानी, गोरधन जैन, प्रहलाद सैनी व लालचंद सैनी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

10 डेंटिस्ट्स को मिला अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा

मानपुरा माचेडी। दिल्ली जयपुर हाइवे पर स्थित महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित जयपुर डेंटल कॉलेज में बुधवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इम्मिडिएट लोडिंग बेसल इम्प्लांट कोर्स उपरांत 10 डेंटिस्ट्स/डॉक्टर्स को यह डिप्लोमा प्रदान किए गए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में यूनिवर्सिटी के मैनेजिंग ट्रस्टी, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान स्टेट डेन्टल कॉउंसिल डॉ. विकास जैफ मौजूद रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वाइस चांसलर डॉ मनोहर भट्ट ने की। जर्मनी से आए डॉ. स्टीफन हेडे और डॉ. एंटोनीना हेडे विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए डॉ. विकास जैफ ने पांचवे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह विशेष डिप्लोमा कोर्स जयपुर डेंटल कॉलेज में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है, और पूरे देश में यह कोर्स केवल जयपुर डेंटल कॉलेज में उपलब्ध है।

चार आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में रामसिंह वृताधिकारी देवली के व थानाधिकारी हेमन्त जनागल के नेतृत्व में गठित टीम ने अपहरण के मामले में छ: माह से फरार दो वांछित आरोपी महेन्द्र पुत्र शुभकरण उर्फ भोमा जाति जाट निवासी कालानाडा थाना अराई जिला अजमेर 19 अप्रेल की रात्रि को अजमेर से गिरफ्तार किया तथा दूसरा आरोपी गजराज पुत्र स्व. शिवराज को ग्राम टीकावडा थाना किशनगढ से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां उन्हे पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। पूछताछ में सामने आया कि महेन्द्र जाट के फूफा नन्दा जाट की पुत्री द्वारा अपहृत शंकर लाल जाट के पुत्र के साथ प्रेम विवाह करने से नाराज होकर आरोपी महेन्द्र जाट ने 27 नवम्बर 2024 को अपने सहयोगियों के साथ मिलकर बंथली से अपहरण किया था। महेन्द्र जाट के खिलाफ पुलिस थाना अराई में मारपीट, हत्या का प्रयास व अवैध हथियार के कई प्रकरण दर्ज है।

निरीक्षण किया

कोटपूतली। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने जिला कोष कार्यालय (ट्रेजरी) का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं जायजा लिया एवं आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। रामेश्वर प्रसाद शर्मा उपकोषाधिकारी ने जिला कलक्टर को कोषालय के विभिन्न मॉड्यूल यथा प्थ्डै 3.0 एवं राजकोष आदि पर कार्य किये जाने का परिचय देकर बिलों के पारित व आक्षेप करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। जिला कलेक्टर ने कोषाधिकारी कार्यालय के कई अनुभागों का अवलोकन कर रिकॉर्ड की जांच कर व्यवस्थाओं को जायजा लिया।

अध्यक्ष पद का चुनाव 25 मई को

फुलेरा। फुलेरा तहसील कृषि आदान विक्रेता संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव 25 मई रविवार को होगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए संघ के महामंत्री मूलचन्द देवन्दा ने बताया कि बही चुनाव के पूर्व एक आवश्यक मिटिंग भी सुबह 10 बजे रेलवे रामलीला मैदान के पास स्थित शिव मन्दिर परिसर में आयोजित होगी। मिटिंग के दौरान खाद बीज व्यापार मे आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की जायेगी। इसके तुरन्त बाद ही कार्यकारिणी का चुनाव भी होगा। जिसमें फुलेरा तहसील के सांभर, जोबनेर, नरैना, आकोदा, खण्डेल, फुलेरा, बोबास, खेजडावास, भैन्से बालाजी सहित अन्य आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में खाद बीज व कीट नाशक दवाईयों का व्यवसाय करने वाले सभी व्यापारी अपना मतदान कर अध्यक्ष का चुनाव कर सकेंगे।

तिरंगा यात्रा में युवाओं ने भारतीय सैनिकों एवं भारत माता जिन्दाबाद के नारे लगाये

दौसा। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समिति के आव्हान पर बुधवार को दौसा जिला मुख्यालय पर तिरंगा यात्रा निकाली गई, तिरंगा यात्रा का तकरीबन दो दर्जन से अधिक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इधर तिरंगा यात्रा में 501 मीटर लम्बा तिरंगा एवं भारत माता की जीवंत झांकी आकर्षण का केन्द्र बनी हुई थी। वही दूसरी ओर तिरंगा यात्रा को लेकर युवाओं में विशेष जूनून देखा गया, हजारों की संख्या में युवाओं ने तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया।

दौसा जिला मुख्यालय पर तिरंगा यात्रा निकाली।

तिरंगा यात्रा को सहजनाथ महादेव मंदिर से जिले के प्रभारी मंत्री कर्नल राजवर्धन सिंह राठौड़ एवं सहकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर, तिरंगा यात्रा प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी, दौसा भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ प्रभु दयाल शर्मा, तिरंगा यात्रा जिला संयोजक राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, लालसोट विधायक रामबिलास भाया, बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी, सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल, महवा विधायक राजेंद्र मीणा, पूर्वमंत्री कन्हैयालाल मीणा ने रवाना किया। तिरंगा यात्रा सहजनाथ महादेव मंदिर से रवाना होकर शशहर के मुख्य मार्गो से होती हुई गांधी तिराहा पहुंची।

इस दौरान तकरीबन दो दर्जन से अधिक स्थानों पर तिरंगा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा के साथ चल रहे युवाओं ने भारतीय सैनिको एवं भारत माता के जिन्दाबाद के नारे लगाये, जिसके चलते पूरा शहर गुंजायमान हो गया।

सैरिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा का विप्र फाउंडेशन द्वारा पुष्पवर्षा से स्वागत किया

उधर तिरंगा यात्रा में भारत माता, सैनिकों की जीवंत झांकी सजाई गई थी। इस दौरान जिला प्रभार मंत्री कर्नल राजवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए आतंकी ठिकानों को तो बर्बाद किया ही साथ ही दुश्मनों को भी मुंहतोड़ जवाब दिया। इसी के साथ पूरे विश्व को अपने शौर्य और पराक्रम से यह संदेश भी दिया कि देश के सम्मान और स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाली ताकतों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

विप्र फाउंडेशन ने किया तिरंगा यात्रा का स्वागत: विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री मनीष लाटा ने बताया कि सैरिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा का विप्र फाउंडेशन द्वारा पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान सभी सहभागियों को शीतल पेय जल की व्यवस्था की गई। इस दौरान विप्र फाउंडेशन के जौन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दौसा जिला प्रभारी सियाराम शर्मा, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव दीपक शर्मा, महिला प्रकोष्ठ जिल्ला अध्यक्ष श्रीमती संदीपा शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, बलराम शर्मा, संजीव रावत, राजेश शर्मा, शिव शंकर शर्मा, रमाकांत शर्मा आदि ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया।

अधिकारियों की बैठक ली

चाकसू। उपखण्ड कार्यालय चाकसू के सभा भवन में क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा की अध्यक्षता में उपखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली गई। उपखंड अधिकारी शिवचरण शर्मा ने बताया कि बैठक में विधायक बैरवा ने केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं और प्रगति की समीक्षा सहित क्षेत्र की बिजली पानी सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अंतिम पंक्ति के लोगों को सशक्त कर मुख्यधारा में लाया जाए।बैठक में उपखण्ड स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में संबंधित अधिकारीगणों को नियमित पेयजल आपूर्ति, अवैध पेयजल कनेक्शन हटवाने, हीटवेव के संबंध में आवश्यक विद्युत आपूर्ति एवं नियमित पेयजल एवं विद्युत संबंधित समस्याओं के तुरन्त निस्तारण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

मूंडिया में पांच दिवसीय ऋग्वेद पारायण महायज्ञ का शुभारंभ

निवाई। ग्राम पंचायत मूंडिया में सत्यासत्य निर्णय योग साधना वेद आश्रम पर पांच दिवसीय ऋग्वेद पारायण महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। आश्रम के अध्यक्ष गोपाल आर्य ने बताया कि जयपुर पार्षद अंकित वर्मा, आश्रम संचालक स्वामी आत्माज्ञानानंद महाराज व आचार्य हरिश्चंद्र शास्त्री गुरुकुल भुसावर द्वारा ध्वजारोहण करके महायज्ञ का शुभारंभ किया।

मूंडिया में सत्यासत्य निर्णय योग साधना वेद आश्रम पर आयोजित ऋग्वेद पारायण महायज्ञ का शुभारंभ करते हुए अतिथि।

भजनों उपदेशिका सुमन शास्त्री, प्रियंका आर्य, वेद पाठी नूतन आर्य, अनामिका आर्य, गुरुकुल भुसावर की ब्रह्मचारिणियों द्वारा ध्वज गान किया गया। सभी आगंतुक अतिथियों का आश्रम की ओर से स्वागत किया गया। पार्षद अंकित वर्मा ने सभी को वैदिक मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान जीवर्धन शास्त्री ने जन-जन में शिक्षा के प्रति चेतना जागृत करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने देश के जनजाति बहुल क्षेत्र में शिक्षा के प्रति अलख जगाने एवं वेदों का व्यापक विचार किए जाने के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वामी श्रद्धानंद के जीवन के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा स्वामी आत्मानंद महाराज द्वारा लगाई गई वेद के व्यापक प्रचार प्रसार की नींव व उनके मिशन की प्रशंसा की।

सद्भावना केंद्र का शुभारंभ

चाकसू। चाकसू कस्बे में बुधवार को टोंक रोड स्थित बीएसएनएल कार्यालय के सामने क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा के द्वारा मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र का शुभारंभ किया गया। विधायक बैरवा ने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि उक्त स्थान पर अनुपयोगी वस्तुएँ यथा कपडे, जुते, चप्पल, बर्तन, खिलौने, पुस्तक इत्यादि दान किया जा सकता है और जरूरतमन्द व्यक्ति उक्त सामान आवश्यकतानुसार नि:शुल्क प्राप्त कर सकता है। जिससे समाज में सहयोग और सद्भाव को बढ़ावा देगी। उन्होंने लोगों से इस केंद्र का लाभ लेने और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। पहला, नागरिक अपनी अनुपयोगी वस्तुएं यहां दान कर सकेंगे। दूसरा, जरूरतमंद लोगों को यहां से उपयोगी सामग्री मिल सकेगी।कार्यक्रम में पूर्व कृषि मण्डी अध्यक्ष कैलाश चन्द्र शर्मा ने भी कहा कि अनुपयोगी वस्तुएँ सद्भावना केन्द्र के माध्यम से जरूरतमन्द व्यक्तियों तक पहुंचेगी तो कचरे का उत्पादन कम होगा।

35 किमी लम्बी 23 सड़कों के लिये 10 करोड़ रूपयों की राशि स्वीकृत

कोटपूतली। विधायक हंसराज पटेल के प्रयासों से राज्य सरकार ने कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में मिसिंग लिंक व नॉन पेचेबल श्रेणी की 35 किमी लम्बी विभिन्न 23 सडकों के निर्माण कार्य हेतु 10 करोड़ रूपयों की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है।

विधायक पटेल ने जताया मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व डिप्टी सीएम दीया कुमारी का आभार

उपरोक्त स्वीकृति पर विधायक पटेल ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व पीडब्ल्यूडी मंत्री डिप्टी सीएम दीया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उक्त सडकों के निर्माण से क्षेत्र का आधारभूत ढ़ांचा मजबूत होगा एवं विकास कार्यो को नये पंख लगेंगें। जिससे आमजन को काफी सुविधा होगी, आवागमन में आसानी होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार समेत अन्य कार्यो को भी गति मिल सकेगी।

ग्राम गोनेड़ा में खटाना की ढ़ाणी से मुर्गी फॉर्म तक 01 किमी लम्बी सडक के लिये 35 लाख, मल्लाना की ढ़ाणी से हांसियावास तक 02 किमी लम्बी सडक के लिये 85 लाख, द्वारिकपुरा स्टैण्ड से भड़ाज श्री कृष्ण गौशाला तक 02.60 किमी लम्बी सडक के लिये 01.10 करोड़, राजमार्ग से कल्याणपुरा खुर्द 01 किमी सडक के लिये 24 लाख, भालोजी से बसई तक 1.5 किमी लम्बी सडक के लिये 37.50 लाख, पनियाला तिराहा से बीजाहेड़ा तक 1.5 किमी लम्बी सडक के लिये 37.50 लाख, गोनेड़ा से टोड़ी तक 1.5 किमी लम्बी सडक के लिये 37.50 लाख, पनियाला से खेडकी मुक्कड़ तक 01 किमी लम्बी सडक के लिये 25 लाख, चिमनपुरा से गोलियां की ढ़ाणी वाया खेड़ा निहालपुरा 02 किमी लम्बी सडक के लिये 50 लाख, नीमकाथाना मार्ग से पदमा की ढ़ाणी सीमा तक 01 किमी लम्बी सडक के लिये 25 लाख, खड़ब से डोईयों की ढ़ाणी 1.70 किमी लम्बी सडक के लिये 37.50 लाख, नारेहड़ा से धंवाली की ओर 01 किमी लम्बी सडक के लिये 25 लाख, दांतिल से पुठाला 02 किमी लम्बी सडक के लिये 45 लाख, चोटिया देवता सडक से रामनगर की ओर 600 मीटर लम्बी सडक के लिये 15 लाख, कल्याणपुरा स्टैण्ड से भूतों की ढ़ाणी बाबा भैरू मंदिर तक 1.5 किमी लम्बी सडक के लिये 35 लाख, आर जे 32 होटल से राजकीय स्कूल पूतली तक 1.5 किमी लम्बी सडक के लिये 37 लाख, राजमार्ग से करवास तक 03 किमी लम्बी सडक के लिये 75 लाख, नवरंगपुरा सडक से कांकरिया की ढ़ाणी तक 01 किमी लम्बी सडक के लिये 45 लाख, बुचारा से ढ़ाणी चौटक्या राजकीय स्कूल तक 01 किमी लम्बी सडक के लिये 44 लाख, मलपुरा स्कूल से लाल कोठी तक 01 किमी लम्बी सडक के लिये 35 लाख, चावड़ा की ढ़ाणी से दायमा की ढ़ाणी तक 02 किमी लम्बी सडक के लिये 70 लाख, शिव भट्टा से खम्भो की ढ़ाणी तक 01.75 किमी लम्बी सडक के लिये 70 लाख रूपयों की राशि स्वीकृत की गई है।

इसी प्रकार बालाजी चौक से झाड़ली वाया रामसागर, मोहनदासवाली व भूरी भड़ाज 02 किमी लम्बी सडक के लिये 02 करोड़ रूपयों की राशि भी स्वीकृत की है।

सरकार के निर्देश के बावजूद हीटवेव से बचाव के लिए नहीं उठाए कदम

सांभरझील। सरकार के निर्देश के बावजूद स्थानीय पालिका प्रशासन की ओर से हीटवेव से बचाव और इस संबंध में किए जाने वाले उपायों के लिए कोई कदम नहीं उठाया। बता दें कि हीटवेव स्थिति को देखते हुए सरकार ने पुन: दिशा-निर्देश (एडवाइजरी) जारी की। नगरपालिका सांभर को भी इसकी सख्ती से पालना करने के लिए हिदायत दी गई, लेकिन लोकल लीडरशिप संभाल रहे नेताओं को तो लगता है इससे कोई सरोकार ही नहीं रह गया। जनहित में उठाए जाने वाले कदम फाइलों में ही दब कर रह गए है। खुद स्वायत्त शासन विभाग ने भी कहा था कि इसके अंतर्गत गर्मी से असुरक्षित आबादी/स्थानों (यथा सामान्य भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र, बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन एवं रिक्शा स्टेण्ड इत्यादि) का चिन्हिकरण कर, वहां पर आश्रय गृह/स्थल बनाये, उक्त आश्रय गृह/स्थल के साथ ही पूर्व से संचालित आश्रय स्थलों में भी सुविधाएं यथा पंखा/कूलर, पर्याप्त मात्रा में पीने योग्य पानी, ओआरएस के पैकेट इत्यादि की व्यवस्था की जिम्मेदारी भी नगरपालिका को उठाने के लिए पाबंद किया था। चिन्हित स्थानों पर नजदीकी राजकीय चिकित्सालय सुविधाओं/अस्पतालों के नाम एवं संपर्क नम्बर का पूर्ण विवरण प्रदर्शित करने, आवागमन वाले स्थलों यथा बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, भीड़-भाड वाले बाजार इत्यादि पर भी छाया की समुचित व्यवस्था कर पीने योग्य पानी, ओआरएस के पैकेट इत्यादि की व्यवस्था कर इसकी पालना रिपोर्ट सरकार को भिजवानी थी लेकिन इसका भी कुछ नहीं हुआ। पालिका की ओर से इसके अलावा पक्षियों के लिए पेड़ों पर दाना-पानी के लिए पात्र की व्यवस्था का जिम्मा भी सौंपा गया था, स्थानीय दानदाता-भामाशाह /सामाजिक संस्थाओं एवं लोगों को प्रेरित कर उनका सहयोग लेने को कहा गया था। जगह-जगह सर्वे कर आवारा पशुओं हेतु खेलियां रखी जाने तथा प्रत्येक दिन उसमें पानी भरने का काम भी पाली का प्रशासन को ही करना था लेकिन सरकार के आदेश के करीब एक माह बाद भी अभी तक इस पर कोई अमल नहीं हो सका।

सरकार के निर्देश के बावजूद स्थानीय पालिका प्रशासन की ओर से हीटवेव से बचाव और उपायों के लिए कोई कदम नहीं उठाया

'सरकार की घोषणाओं की गंभीरता से समझते हुए अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य करें'

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बुधवार को जिला सचिवालय में बजट घोषणाओं की क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने राज्य सरकार की मंशा के अनुसार जिले के लिए हुई बजट घोषणाओं का निर्धारित समयबद्ध कार्यक्रम अनुसार शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं के भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के संबंध में अपने विभाग के उच्चाधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर जल्द कार्यवाही सुनिश्चित करें। बजट घोषणाओं से संबंधित भूमि आवंटन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा सके।

उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को स्कूल एवं महाविद्यालय स्तर पर निर्मित होने वाले छात्रावास को आगामी 15 दिवस में शुरू करने तथा आगामी एक माह में नगर परिषद को वेस्ट वंडर पार्क बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को शेष 3 गांव में जीएसएस गठन करने के निर्देश भी दिए।

खैरथल जिला सचिवालय पर अधिकारियों की बैठक लेते जिला कलक्टर किशोर कुमार।

कलेक्टर ने सहकारिता विभाग को शेष 3 गांव में जीएसएस गठन करने तथा आगामी एक माह में नगर परिषद को वेस्ट वंडर पार्क बनाने के निर्देश दिए

बैठक में उन्होंने जिले की बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक अधिकारी घोषणाओं की गंभीरता समझते हुए पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य करें। प्रत्येक घोषणा के क्रियान्वयन को नियमित फॉलोअप किया जाए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, आरसीडीएसओ हेमंत सिंह डागर, समाज कल्याण अधिकारी रमेशद हमीवाल, अधीक्षण अभियंता सुजन निर्माण विभाग भूरी सिंह, उपनिदेशक कोऑपरेटिव विभाग वेद प्रकाश सैनी, नगर परिषद कनिष्क अभियंता मोतीलाल वर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना पर चर्चा

भरतपुर। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स एवं जिला स्तरीय महिला समाधान समिति की बैठक बुधवार को जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने शिक्षा एवं पुलिस विभाग के समन्वय से बालिकाओं स्कूलों में आगामी सत्र में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि कोई भी बालिका शिक्षा से वंचित नहीं रहे, इसके लिए ड्रॉप आउट बालिकाओं का चिन्हित करने के लिए टीम भेज कर सर्वे किया जाये। साथ ही शिक्षा सेतु योजना में बालिकाओं के नामांकन दाखिल करने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

जागरूकता अभियान का शुभारंभ

अलवर। पंजाबी समाज की जातिगत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्कीम दो स्थित पुरुषार्थी धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में शहर भर के पंजाबी समाज से जुड़े सभी प्रमुख समिति संगठन एवं समाज के जागरूक सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में यह चर्चा मंथन किया गया कि भारत विभाजन के बाद पंजाबी समाज ने अपने पुरुषार्थ, मेहनत और संकल्प के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में खुद को स्थापित किया तथा समाज की मुख्यधारा में सशक्त भूमिका निभाई। लेकिन इस विकास यात्रा में जातिगत पहचान को लेकर अपेक्षित सजगता नहीं बरती गई, जिसके कारण आज तक सरकारी आंकड़ों और रिकॉर्ड्स में पंजाबी समाज की वास्तविक जनसंख्या दर्ज नहीं हो पाई है। इस विषय पर गहन चर्चा और विचार-मंथन के पश्चात सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खत्री पंजाबी जनगणना जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत समाज के सभी परिवारों से यह अपील की जाएगी कि आगामी जनगणना में अपनी जाति खत्री और भाषा पंजाबी अवश्य लिखवाएं।

बैठक आयोजित

पावटा। बीकानेर प्रवास के दौरान विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनखड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी 22 मई 2025 गुरुवार को प्रस्तावित बीकानेर सभा को लेकर भाजपा कार्यालय में पूर्व छात्र संघ पदाधिकारी एवं युवा मोर्चा पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चर्चा की एवं युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में प्रधानमंत्री की सभा में आने का आ ह्वान किया प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण कार्यों का लोकार्पण कर जनता को विकास कार्यों की सौगात देंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान में पहली बार पधारने पर मोदी जी के इस दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में अपार जोश एवं उत्साह का माहौल है। मोदी के बीकानेर दौरे के प्रभारी कुलदीप धनखड़ ने बताया कि मोदी के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीकानेर आगमन पर युवा साथियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गर्म जोशी एवं उत्साह के साथ स्वागत किया जाएगा तथा कार्यकर्ताओं से अपील की मोदी के स्वागत के लिए भारी तादाद में उमड़े। बैठक में भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी भी मौजूद रहे।

महायज्ञ के पांचवे दिन संतो ने दी आहुति

नारायणपुर। कस्बे के राजपुरा मोहल्ले में स्थित माधवानंद सरस्वती परमहंस आश्रम में चल रहे नौ दिवसीय 21 कुण्डीय रूद्र महायज्ञ के पांचवे दिन बुधवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्वितीय संगम देखने को मिला। मुख्य यजमान मोहन आत्रेय के साथ अनेक आश्रमों से पधारे साधु-संतो ने यज्ञकुंड में विधिपूर्वक आहुतियाँ अर्पित की। इस विशेष अवसर पर पीर बाबा आश्रम से महंत श्योराम दास महाराज, पुरुषोत्तम दास आश्रम से महंत राम-लखन दास महाराज तथा माधवानंद आश्रम से साध्वी विदुषी सरस्वती सहित अन्य धर्माचार्य उपस्थित रहे। मंत्रोच्चारण और अग्निहोत्र की पावन लपटों के बीच संतो ने विश्व शांति, पर्यावरण संतुलन और जनकल्याण की कामना करते हुए, आहुतियां अर्पित की। यज्ञाचार्य पं. वेदप्रकाश के निर्देशन में चल रहे इस रूद्र महायज्ञ में प्रतिदिन विविध धार्मिक अनुष्ठान, विशेष पूजा-अर्चना, हवन भजन-कीर्तन आदि आयोजन हो रहे है। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति के साथ यज्ञ में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे है। महायज्ञ समिति अध्यक्ष अर्जुन लाल यादव ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 7.30 बजे तक भंडारे की विशेष व्यवस्था की गई है। जिसमे आसपास क्षेत्र से हजारों श्रद्धालु पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण कर रहे है। रूद्र महायज्ञ का भव्य समापन 25 मई को होंगा। जिसमे विशेष पूजा, पूर्णाहुति और विशाल भण्डारे का आयोजन किया जायेगा।

दिव्यांग प्रमाण-पत्र के लिए कराएं स्वावलंबन पोर्टल पर पंजीयन

पावटा। दिव्यांग जनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र अथवा यूडीआईडी कार्ड के नवीन आवेदन केवल भारत सरकार के स्वावलंबन पोर्टल पर ही लिए जा रहे है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग पावटा सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गैंदालाल ने बताया कि स्वावलंबन पोर्टल पर पंजीयन से शेष रहे दिव्यांग जन अपने निकटतम ई-मित्र केन्द्र पर ऑनलाइन दिव्यांग प्रमाण पत्र व यूडीआईडी कार्ड के लिए पंजीयन करवा सकते हैं। जिसके लिए मूल निवास संबंधी दस्तावेज यथा आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस आदि, फोटो एवं हस्ताक्षर,दिव्यांग प्रमाण पत्र यदि पहले से बना हो यह पोर्टल यूडीआईडी कार्ड यूनिक डिसेबिलिटी आईडी जारी करने और दिव्यांगता संबंधी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद करता है। पंजीकरण के बाद दिव्यांगजन अपने आवेदन की स्थिति को भी ट्रैक कर सकते हैं। यह पोर्टल दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है। पंजीकरण के बाद दिव्यांगजन विभिन्न सरकारी योजना का लाभ उठा सकता है।

फुलेरा में कांग्रेसीयों ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पुण्यतिथि मनाई

फुलेरा। कस्बे की ईटावा रोड़ स्थित कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रात: 10:30 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षा पुष्पा मेघवाल की अध्यक्षता में आधुनिक संचार क्रांति के जनक, पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई। उपरोक्त जानकारी देते हुए नगर संगठन महामंत्री शैलेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पर भारतरत्न राजीव गांधी के छायाचित्र पर पुष्पमाला एवं भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्षा प्रतिनिधि जितेन्द्र अग्रवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश सैनी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राकेश परिहार, ब्लॉक महामंत्री अलीमुद्दीन जोया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमरचन्द सैनी, नगर महिला कांग्रेस अध्यक्षा जरीना बानो, पूर्व पार्षद गिरिराज तंवर, प्रेमचन्द सैनी, मुकेश शर्मा, जीवन लाल सैनी, मुकेश वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी व लू ने किया बेहाल

पावटा। क्षेत्र में भीषण गर्मी व लू का प्रकोप लगातार जारी है। जिसके कारण आमजन का बेहाल हो रहा है। हालात यह है कि दिन चढ़ते के साथ सूर्य की तेज किरणें निकलती है और 9 बजे बाद लू के थपेड़े चलने लगते है। गुरुवार को सुबह 7 बजे सूर्य की तेज किरणें निकली। 9 बजे लू के थपेड़े चलने लगे। दोपहर में भीषण गर्मी व लू का प्रकोप इस कदर बढ़ गया कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। जिससे मुख्य मार्गों पर चहल पहल कम दिखी। कई मार्गों पर तो इस कदर सन्नाटा पसरा नजर आया कि मानो कर्फ्यू हो गया हो। देर शाम तक भी भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार जारी रहा। जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। वही व्यापारियों व ग्रामीणों ने पावटा प्रागपुरा नगरपालिका की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्य बाजारों में पानी का छिड़काव करवा ये जाने की मांग की है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई

टोंक। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक कार्यालय राजीव गांधी सभागार में स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए तथा विचार गोष्ठी रखी गई। जिसमें जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने स्व. राजीव गांधी को नमन करते हुए कहा कि 21वीं सदी के भारत के निर्माण में राजीव जी ने अद्वितीय भूमिका का निर्वाह किया। महिला सशक्तिकरण व भागीदारी के लिए उन्होंने कई सुखद कदम परिवर्तनकारी उठाएँ। इस अवसर पर पूर्व विधायक कमल बैरवा, जिला उपाध्यक्ष महमूद शाह, सेवादल अध्यक्ष अब्दुल खालिक, ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग, कैलाशी देवी मीणा, पंचायती राज अध्यक्ष नरेश मीणा, शिक्षक प्रकोष्ठ चंद्र प्रकाश महता, धर्मेंद्र सालोदिया आदि लोगों ने स्वर्गीय राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उन्हें डिजिटल और कंप्यूटर क्रांति का जनक बताया।

भैंस चोरी के दो अभियुक्त गिरफ्तार

मालपुरा। कुरथल गांव से बीते दिनो भैंस चोरी के मामले मे फरार चल रहे दो अभियुक्तो को किया गिरफ्तार। थानाधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि एक अप्रेल को कुरथल निवासी परिवादी भगवान सिंह राजपूत ने लिखित मे रिपोर्ट दे 19 मार्च की रात्री को बाडे मे बंधी दो भैंस व एक पाडी चोरी हो जाने का मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने उक्त मामले मे दो अभियुक्तो को पूर्व मे गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया जा चुका। शेष दो अभियुक्तो को पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर कुरथल से गिरफ्तार किया।

बाबा साहब की परिकल्पनाओं को प्रधानमंत्री ने साकार किया : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बिड़ला सभागार में अखिल भारतीय रैगर महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन और अभिनंदन समारोह को सम्बोधित किया।

■ 'हर वर्ग का विकास हमारा संकल्प, संत आत्माराम लक्ष्य का बनाएंगे पैनोरमा'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला, गरीब, युवा और किसान सहित हर वर्ग के उत्थान से ही देश का उत्थान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि देश का हर वर्ग, हर जाति और हर समाज उन्नित कर रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को बिड़ला सभागार में अखिल भारतीय रैगर महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन और अभिनंदन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने संत जीवाराम, संत आत्माराम और बाबा साहेब अम्बेडकर को नमन कर समाज प्रतिभाओं को बधाइयां दीं। शर्मा ने कहा कि आजादी पूर्व से ही रैगर समाज का राष्ट्रिहत में अहम योगदान रहा है। हमारी सरकार ने भी आवश्यक निर्णय लेकर सभी समाजों के विकास कार्यों को गति दी है। इस दौरान उन्होंने देश में संस्कृति, विरासत और समाज समानता में अहम भूमिका निभाने वाले 'संत आत्माराम लक्ष्य' का पैनोरमा बनाने के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे संत आत्माराम लक्ष्य के विचारों को आत्मसात कर युवा राष्ट्र विकास के मार्ग पर चल सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जिस समतामूलक और शिक्षित समाज की परिकल्पना की थी, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं। भावी पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर के राष्ट्र विकास में योगदान, अमूल्य कार्यों व विचारों से प्रेरणा मिलेगी। इसके लिए उनके जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित गया है। उन्होंने कहा कि पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को पंचतीर्थों का भ्रमण करा रही है। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के साथ ही प्रधानमंत्री ने बाबा साहब की विरासत और आजाद भारत को लेकर देखे गए सपनों को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भी बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और अनाथ व जरुरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही हैं। विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए 'दादूदयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना' में 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन समुदाय को 26 हजार आवासीय पट्टे देने का बड़ा कार्य भी किया गया है। शर्मा ने कहा कि जयपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्ययूशनल स्टडीज एण्ड रिसर्च की शुरुआत भी की गई है। शर्मा ने कहा कि देश में अब गरीबी हटाओ के नारों के बजाय गरीब कल्याण की दिशा में कार्य हो रहे हैं। श्री शर्मा ने समाज के लोगों से बाबा साहब के बताए रास्तों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान निभाने के लिए आव्हान किया है।

इस अवसर पर दिल्ली से सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक रामसहाय वर्मा, महासभा अध्यक्ष बी.एल. नवल सहित विभिन्न राज्यों से आए समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

सिटी पैलेस में 20 जून तक चलेगा प्रशिक्षण शिविर

महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट की ओर से सिटी पैलेस, जयपुर में आयोजित सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने उद्घाटन किया।

जयपुर। महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट द्वारा सिटी पैलेस, जयपुर में आयोजित सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि "सिटी पैलेस में पिछले 28 वर्षों से सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन निरंतर रूप से प्रत्येक वर्ष किया जा रहा है। हमारे परिवार की सदैव यह प्राथमिकता रही है कि पारंपरिक कलाओं और शिल्प को संरक्षित रखा जाए तथा उन्हें प्रोत्साहित कर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। हम इसी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" गौरतलब है कि यह शिविर पारम्परिक कलाओं की प्रतिनिधि संस्था रंगरीत तथा सरस्वती कला केन्द्र के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राजस्थान की कला और संस्कृति विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखती है, और इसे आगे बढ़ाने का कार्य हमारी भावी पीढ़ियां करेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने प्रत्येक जिले में स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 'वॉल पेंटिंग' पहल की शुरुआत की है। इस प्रयास से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को उस क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त होगी और पारंपरिक कला को नया जीवन मिलेगा।

एक माह तक चलने वाले इस सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को चित्रकला, आला गिला, आराईश, ध्रुवपद, कथक, बांसुरी, कैलीग्राफी, वैदिक ज्योतिष जैसी पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष प्रशिक्षण शिविर में एक नई कला शैली ठीकरी (मिरर वर्क) को भी शामिल किया गया है। शिविर के दौरान प्रसिद्ध कला विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न पारंपरिक कला रूपों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। शिविर का समापन 20 जून को होगा।

'राइजिंग राजस्थान के एमओयू को धरातल पर उतारना रीको की प्राथमिकता'

रीको के अधिकारियों की दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यशाला का बुधवार को समापन हुआ।

जयपुर। रीको द्वारा 20 व 21 मई को दो दिवसीय "कैपेसिटी बिल्डिंग" विषय पर जयपुर में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त राजस्थान में रीको के इकाई कार्यालयों में पदस्थापित इकाई प्रभारियों एवं उप-इकाई प्रभारियों सहित रीको के मुख्यालय में कार्यरत उच्चाधिकारी शामिल हुए।

कार्यशाला में विभिन्न विषयों यथा रीको डिस्पोजल ऑफ लैण्ड रूल्स, 1979(समय-समय पर संशोधित), भूमि का चिन्हीकरण तथा राजस्थान सरकार से भूमि के आवंटन की प्रक्रिया, निजी खातेदारों से भूमि अवाप्ति, औद्योगिक क्षेत्रों की प्लानिंग, भूखण्ड आवंटन एवं निरस्तीकरण प्रक्रिया, आई.टी., ईआरपी मॉड्यूल्स का बेहतर उपयोग, कानूनी तथ्यों तथा नेशनल कम्पनी लॉ ट्रिब्यूनल, सिविल वर्क्स तथा एमओयू मॉनिटरिंग, फाईनेंशियल रिपोर्टिंग, इन्वेस्टर्स फैसिलिटेशन आदि विषयों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी तथा रीको की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपना अनुभव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त निवेशकों को आकर्षित करने तथा उन्हे बेहतर सेवाऐं उपलब्ध करवाना, उद्यमियों की समस्याओं को सुनना तथा उनका उचित समाधान करने, बेहतर पर्यावरण प्रबंधन तथा औद्योगिक क्षेत्रों के रखरखाव से संबंधित बेहतरीन कार्यप्रणालियों(बेस्ट प्रेक्टिस) के बारे में बताया गया तथा उन्हे प्रोत्साहित करने हेतु प्रेरित किया गया। राइजिंग राजस्थान में रीको के करीब 4720 एमओयू निष्पादित हुए हैं, इन एमओयू को धरातल पर उतारकर राज्य में निवेश करवाना ही रीको की प्राथमिकता है। इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने से राज्य के आर्थिक विकास को बढावा मिलेगा। साथ ही साथ लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी दिशा में रीको ने प्रत्यक्ष भू-आवंटन योजना-2025 जारी की गयी। जिसके द्वितीय चरण के अंतर्गत 28 मई, 2025 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। सभी इकाई प्रभारियों को दिशा-निर्देश दिए गए कि वो हर एमओयू होल्डर से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें प्रत्यक्ष आवंटन योजना में आवेदन करने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनका एमओयू धरातल पर उतर सके। सभी इकाई प्रभारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि औद्योगिक क्षेत्रों के रखरखाव पर विशेष ध्यान दें। साथ ही साथ आवंटियों की समस्याओं का समाधान त्वरित गति से करें। साथ ही निकट भविष्य में राज्य में औद्योगिक विकास एवं निवेश आकर्षण हेतु कार्यशाला में उपस्थित इकाई प्रभारियों तथा उप-इकाई प्रभारियों से फीडबेक व सुझाव प्राप्त किए, ताकि आवश्यक सुधार किया जा सके।

कंवरलाल मीणा की आज सदस्यता रद्द नहीं की, तो सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा : जूली

जयपुर। अंता से भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द नहीं करने के मामले में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरपार की लड़ाई का ऐलान करते हुए कह दिया है कि अगर आज विधानसभा अध्यक्ष कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द करने का फैसला नहीं लेते हैं तो मैं खुद सुप्रीम कोर्ट जाकर इसकी लड़ाई लड़ूंगा।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए जूली ने कहा कि एक महीने का समय हो गया, लेकिन अंता विधायक की सदस्यता अभी तक रद्द नहीं की गई है। एक देश में दो कानून नहीं हो सकते हैं। विधानसभा के आज तक के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है, अगर कोई स्पीकर के लिए ऑफ द रिकॉर्ड ही कुछ कह दे तो वे संविधान की बात करने लगते हैं। अब 21 दिन से विधायक की सदस्यता रद्द करने का फैसला नहीं ले पा रहे हैं। हम चार बार राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष के पास गए। जूली बोले कि जब लोकसभा में राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने का फैसला हुआ था तब तो अटॉर्नी जनरल से फाइल नहीं मंगाई गई। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष कंवरलाल मीणा के मामले में एजी को फाइल भेजने की बात करते हैं, ऐसा नहीं चलेगा।

इस दौरान पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि एक महीने का समय हो गया और विधानसभा अध्यक्ष कंवरलाल मीणा के मामले में फैसला नहीं ले पा रहे हैं। यह बात बहुत स्पष्ट है कि वह पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्रवाई कर रहे हैं।

शैक्षणिक रिकॉर्ड में मां का नाम सिर्फ विवरण नहीं बच्चे की पहचान का है धागा : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि बच्चे के शैक्षिणक रिकॉर्ड में मां का नाम सिर्फ एक विवरण नहीं, बल्कि बच्चे की पहचान का वो धागा है जो उसके व्यक्तित्व को बुनता है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि यदि याचिकाकर्ता स्कूल के प्रिंसिपल से सत्यापन कर मां का नाम संशोधन का प्रार्थना पत्र पेश करता है तो बोर्ड अंक तालिकाओं में सुधार करे। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश चिराग नरूका की याचिका का निपटारा करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि किसी को नाम देना उसकी मौजूदगी को पहचानना है। नामहीन होना, अदृश्य होने के समान है। नाम ही बताता है कि हम कौन हैं और कहां से आए हैं। किसी के नाम को नकारना उसके व्यक्तित्व को नकारने के समान है। दस्तावेजों में गलत नाम से व्यक्ति को अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। अदालत ने कहा कि शैक्षिणक रिकॉर्ड में मां का नाम शामिल कर हम उस प्यार, देखभाल और त्याग को स्वीकार करते हैं, जो एक बच्चे के जीवन को आकार देते हैं।

याचिका में अधिवक्ता राहुल शर्मा ने कहा कि याचिकाकर्ता की 10वीं और 12वीं की अंकतालिका में उसकी मां का नाम आशा नरूका के बजाए टीना नरूका प्रिंट हो गया। जबकि अन्य सभी दस्तावेजों और विवाह प्रमाण पत्र में उसकी मां का नाम आशा नरूका ही है। याचिकाकर्ता ने 25 जुलाई, 2022 को शिक्षा बोर्ड में शपथ पत्र पेश कर अंकतालिकाओं में मां का नाम सही करने की गुहार की, लेकिन बोर्ड ने कई आपत्तियां लगाकर आवेदन वापस कर दिया। ऐसे में शिक्षा बोर्ड को निर्देश दिए जाए कि वह अंकतालिकाओं में उसकी मां का नाम सही करे।

वृक्षारोपण की पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए : दिलावर

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में आज वर्ष 2025 मे सघन वृक्षारोपण करने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के आव्हान पर पिछली बार हमने प्रदेश में सात करोड़ पौधे लगाए थे। हम इस बार 25 करोड़ पौधे लगाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए पोधारोपण की पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आने वाले समय को पर्यावरण के लिए चुनौती बताते हुए अधिकाधिक पौधे लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि इस बार हमने 25 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मनरेगा के माध्यम से गड्ढे खुदवाए जाएंगे। ऐसे में एक पेड़ मां के नाम-हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण/वृक्षारोपण किया जाएगा।

दिलावर ने कहा कि यदि मन बनाओगे तो हर काम संभव है। इस बार भी कोशिश करेंगे कि मुख्यमंत्री के निर्देशों की पूरी तरह पालना हो। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर पौधे लगाने है। तापमान को नियंत्रण में रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें पेड़ बनाना है। पर्यावरणविदों के अनुसार एक व्यक्ति के करीब 420 पौधे होने चाहिए जबकि प्रदेश में यह अनुपात महज 28 पौधों का ही है। एक जुलाई से पौधारोपण/वृक्षारोपण अभियान शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जगह की कमी नहीं है। उन्होंने पौधारोपण/वृक्षारोपण के लिया स्थान चिंहित करने के निर्देश दिया। ग्राम पंचायत स्तर से लेकर सभी राजकीय परिसरों, श्मशान, कब्रिस्तान, खेल मैदान , विद्यालय, ओरण क्षेत्र, चारागाह क्षेत्र, स्टेट राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग आदि सभी जगह पौधारोपण/वृक्षारोपण करना है।

परिंडा वितरण अभियान शुरू

जयपुर। मालवीय नगर विधायक एवं यस सोसाइटी के संरक्षक कालीचरण सराफ व उनकी धर्म पत्नी अलका सराफ ने जवाहर सर्कल से परिंडे वितरित करके की। यस सोसाइटी के अध्यक्ष आशीष सराफ ने बताया कि इस बार भी हमारी सोसाइटी द्वारा पक्षियों के पानी पीने के लिए 1000 परिंडा वितरित किए जाएंगे एवं बांधे जायेंगे।

प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में विकास कार्यों को मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और उनका जीवन खुशहाल बनाने के लिए सरकार द्वारा निरंतर महत्वपूर्ण फैसले किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने एक और महत्वपूर्ण निर्णय करते हुए राज्य बजट वर्ष 2025-26 में घोषित सभी नवीन मंडियों, गौण मंडियों एवं फूड पार्क के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने सरकारी के साथ-साथ स्थानीय निकाय क्षेत्रों में भी इन मंडियों, गौण मंडियों एवं फूड पार्क के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन किए जाने की सहमति प्रदान की।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या i-19 जेडीए की योजना कल्पना नगर जयपुर का जेडीए से जारी मूल आवंटन पत्र एवं साइड प्लान कही खो गया है सूचित करें - सजनी देवी आहूजा मो - 9314148203

मेरे भूखण्ड सं- I/184 जे.डी.ए. की योजना कल्पना नगर जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र कही खो गया है सूचित करे- अजय खोसला मो-9001998869

मेरे आवास सख्या 31/79/02, मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कही खो गया है। मिलने पर सूचित करे। हाकिम लाल मेघवाल मो. 6350081658

मेरा Flat No. MA-1/1008 प्रताप अपार्टमेन्ट प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- प्रमोद कुमार शर्मा, मो.-7976831407

नाम परिवर्तन

विवाहोपरान्त मैने अपना नाम किरन पारदर्शानी से बदलकर विधी करनानी पत्नी जितेन्द्र करनानी कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। फ्लैट न. 504, 4 फ्लोर, प्लॉट न. 42, अशोक वाटिका बदरस्वा, मानसरोवर, जयपुर

मै आर्मी नंबर 16028543L नायक वीम सिंह भदौरिया यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम संध्या है जो की गलत है। मेरी पत्नी का सही नाम कु संध्या है।

मै आर्मी नं. 16028146M नायक शिवरत्न यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम "मंगेज देवी" है। जो गलत है। मेरी माताजी का सही नाम "मंगेस देवी" है।

मैने अपना नाम राजेश कुमार से बदलकर राजेश कुमार शर्मा कर लिया है। राजेश कुमार शर्मा पुत्र सीताराम शर्मा निवासी- मकान नं- 72 ए, यगदत्त नगर, निवारू रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

After marriage I have changed my name from Sugandha Burad (Jain) to Sugandha Ankit Jain W/o Ankit Jain for all purpose. Resi.: 512/301, Vyas Marg, Rajapark, Jaipur.

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती अर्चना गुप्ता आयु 51 वर्ष धर्म पत्नी श्री अशोक गुप्ता निवासी मकान नम्बर 30/18/04, स्वर्ण पथ मानसरोवर जयपुर के स्वामित्व व अधिकार का एक आवासीय प्लाट नम्बर 53, योजना श्योनाथ विहार, पांच्यावाला, जिला जयपुर में स्थित का कमलेश चौधरी पुत्र श्री रामप्रकाश चौधरी निवासी मकान नम्बर 1 हरितवाली ढाणी सायपुरा वार्ड नम्बर 31 सांगानेर बाजार जयपुर ने उक्त प्लॉट का फर्जी व कूटरचित मुख्त्यारनामा आम दिनांक 29-3-2024 निष्पादित करवा लिया है जिसे मेरी अभिभाष्या तुरंत प्रभाव से निरस्ती करती है कोई भी व्यक्ति या संस्था उक्त मुख्त्यारनामा आम के आधार पर उक्त को खरीद करता है तो वह शून्य माना जावेगा।
(उमेश कुमार शर्मा) एडवोकेट, मो.-9314029293

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य लिछमन सिंह राठौड़ पुत्र श्री जतन सिंह निवासी प्लाट नं. 26, अवरोल हाउस, सिविल लाईन्स, जयपुर, राजस्थान द्वारा श्रीमती समता नवलखा पत्नी श्री विनीत नवलखा निवासी 5, प्रेम निकेतन गणेश कॉलोनी, मोतीडूंगरी रोड, जवाहर नगर, जयपुर राजस्थान से उनके एकमात्र स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति ऑफिस नम्बर 205, सैकिण्ड फ्लोर, "सिटी मॉल" प्लाट नम्बर-सी-21-बी, भगवानदास रोड, सी-स्कीम, जयपुर राजस्थान मे स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 519.919 वर्गफीट है को खरीद करने हेतु एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहता है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति के खरीद / बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी।
जयपुर (रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट
दिनांक-21.05.2025 मो.नं. 9829256466

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमि खसरा नम्बर 5054 रकबा 0.110 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 5053 रकबा 0.0300 हैक्टेयर का 1/3 भाग स्थित कस्बा आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर तथा प्लाट नम्बर 9 व 10 ओम शिव गृह निर्माण सहकारी समिति की स्कीम गुरुदेव वाटिका, नयी माता के सामने, दिल्ली रोड, आमेर, जयपुर कुल 1934 वर्गगज़ जो हमारे अभिभाष्य श्री गाजी सलीम पुत्र स्वर्गीय श्री अब्दुल हई शमीम निवासी आमेर रोड, जयपुर की भागीदारी की सम्पत्ति है जिसमें हमारे अभिभाष्य के अलावा श्री तारिक सलीम व श्रीमती शाहिदा तारीक भागीदार है तथा हमारे [illegible]

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन.मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक 1520 दिनांक 21/05/25
आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर आवास संख्या-1/1077 मालवीय नगर जयपुर क्षेत्रफल 69.00 वर्ग मीटर का आवंटन [illegible]

न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) दूदू जिला जयपुर
क्रमांक/भू.अ./2025/1320 दिनांक 21-5-25
आम सूचना जरिये प्रार्थना पत्र प्रार्थी छोटी पत्नि इब्राहिम खान [illegible]

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
[illegible]

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज
अनापत्ति आमंत्रण सूचना
[illegible]

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
[illegible]

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
[illegible]
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत बरनावदा, पंचायत समिति-खण्डार जिला- सवाई माधोपुर
क्रमांक:-2025-26/16 दिनांक 15/05/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 02/2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बरनावदा प.स. खण्डार में समस्त योजनाओ यथा ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं मनरेगा में स्वीकृत समस्त निर्माण कार्यो हेतु अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए जीएसटी में पंजीकृत सक्षम संवेदक / फर्मो अथवा जो राजस्थान सरकार के विभिन्न निर्माण विभागो में सी-श्रेणी में पंजीकृत हो से निम्नानुसार निविदा दरें ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से ऑनलाईन आमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.ZSM2526A0342
UBN No. ZSM2526GLOB00397
प्रशासक ग्राम पंचायत बरनावदा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बरनावदा

कार्यालय ग्राम पंचायत नायपुर, पंचायत समिति-खण्डार जिला-सवाई माधोपुर
क्रमांक:-2025-26/12 दिनांक 14/05/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 03/2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नायपुर प.स. खण्डार में समस्त योजनाओ यथा ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं मनरेगा में स्वीकृत समस्त निर्माण कार्यो हेतु अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए जीएसटी में पंजीकृत सक्षम संवेदक / फर्मो अथवा जो राजस्थान सरकार के विभिन्न निर्माण विभागो में सी-श्रेणी में पंजीकृत हो से निम्नानुसार निविदा दरें ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से ऑनलाईन आमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.ZSM2526A0316
UBN No. ZSM2526GLOB00366
प्रशासक ग्राम पंचायत नायपुर — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत नायपुर

कार्यालय नगर पालिका लवाण, (जिला-दौसा)
क्रमांक-न.पा.ल./2025-26/205 प्रारूप-10 नियम 6(7) दिनांक-14/05/25
(प्राधिकृत अधिकारी) नगर परिषद, दौसा
लोक सूचना
श्री बिहारीलाल बैरवा पुत्र कन्हैयालाल बैरवा हिस्सा पूर्ण जाति-बैरवा ने इस कार्यालय में नीचें उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक आवासीय प्रयोजनार्थ का उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपनें अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
1	दौसा / लवाण	मोहनपुरा	873,874	1.08000 बीघा है.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृमि अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के आवासीय उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करनें और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेंजों के साथ अपनें आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपयुक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी की आक्षेप नहीं है तदनुसार मामलें का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांका 14/5/25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत एवं अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका लवाण, दौसा

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ/2025/69 दिनांक: 21.05.2025
ई-निविदा सूचना संख्या- DC NULM 15 / 2025-26
नगर निगम ग्रेटर जयपुर में आश्रय विहीन एवं बेघर परिवारो हेतु आश्रय स्थलों का संचालन किया जा रहा है, जिसके रख रखाव एवं प्रबन्धन हेतु रजिस्टर्ड एन.जी.ओ. संस्थाओं के माध्यम से दिनांक 30.05.2025 को दोपहर 01.00 बजे तक ई-बोली आमंत्रित की जाती है। आश्रय स्थल का संचालन व प्रबंधन के कार्य की अनुमानित लागत, बोली अमानता राषि, बोली प्रपत्र शुल्क, आर.आई.एस.एल. शुल्क एवं अन्य सम्बन्धित सूचना, बोली एवं संविदा शर्तो आदि का सम्पूर्ण विवरण www.sppp.raj.nic.in, www.jaipurmc.org एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
UBN No. :- JMC 2526WSOB00597
राज.संवाद/सी/25/2748 उपायुक्त (DAY-NULM)

कार्यालय ग्राम पंचायत रूपाहेडीकला पंचायत समिति कोटखावदा (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं./2025-26/23 दिनांक-20/5/2025
ई-निविदा सूचना सं. 02/2025-26
पंचायत समिति कोटखावदा की अधीनस्थ ग्राम पंचायत रूपाहेडीकला में महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य योजनान्तर्गत विकास कार्यों के लिए वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त यथा पंचायतीराज संस्थाए, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका, जयपुर विकास प्राधिकरण, सार्वजनिक निर्माण विभाग, केन्द्र व राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों व जीएसटी में पंजीकृत विनिर्माता/थोक प्रदायकर्ताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।
विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।
NIB No:- KHW 2526A0006 एवं UBN No:-. KHW2526WSOB00006 है।
हरलाल बैरवा, ग्राम पंचायत रूपाहेडीकला, पं.स.कोटखावदा (जयपुर) — मिश्रीलाल मीणा, ग्राम पंचायत रूपाहेडीकला, पं.स.कोटखावदा (जयपुर)

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जयपुर मेट्रो फेज़-2 की डीपीआर का अनुमोदन किया

फेज़-2 टोडी रोड से प्रहलादपुरा तक 42.80 किलोमीटर का होगा, 36 स्टेशन बनेंगे

- **जयपुर शहर का उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल एरिया को सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ेगा।**
- **फेज़-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस 2 टर्मिनल, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम तथा कलैक्ट्रेट आदि को सीधे कनैक्टिविटी मिलेगी।**

जयपुर, 21 मई। एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुये, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन किया है। इस निर्णय के उपरांत, डीपीआर को मेट्रो रेल नीति, 2017 के तहत केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में जयपुर मेट्रो के फेज-2 का कार्य हाथ में लिए जाने की घोषणा की गई थी।

इस परियोजना के साथ ही, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी परिवहन के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने जा रही है। यह परियोजना न केवल जयपुरवासियों के सफर को सुगम बनाएगी, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नई ऊंचाई देगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य एवं केन्द्र सरकार की नई 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है।

यह परियोजना जयपुर शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड़ से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे। यह कॉरिडोर शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षिणक एवं औद्योगिक क्षेत्रों, जैसे वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र तथा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा। इसके अतिरिक्त, दूसरे चरण में हवाई अड्डे के प्रस्तावित नवीन टर्मिनल के ठीक नीचे एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है, जिससे निर्बाध कनैक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। फेज़-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल्स, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी सीधे कनैक्टिविटी मिलेगी। जयपुर मेट्रो के प्रस्तावित फेज़-2 को वर्तमान में मानसरोवर से बड़ी चौपड तक संचालित फेज़-1 से कनेक्टिविटी हेतु फेज़-1 के रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशन से प्रस्तावित खासा कोठी मेट्रो स्टेशन के मध्य एक फुट ओवर ब्रिज तथा गवरमैंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच एक स्पर लाइन भी प्रदान की गई है, जिससे दोनों अलाइनमेंट के बीच निर्बाध आने-जाने की सुविधा मिल सकेगी।

पाक उच्चायोग के एक और अधिकारी का निष्कासन

- **भारत के विदेश मंत्रालय ने अवांछित गतिविधियों में लिप्त होने के कारण उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के आदेश दिए हैं।**

नयी दिल्ली, 21 मई। भारत ने यहां पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को उसकी आपत्तिजनक गतिविधियों के कारण बुधवार को अवांछित घोषित कर दिया और उसे 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के प्रतिकूल गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को आज इस आशय का आदेश जारी किया गया। उनसे सख्ती से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी अपने विशेषाधिकारों और दर्जे का किसी भी तरह से दुरुपयोग न करे।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्व. राजीव गांधी को 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

राहुल गाँधी ने पिता राजीव गांधी के साथ बचपन की फोटो शेयर की और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी और 21वीं सदी के भारत के निर्माण में उनके योगदान की सराहना की।**
- **ममता बनर्जी ने भी एक्स पर राजीव गाँधी को याद किया व उन्हें सच्चा शहीद बताया।**

नयी दिल्ली, 21 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।

मोदी ने सोशल मीडिया में कहा, मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

खड़गे तथा गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि वीर भूमि जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

गांधी ने भावुक होकर अपने पिता को याद करते हुए सोशल मीडिया एक्स में एक पोस्ट में कहा, पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ अपने बचपन की एक फोटो भी पोस्ट की है।

खड़गे ने कहा, 21वीं सदी के भारत के निर्माण में राजीव जी ने अद्वितीय भूमिका का निर्वाह किया। मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, महिला सशक्तिकरण तथा भागीदारी के लिए कई परिवर्तनकारी कदम उठाए।

उन्होंने कहा, राजीव जी ने समाज के सभी तबकों के कल्याण को ध्यान में रख कर अपने शासनकाल में 11 नीतियां बनायी। इसमें नयी शिक्षा नीति, आवास नीति, नई स्वास्थ्य नीति, नयी सिंचाई नीति प्रमुख है।

कई संस्थाओं की स्थापना की। पीने का पानी, टीकाकरण, साक्षरता, बाढ़ नियंत्रण, खाने के तेल, दुग्ध उत्पादन और टेलीकॉम पर टेक्नालाजी मिशन बनाया। एक सच्चे देशभक्त को हम नमन करते हैं।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद करती हूं। राजीव जी एक दूरदर्शी नेता और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सच्चे शहीद थे।

जून से अगस्त के बीच शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

- **यात्रा उत्तराखंड और सिक्किम दोनों रास्तों से आयोजित होगी।**
- **कुल 750 यात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाएंगे, हालांकि अब तक 5 हजार से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं।**

नयी दिल्ली, 21 मई। पांच साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा इस वर्ष जून से अगस्त के बीच उत्तराखंड और सिक्किम दोनों रास्तों से शुरू होने जा रही है और इसमें कुल 750 यात्री महादेव के धाम जा सकेंगे।

विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए विदेश और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आज यहां इस यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले यात्रियों के चयन के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ आयोजित किया।

लिपुलेख दर्रे से होकर जाने पर 22 दिन और नाथू ला दर्रे से होकर 21 दिन का समय लगेगा। लिपुलेख दर्रे के रास्ते से होने वाली यात्रा में इस वर्ष 50-50 यात्रियों के पांच बैच जाएंगे, जबकि नाथू ला दर्रे से होकर जाने वाली यात्रा में 10 बैच जाएंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर चलाने योग्य हैं। उत्तराखंड के रास्ते से जाने वाले यात्रियों को अब पैदल नहीं चलना पड़ेगा। लिपुलेख दर्रे तक सड़क बन गई है। उन्हें केवल सीमा पार करने के लिए करीब एक किलोमीटर ही चलना होगा।

यात्रियों को एसएमएस और ईमेल संदेशों के माध्यम से उनके चयन के बारे में सूचित किया जाता है। यात्री अपने चयन की स्थिति की जांच करने के लिए यात्रा वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी ले सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष 5561 आवेदकों ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिनमें 4024 पुरुष आवेदक और 1537 महिला आवेदक शामिल थीं।

यात्रा के खर्च के बारे में वेबसाइट में बताया गया है कि उत्तराखंड वाले मार्ग के लिए लगभग एक लाख 74 हजार रुपये तथा सिक्किम के रास्ते से जाने वालों के लिए दो लाख 83 हजार रुपये प्रति यात्री का शुल्क लिया जाएगा।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और यात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करते हुए, प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यत्रियों से आग्रह किया कि वे एक-दूसरे की देखभाल करते हुए, और पर्यावरण की पवित्रता की रक्षा करते हुए जिम्मेदारी, विनम्रता और भक्तिभाव के साथ तीर्थयात्रा करें।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजैंसी लैंडिंग

- **फ्लाइट में टर्बुलैंस की स्थिति में इमरजैंसी लैंडिंग करानी पड़ी, विमान का नोज़ कोन टूटने से यह उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है।**

श्रीनगर, 21 मई। दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6 ई 2142 बुधवार शाम टर्बुलैंस में फंस गई। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल श्रीनगर को इसकी जानकारी दी और इमरजेंसी लैंडिंग कराई। फ्लाइट में 227 यात्री सवार थे। सभी यात्री और एयर क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सुरक्षित लैंडिंग के बाद देखा गया कि फ्लाइट की नोज कोन (आगे का हिस्सा) टूट गया है। अब यह विमान फिलहाल उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है।

इंडिगो ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण इमरजेंसी के हालात बने। हालांकि यह नहीं बताया कि आगे का हिस्सा कैसे टूटा।

पारंपरिक शैली में निर्मित जहाज भारतीय नौसेना में शामिल

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जहाज आई.एन.एस. कौडिन्य को नौसेना के सुपुर्द किया

- **यह पालदार जहाज अजंता की गुफाओं की पेंटिंग्स में प्रदर्शित 5वीं सदी के जहाज पर आधारित है। इसके लिए फंडिग संस्कृति मंत्रालय ने की थी।**

नयी दिल्ली, 21 मई। भारतीय नौसेना ने पारंपरिक रूप से 'निर्मित जहाज' को अपने बेड़े में शामिल कर उसे आईएनएसवी कौंडिन्य नाम दिया है।

इस जहाज को बुधवार को कारवाड़ स्थित नौसेना बेस में आयोजित समारोह में नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जो भारत की समृद्ध जहाज निर्माण विरासत को संजोने वाली एक असाधारण परियोजना के समापन का प्रतीक है।

आईएनएसवी कौंडिन्य एक सिला हुआ पाल वाला जहाज है, जो अजंता की गुफाओं की पेंटिंग में दर्शाए गए 5वीं शताब्दी के जहाज पर आधारित है। इस परियोजना की शुरुआत संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और मेसर्स होदी इनोवेशन के बीच जुलाई 2023 में हस्ताक्षरित एक त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से की गई थी, जिसके लिए संस्कृति मंत्रालय ने फंड दिया था। सितंबर 2023 में इस जहाज के निर्माण की शुरूआत की गई। इस जहाज का निर्माण केरल के कुशल कारीगरों की एक टीम ने सिलाई की पारंपरिक विधि का उपयोग करके किया था। इसका नेतृत्व मास्टर शिपराइट बाबू शंकरन कर रहे थे। कई महीनों तक, टीम ने कॉयर रस्सी, नारियल फाइबर और प्राकृतिक राल का उपयोग करके जहाज के पतवार पर लकड़ी के तख्तों को बड़ी मेहनत से सिल दिया। इस जहाज को इस वर्ष फरवरी में गोवा में लॉन्च किया गया था।

भारतीय नौसेना ने इस परियोजना में केंद्रीय भूमिका निभाई और इसकी डिजाइन, तकनीकी सत्यापन और निर्माण प्रक्रिया की देखरेख की। ऐसे जहाजों के कोई बचे हुए ब्लूप्रिंट न होने के कारण, डिजाइन को प्रतीकात्मक स्त्रोतों से अनुमान लगाया जाना था। नौसेना ने जहाज निर्माता के साथ मिलकर पतवार के आकार और पारंपरिक रिगिंग को फिर से बनाया और यह सुनिश्चित किया कि डिजाइन को समुद्री इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास में हाइड्रोडायनामिक मॉडल परीक्षण और आंतरिक तकनीकी मूल्यांकन के माध्यम से प्रमाणित किया गया था। भारतीय नौसेना के नौवहन पोत (आईएनएसवी) के रूप में शामिल, कौंडिन्य कारवाड़ में स्थित रहेगा। यह जहाज अब अपने अगले ऐतिहासिक चरण में प्रवेश करेगा, जिसमें गुजरात से ओमान तक प्राचीन व्यापार मार्ग के साथ एक महासागरीय यात्रा की तैयारी शामिल है जो इस वर्ष के अंत में निर्धारित है।

कन्नड़ लेखिका बानु मुश्ताक को बुकर अवॉर्ड

- **पहली बार शॉर्ट स्टोरीज़ के कलैक्शन को यह अवॉर्ड मिला है। बानु मुश्ताक के इस कहानी संग्रह का दीपा भष्ठी ने अंग्रेजी अनुवाद किया है।**

नयी दिल्ली, 21 मई। 77 साल की बानु मुश्ताक और ट्रांसलेटर दीपा भष्ठी को मंगलवार को उनकी किताब 'हार्ट लैम्प' के लिए इंटरनेशनल बुकर्स प्राइज 2025 से सम्मानित किया गया है।

अवॉर्ड के साथ न सिर्फ उन्होंने 50,000 यूरो का प्राइज मनी जीता है बल्कि इतिहास भी रचा है। यह पहला मौका है जब मूल रूप से कन्नड़ में लिखी किसी किताब को यह अवॉर्ड दिया गया।

पहली बार शॉर्ट स्टोरीज के कलेक्शन को यह अवार्ड मिला है और यह पहला मौका है जब किसी भारतीय ट्रांसलेटर को अनुवाद के लिए बुकर्स सम्मान मिला है। इससे पहले 2022 में 'टूम्ब ऑफ सैंड' के लिए गीतांजली श्री को ये अवार्ड मिला था।

'हार्ट लैम्प', एडवोकेट और एक्टिविस्ट बानु मुश्ताक द्वारा 1990 से 2023 के बीच लिखी 12 शॉर्ट स्टोरीज का कलेक्शन है। इसमें मुस्लिम महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी के किस्से हैं। इन कहानियों के जरिए वो पितृसत्तात्मक सोच, धार्मिक पाबंदियों और लिंगभेद के बारे में बात करती हैं।

मुश्ताक अपनी कहानियों के जरिए देश की अधिकांश महिलाओं की उस घुटन को भी बयां करती हैं जो वो अपने घर के भीतर महसूस करती हैं।

अवैध बांग्लादेशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपर्क किया, लेकिन उसे आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई। वहीं, बाद में जब याचिकाकर्ता अपने समाज के कुछ लोगों के साथ थाने गया तो उसे मौखिक रूप से जानकारी दी गई कि उसकी मां को अवैध बांग्लादेशी होने के कारण हिरासत में लिया गया है। याचिका में कहा गया कि उसका परिवार मूल रूप से सवाई माधोपुर का है और उसके पूर्वज रोजगार के लिए जामडोली आकर बस गए थे। याचिकाकर्ता की मां के पास आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड और राशन कार्ड भी है, लेकिन पुलिस ने इन दस्तावेजों को दिखाने का मौका ही नहीं दिया।

ऐसे में पुलिस की यह कार्रवाई बर्बरतापूर्ण और मनमानी है। ऐसे में प्रशासन को निर्देश दिए जाए कि वह उसकी मां को अदालत में पेश करे और तुरंत हिरासत से मुक्त करे। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

ऑपरेशन सिंदूर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को लेकर बीकानेर जिले के लोगों और नेताओं में अलग ही जोश है। मोदी की फोटो के साथ अलग-अलग स्लोगन वाले होर्डिंग्स सड़कों पर लगाए गए हैं।

पलाना गांव में सभा स्थल पर 54 ब्लॉक बनाये गए हैं।

आगे का ब्लॉक वीवीआईपी, मीडिया और महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। सभा स्थल पर करीब एक लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है।

तेज गर्मी को देखते हुए सभा स्थल पर ही 50 बैड का अस्थायी हॉस्पिटल बनाया गया है। यहां भर्ती करने की सुविधा रहेगी। दवाओं का भी इंतजाम रहेगा। सीनियर डॉक्टर्स की ड्यूटी लगाई जा रही है। हर ब्लॉक में पानी के 100-100 कैम्पर होंगे ताकि ठंडे पानी के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। जगह-जगह पानी के टैंकर रहेंगे।

विधानसभा वार भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है। एक मेडिकल टीम देशनोक में रहेगी, जिसके हैड डॉ. आर. के. काजला होंगे। दूसरी टीम प्रधानमंत्री के काफिले में रहेगी, जिसके इंचार्ज डॉ. श्यामलाल मीणा होंगे।

टीचर्स को पीएम के कार्यक्रम में शामिल होने का आदेश दिया गया है। शिक्षा विभाग ने सभी ब्लॉक के पीईईओ (पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि टीचर्स को इस कार्यक्रम में भेजें।

बाँग्लादेश में सेना सत्ता संभाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतभेद मौजूद हैं और दो स्पष्ट गुट नजर आ रहे हैं। एक धड़ा ऐसा है, जो जिहादी और इस्लामी कट्टरपंथियों के प्रभाव में है। दूसरा गुट ऐसा है जो देश में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अधिक व्यावहारिक रुख अपनाना चाहता है।

देश के अंदर इस्लामी कट्टरपंथी और जिहादी गुट पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहे हैं और पाकिस्तानी सेना तथा उसके सहयोगियों को बांग्लादेश बुला रहे हैं। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो जिहादियों के नियंत्रण में चल रही अस्थिरता का विरोध कर रहे हैं।

इन विभिन्न गुटों और उनके आपसी संघर्ष से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अब विपक्षी ताकतें खुले रूप से सामने आ रही हैं। जहाँ अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस कट्टरपंथियों के पक्ष में खड़े हैं और पाकिस्तान के साथ गठबंधन की दिशा में बढ़ रहे हैं, वहीं बांग्लादेश के सेना प्रमुख ज्यादा सतर्क और संतुलित रुख अपना रहे हैं।

दूसरी ओर, बांग्लादेशी सेना यह चेतावनी दे रही है कि इस्लामी कट्टरपंथी तत्व बेकाबू हो चुके हैं और वे देश में व्यापक अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। जिहादी अब भी अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे हैं और उनके खिलाफ संगठित, गंभीर कार्रवाइयाँ जारी हैं, जिससे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

जानकार पर्यवेक्षकों का मानना है कि सेना यह संकेत दे रही है कि अगर अंतरिम सरकार देश में नियंत्रण बनाए रखने और समग्र स्थिरता बहाल करने में विफल रहती है, तो सेना व्यवस्था बहाल करने के लिए आगे बढ़ सकती है। बाँग्लादेश में एक और सैन्य तख्तापलट की आशंका प्रबल हो गई है। हालांकि, सेना का रूस की ओर झुकाव भारत के लिए अनुकूल माना जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर, अंतरिम सरकार लगातार पाकिस्तान के प्रभाव क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, और पाकिस्तान तथा सेना को देश में खुला प्रवेश मिल रहा है। पाकिस्तानी प्रभाव के साथ-साथ, चीन भी बांग्लादेश में स्पष्ट रूप से प्रवेश कर रहा है।

पहला संसदीय प्रतिनिधिमंडल रवाना

नयी दिल्ली, 21 मई। आतंकवादी संगठनों की पनाहगार बन चुके पाकिस्तान को दुनिया भर में बेनकाब करने के लिए विभिन्न देशों में जाने वाले सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से पहला प्रतिनिधिमंडल शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में बुधवार को रवाना हो गया। यह प्रतिनिधिमंडल संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया, कांगो गणराज्य और सिएरा लियोन जायेगा। प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद को बिलकुल भी बर्दाश्त न करने के मजबूत संदेश के साथ सभी तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के भारत के दृढ़ दृष्टिकोण की जानकारी देगा। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद को बढ ावा देने में लगे पाकिस्तान को घेरने तथा दुनिया को उसकी नापाक हरकतों की जानकारी देने के लिए करीब तीस देशों में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंल भेजने का निर्णय लिया है।

24 से 31 मई तक कांग्रेस "जयहिंद सभाएं" करेगी

- **पहले चरण में 16 शहरों में सभाएं होंगी, जिसमें सैनिकों को नमन किया जाएगा और फिर कांग्रेस भारत के खुफियां तंत्र की विफलता और ट्रम्प द्वारा अचानक सीज़ फायर की घोषणा करने का मुद्दा उठाएगी व सरकार से सवाल करेगी।**

नयी दिल्ली, 21 मई। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पार्टी 24 से 31 मई तक देश के कई स्थानों पर जय हिंद सभाएं आयोजित करेगी जिनमें पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई के दौरान सेना की बहादुरी को सलाम करके खुफिया तंत्र की विफलता को लेकर सरकार से सवाल पूछे जाएंगे।

कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी और विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, पार्टी ने निर्णय लिया है कि 24 से 31 मई तक लोगों के बीच जाकर जय हिंद सभाएँ आयोजित की जाएंगी। यह सभाएं दो चरणों में आयोजित होगी जिसके पहले चरण में 16 शहर चुने गए हैं। ये सभाएं राज्य और जिला स्तर पर होंगी जिनमें हमारे सैनिकों की वीरता को नमन किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि करीब एक महीने से देश काफी मुश्किल दौर से गुजर रहा है इसलिए कांग्रेस ने यह निर्णय लिया है।

इन सभाओं से संवाद स्थापित करके सरकार से सवाल पूछे जाएंगे कि पहलगाम में खुफिया तन्त्र विफल कैसे हुआ। अब तक आतंकवादी अब तक पकड़े क्यों नहीं गए और उन्हें पकड़ने के लिए सरकार क्या योजना बना रही है।

विधायक कंवर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में दोषी करार देते हुए 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इस फैसले के खिलाफ विधायक मीणा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उसके बाद, हाईकोर्ट ने विधायक की याचिका पर सुनवाई करते हुए एडीजी कोर्ट अकलेरा के फैसले को बरकरार रखा था।

विधायक ने, हाईकोर्ट से किसी भी प्रकार की राहत न मिलते देख, देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में लोवर कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी तथा कोर्ट की ओर से सुनाई गई 3 साल की सजा पर पुनर्विचार करने की अपील की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की एकल बेंच ने उन्हें राहत प्रदान करते हुए सुनवाई के दौरान कोर्ट में उनके सरेंडर करने पर रोक लगा दी थी, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने एकल बेंच के फैसले को पलटते हुए, विधायक को मनोहर थाना कोर्ट में दो सप्ताह के भीतर सरेंडर करने को कहा था। इसके बाद आखिरकार भाजपा विधायक कंवर लाल मीणा को मनोहर थाना कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा।

बाटा ने कैरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बिल 4704 रुपए का दिया। इसमें 6 रुपए कैरी बैग के लिए वसूले गए थे। परिवादिया ने जब विपक्षी से आग्रह किया कि वह कैरी बैग की कीमत नहीं वसूले तो कर्मचारी ने कहा कि उन्हें बैग लेना ही होगा और इसकी कीमत भी देनी होगी। मजबूर होकर उसने कैरी बैग की कीमत सहित पूरा पेमेंट कर दिया। विपक्षी की इस कार्रवाई को उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए कहा कि गया विपक्षी कंपनी कैरी बैग पर अपना विज्ञापन देकर ग्राहकों से उसकी कीमत वसूल रही है और अपने उत्पाद का प्रचार भी कर रही है। ऐसा करना ग्राहकों के साथ न केवल ठगी है, बल्कि अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस भी है। इसलिए उसे विपक्षी कंपनी से हर्जा, खर्चा सहित कैरी बैग के लिए वसूली राशि वापस दिलवाई जाए। गौरतलब है कि प्रिंटेड बैग की कीमत वसूलने पर जिला उपभोक्ता आयोग बाटा कंपनी पर पूर्व में भी दस हजार रुपए का हर्जाना लगा चुका है।

पहलगाम की घटना ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर पाने की खुफिया तंत्र की असफलता की चारों तरफ आलोचना हो रही है, खासतौर से इसलिए भी, क्योंकि यह नैटवर्क कथित रूप से भारत के कई राज्यों में लम्बे समय से संचालित एवं सक्रिय था। सूत्रों का कहना है कि इस नैटवर्क के सदस्य जहां दूर-दूर तक फैले हुए थे, वहीं ये विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त नहीं थे तथा विकेन्द्रीयकृत तरीके से काम कर रहे थे। इनमें से कई लोग पैसों के लालच तथा वैचारिक बहकावे के कारण जुड़े हुए थे तथा वे प्रशिक्षित एवं पेशेवर जासूस नहीं थे।

उत्तर प्रदेश पुलिस पूर्व महानिदेशक विक्रम सिंह ने आरोपियों के नौसिखियापन को रेखांकित किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, "गिरफ्तार किये गये ज्यादातर लोगों की पृष्ठभूमि जासूसी नहीं रही है। वे पेशेवर जासूस नहीं रहे हैं। उनमें से कई तो बिल्कुल साधारण लोग हैं, जिनसे संभवतः छोटे-मोटे काम लिए जाते थे।" उन्होंने आगे कहा, "इस प्रकार की गिरफ्तारियां भले ही सनसनीखेज लगती हों, लेकिन ये प्रायः कानूनी जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती हैं।" यही बात वे लॉ-एन्फोर्समेंट ऑफिसर कह रहे हैं, जो पहले जासूसी मामलों की जांच-पड़ताल से जुड़े रहे हैं। ऐसे बहुत से अधिकारियों का कहना है कि जासूसी से संबंधित बहुत सारे मुकदमे ठोस सबूतों के अभाव, अपर्याप्त जांच-पड़ताल तथा परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता के कारण ट्रायल में टिक नहीं पाते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, आगे और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना हैं, क्योंकि एजेंसियां इस नैटवर्क की पूरी पड़ताल करने में लगी हुई हैं। जो भी है, लेकिन यह केस दो काम जरूर कर रहा है - चेतावनी देने का और सबक देने का। जहां नैटवर्क के भण्डाफोड़ को एक उपलब्धि के रूप में प्रोजेक्ट किया जा रहा है, वहीं, पहलगाम त्रासदी को रोकने तथा हमलावरों को चिन्हित किये जाने की अक्षमता एक सुस्पष्ट असफलता के रूप में ली जा रही है।

अमेरिका से भारत भेजे गये प्रत्येक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें एच-1बी वीज़ा धारक, ग्रीन कार्ड होल्डर (जो अभी नागरिक नहीं बने हैं), और अन्य वीज़ा श्रेणियां शामिल हैं। अमेरिकी नागरिक और नैशनल इससे मुक्त रहेंगे। यह टैक्स ट्रांसफर के समय रैमिटेंस सर्विस या बैंकों द्वारा काटा जाएगा। यानी, अगर कोई व्यक्ति भारत में 1,000 डॉलर भेजता है, तो उसे अतिरिक्त 50 डॉलर टैक्स देना होगा।

करीब 45 लाख भारतीय-अमेरिकियों में से कई नियमित रूप से अपने माता-पिता, बच्चों की पढ़ाई या किसी हैल्थ एमरजैंसी के समय भारत में पैसे भेजते हैं। ऐसे में यह प्रस्ताव इन प्रवासी परिवारों के लिए भारी झटका बन सकता है। भारत में इन प्रवासियों के परिवारों को खर्चों में कटौती करनी पड़ सकती है और भेजने वाले मनी ट्रांसफर की संख्या या रकम घटा सकते हैं। साथ ही, इस टैक्स से बचने के लिए लोग हवाला जैसे असंगठित और जोखिम भरे चैनलों की ओर भी मुड़ सकते हैं।

भारत के लिए आर्थिक दृष्टि से यह एक बड़ा झटका हो सकता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा रैमिटैंस प्राप्तकर्ता है - 2023 में भारत को रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर रैमिटैंस के रूप में प्राप्त हुए, जिसमें एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से आया। विश्लेषकों का अनुमान है कि 5 प्रतिशत टैक्स लगने से भारत को हर साल लगभग 1.6 अरब डॉलर की रैमिटैंस की हानि हो सकती है। यह छोटी रकम नहीं है, क्योंकि ये फंड भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करते हैं और ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आय का अहम स्त्रोत हैं।

ट्रंप प्रशासन ने इस प्रस्ताव को अवैध इमिग्रेशन को हतोत्साहित करने और बॉर्डर सुरक्षा जैसी घरेलू परियोजनाओं के लिए राजस्व जुटाने की रणनीति का हिस्सा बताया है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि यह टैक्स, कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासियों को अनुचित रूप से दंडित करता है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं और अपने देश में परिवारों का सहारा बनते हैं। इससे अमेरिका, और भारत जैसे बड़े रैमिटैंस रैसीपिएंट देशों के बीच संबंधों में खिंचाव आ सकता है। यह वैश्विक वित्तीय लेनदेन की पारदर्शिता को भी घटा सकता है, क्योंकि लोग अण्डरग्राउण्ड चैनल्स का सहारा ले सकते हैं।

फिलहाल यह टैक्स केवल एक प्रस्ताव है - इसे कानून बनने से पहले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित होना होगा। लेकिन इस प्रस्ताव की पोलिटिकल टाइमिंग दिलचस्प है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उन मतदाताओं को रिझाने की कोशिश है जो और अधिक सख्त इमिग्रेशन कंट्रोल और "अमेरिका फर्स्ट" आर्थिक एजेंडे का समर्थन करते हैं।

अगर यह कानून बनता है, तो भारतीय-अमेरिकी परिवारों को कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन इसका प्रभाव केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहेगा, यह आने वाले वर्षों में अमेरिका-भारत आर्थिक और राजनयिक संबंधों की दिशा को भी बदल सकता है।

65 वर्ष के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजिस्ट्रेट कोर्ट को सुनवाई करनी है। इसके बावजूद, हाईकोर्ट ने उसे जमानत नहीं दी और जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि प्लॉट की खरीद-फरोख्त में धोखाधडी को लेकर याचिकाकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था और वह गत 1 अक्टूबर से जेल में हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

अक्षर के लिए ये दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले दो दिनों से वह बहुत बीमार हैं। फ्लू से जूझ रहे हैं। हम उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। - फाफ डुप्लेसी

दिल्ली के कार्यवाहक कप्तान, अक्षर पटेल के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — गीता सामोता

सीआईएसएफ की सब इंस्पेक्टर गीता सामोता ने इतिहास रच दिया है। गीता ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़कर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 56 साल के इतिहास में पहली कर्मचारी बन गई हैं।सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि गीता सामोता ने सोमवार को 8,849 मीटर ऊंचे पर्वत की चढ़ाई पूरी की। गीता दुनिया की शिखर पर खड़ी थीं और ये एक विजयी क्षण था। ये न केवल व्यक्तिगत जीत का प्रतीक था बल्कि सीआईएसएफ और राष्ट्र के तौर पर भारत के अविश्वसनीय जज्बे और मजबूती का भी प्रतीक था।

क्या आप जानते हैं ?... क्लब और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त रूप से 930 से अधिकगोलके साथ, क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब तक के सर्वोच्च गोल स्कोरर हैं।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को दिया 304 रनों का लक्ष्य

डबलिन, 21 मई। एंडी बैलबर्नी (112) की शतकीय , कप्तान पॉल स्टर्लिंग (54) और हैरी टेक्टर (56) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर आयरलैंड ने बुधवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 304 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड के लिए एंडी बैलबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 109 रन जोड़े। 23वें ओवर में रॉस्टन चेज ने पॉल स्टर्लिंग को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। पॉल स्टर्लिंग ने दो छक्के और छह चौके लगाते हुए (54) रन बनाये। दूसरे विकेट के रूप में कैड कारमाइकल (16) रन बनाकर आउट हुये। 44वें ओवर में एंडी बैलबर्नी को जोसेफ ने आउट किया। एंडी बैलबर्नी ने नौ चौके और चार छक्के लगाते हुए शानदार (112) रनों की शतकीय पारी खेली। 48वें ओवर में हैरी टेक्टर (56) रन बनाकर आउट हुये। आयरलैंड का पांचवां विकेट लोर्कान टकर (30) के रूप में गिरा। इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (एक) रन बनाकर आउट हुये। आयरलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 303 रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर से मैथ्यू फोर्ड ने तीन और अल्जारी जोसेफ ने दो विकेट लिये। रॉस्टन चेज ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रेणुकाचार्य होदमानी और दीक्षा यादव ने तैराकी स्पर्धा में जीते स्वर्ण पदक

दीव, 21 मई। कर्नाटक के रेणुकाचार्य होदमनी और महाराष्ट्र की दीक्षा यादव ने बुधवार को पुरुष और महिला वर्ग की 10 किमी खुले पानी की समुद्री तैराकी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते। आज यहां कर्नाटक के रेणुकाचार्य होदमानी और महाराष्ट्र की दीक्षा यादव ने अरब सागर में आयोजित 10 किमी ओपन स्पर्धाओं में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। रेणुकाचार्य ने दो घंटे नौ मिनट और 40 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं दीक्षा ने दो घंटे 18 मिनट और नौ सेकंड का समय लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता 17 वर्षीय रेणुकाचार्य ने सात साल की उम्र में तैराकी शुरू की थी, लेकिन तीन साल पहले ही उन्होंने ओपन वॉटर में कदम रखा। सामान्य तैराकी और ओपन स्पर्धा के बीच अंतर पर उन्होंने कहा, हम पूल में पानी को साफ देख सकते हैं, लेकिन ओपन वॉटर में हमें सामने देखना पड़ता है और सांस लेनी पड़ती है। इससे गर्दन पर थोड़ा दबाव पड़ता है, लेकिन यह ठीक है। छोटे पूल में तैरना और यहां ओपन में आना रोमांचक रहा है। दीक्षा भी बहुत कम समय के लिए ओपन कॉम्पिटिव तैराकी में शामिल हुईं हैं। महाराष्ट्र की इस 19 वर्षीय लड़की ने बताया, ओपन स्विमिंग में यह मेरा दूसरा साल है और मुझे बहुत मजा आया। अरब सागर में तैरना मजेदार था, लेकिन कुछ पल ऐसे भी आए जब आने वाली लहरों के कारण मुझे देखने में दिक्कत हो रही थी। इसके अलावा, जेलीफिश के डंक भी लगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए जोफ्रा आर्चर

नई दिल्ली, 21 मई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। वे में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए चोटिल हो गए थे, उन्हें सीधे हाथ के अंगूठे में चोट लगी। जिससे वे अब तक उबर नहीं सके और इंटरनेशनल सीरीज से बाहर हो गए। आर्चर को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में चुना गया था। सीरीज 29 मई से शुरू होगी। आर्चर की जगह ल्यूक वुड को स्क्वॉड में जगह मिली है। ईसीबी ने इंडिया-ए के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड लॉयंस टीम भी अनाउंस कर दी। 4 मई को इंजर्ड हुए थे राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज आर्चर कोलकाता के खिलाफ 4 मई को मैच के दौरान इंजर्ड हो गए थे। उन्हें सीधे हाथ के अंगूठे में चोट लगी। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद आईपीएल को 8 दिन के लिए रोका गया। आर्चर ने राजस्थान के लिए 12 लीग मैचों में 11 विकेट लिए। हालांकि, उनकी टीम 14 में से 4 ही मुकाबले जीत सकी और 8 पॉइंट्स के साथ नंबर-9 पर रही।

प्रो कबड्डी लीग नीलामी में रिकॉर्ड 10 बंगलादेश खिलाड़ी शामिल

ढाका, 21 मई। भारत के मुम्बई में 31 मई और एक जून को होने वाली प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 की नीलामी के लिए बंगलादेश के 10 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। प्रो कबड्डी का नया सीजन अगस्त 2025 में शुरू होगा और लीग में रिकार्ड 10 खिलाड़ियों का शामिल होना बंगलादेश का कबड्डी में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बंगलादेश कबड्डी महासंघ ने 20 मई की समय सीमा से पहले 10 खिलाड़ियों की सूची को अंतिम रूप देकर प्रस्तुत कर दिया है। महासंघ के अनुसार, पीकेएल नीलामी में विचार के लिए प्रस्तुत बंगलादेशी खिलाड़ियों की यह अब तक की सबसे अधिक संख्या है।
चयनित खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं:- मिजानुर रहमान, लिटन अली, आरिफ रब्बानी, रसेल हसन, राजीब अहमद, रोमन हुसैन, दीपायोन गोल्डार, मोनिरुल चौधरी, अल अमीन और शाह मोहम्मद शाहान। पीकेएल नीलामी के लिए मांगे गए खिलाड़ियों की संख्या के मामले में बंगलादेश, ईरान के बाद दूसरे स्थान पर है।

दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हराकर मुम्बई इंडियंस प्लेऑफ में

मुम्बई, 21 मई। सूर्यकुमार यादव (नाबाद 73) और नमन धीर (नाबाद 24) की विस्फोटक पारियों के बाद जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने बुधवार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 63वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 27 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। कप्तान फाफ डुप्लेसी (छह), के एल राहुल (11) और अभिषेक पोरेल (छह) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये समीर रिजवी और विप्रज निगम ने पारी को संभालने का प्रयास किया। आठवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने विप्रज निगम (20) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। ट्रिस्टन स्टब्स (दो) रन को जसप्रीत बुमराह अपना शिकार बनाया। 15वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने समीर रिजवी (39) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसी ओवर में उन्होंने आशुतोष शर्मा(18) भी आउटकर दिल्ली के मैच जीतने की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। दिल्ली कैपिटल्स का नौवां विकेट कुलदीप यादव (सात) के रूप में गिरा। 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर बुमराह ने मुस्तफिजुर रहमान (शून्य) को बोल्ड कर अपनी टीम को प्लेऑफ में जगह दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में 121 रन पर ढ़ेर हो गई।

मुम्बई इंडियंस के लिए मिचेल सैंटनर ने चार ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह ने 3.2 ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट झटके। ट्रेंट बोल्ट, विल जोक्स और दीपक चाहर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दिल्ली कैपिटल्स के कार्यवाहक कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत खराब रही और एक के बाद एक उसने 58 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। तीसरे ओवर में मुस्तफिजुर ने रोहित शर्मा (पांच) को आउटकर मुम्बई को पहला झटका दिया। इसके बाद विल जैक्स (21) मुकेश शर्मा का शिकार बने। सातवें ओवर में रायन रिकलटन (25) को कुलदीप यादव ने आउट किया।

चौथे बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे सूर्यकुमार यादव ने पारी को संभालने का प्रयास किया। हालांकि इस दौरान तिलक वर्मा (27) और उसके बाद कप्तान हार्दिक पंड्या (तीन) रन बनाकर आउट हुये।

इंग्लैंड दौरे के लिए बीसीसीआई स्क्वॉड और नए टेस्ट कप्तान के नाम की घोषणा 24 को

नई दिल्ली, 21 मई। अगले महीने 20 जून से भारत के इंग्लैंड दौरे का आगाज होने जा रहा है। इस टूर पर भारतीय टीम की अगुवाई कौन करेगा? साथही किन खिलाड़ियों को इस दौरे के लिए टीम में शामिल किया जाएगा? इस तरह के कई सवालों के जवाब का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। हालांकि, ये इंतजार अब ज्यादा लंबा नहीं होने वाला है। दरअसल, भारत के इंग्लैंड दौरे के स्क्वॉड के ऐलान को लेकर संभावित तारीख सामने आई है।बीसीसीआई 24 मई को स्क्वॉड और नए भारतीय टेस्ट कप्तान के नाम की घोषणा कर सकता है। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को चयन बैठक के बाद इसकी घोषणा की जा सकती है और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार ऐलान 12 बजे के आसपास हो सकता है।रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद से ही भारत नए टेस्ट कप्तान की तलाश में है। तब से, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे कई लोगों के नाम इस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के रूप में सामने आए हैं। हालांकि, रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बुमराह ने इस दौड़ से हटने का फैसला किया है जिससे गिल और पंत सबसे आगे चल रहे हैं।

बीसीसीआई का नया फैसला केकेआर को नहीं आया पसंद, उठाए सवाल

कोलकाता, 21 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के बीच में खेल की शर्तों में बदलाव के लिए बीसीसीआई के निर्णय पर सवाल उठाया है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने बताया कि उन्होंने आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन को एक लेटर भेजा है, जिसमें बोर्ड के निर्णय पर आपत्ति जताई गई है कि एक पूर्ण खेल को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय को 60 मिनट से बढ़ाकर 120 मिनट किया गया है।मैसूर ने अमीन को पत्र लिखने का कारण 17 मई को आरसीबी के खिलाफ बारिश में रद्द हुआ मैच बताया, जिसने उनके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया। उनका मानना है कि उस रात 120 मिनट का अतिरिक्त समय कम से कम पांच ओवर प्रति पक्ष मुकाबले की संभावना पैदा कर सकता था।

बीसीसीआई ने बदला नियम : ये वही दिन था जब आईपीएल एक हफ्ते के लिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण निलंबित होने के बाद पुनः प्रारंभ हुआ। बीसीसीआई ने मंगलवार को प्लेऑफ के लिए आरक्षित होती है, लेकिन देश के कुछ हिस्सों में मानसून के प्रभाव को देखते हुए फैसला लिया गया है। बीसीसीआई ने कहा कि प्लेऑफ चरण के समान शेष लीग चरण के मैचों के लिए अतिरिक्त एक घंटे का आवंटन किया जाएगा जो मंगलवार से शुरू होगा।

बीसीसीआई ने फाइनल की मेजबानी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को सौंपी है। यही मैदान प्लेऑफ के क्वालिफायर-2 की मेजबानी करेगा। इसके अलावा पंजाब किंग्स का घरेलू मैदान मुल्लांपुर पहले क्वालिफायर के साथ-साथ एलिमिनेटर मैच की मेजबानी करेगा।

फ्लेमिंग ने युवा खिलाड़ियों के सिर फोड़ा सीएसके की हार का ठीकरा

नई दिल्ली, 21 मई। आईपीएल की शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी निरंतरता और उत्कृष्टता से सभी को प्रभावित किया है। पांच खिताब, कई प्लेऑफ और सबसे बड़ी बात ये कि जिन सीजनों में चेन्नई सुपर किंग्स ने हिस्सा लिया उनमें कभी भी लगातार दो साल तक वे फाइनल में पहुंचने से चूके नहीं। हालांकि, 2025 का सीजन इस ने एक अप्रत्याशित मोड़ लेकर आया, जब सीएसके न केवल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, बल्कि पहली बार पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर पहुंचने का खतरा मंडराने लगा।2024 की निराशा 2025 में भी जारी रही। दिल्ली में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सीएसकेको मिला 6 विकेट की हार के बाद, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अपनी नाराजगी छिपाई नहीं। पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि, हमारा इस सीजन का प्रदर्शन ऐसा ही रहा है, जैसा कि तालिका में हमारी स्थिति दर्शाती है। हम इससे बच नहीं सकते। लेकिन हम बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं जो हमारी टीम की क्षमता को दर्शाए। मैचों में युवा खिलाड़ियों के शामिल होने से बल्लेबाजी में कुछ तेजी आई, लेकिन फिर भी बल्लेबाजी क्रम में कई खामियां साफ दिखाई देती हैं। आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा खिलाड़ियों ने भविष्य के लिए उम्मीद जगाई है लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों से ज्यादा समर्थन की जरूरत है।

एचएस प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स के अगले दौर में, सिंधु बाहर

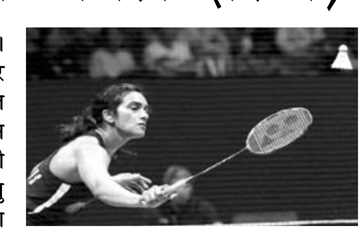

कुकिंत जलील (मलेशिया), 21 मई। एचएस प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्जकर मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है। वहीं भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से हारकर महिला एकल वर्ग से बाहर हो गईं।

आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना केपेल स्पोर्ट्स सिटी में खेले गये मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को शुरुआती गेम में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन दूसरे गेम में अच्छा प्रदर्शन करते हुए वह मैच को तीसरे गेम तक ले जाने में कामयाब रहीं। एक घंटे तीन मिनट तक चले महिला एकल वर्ग मुकाबले में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह ने आखिरी गेम पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए सिंधु को 21-11, 14-21, 21-15 से हराकर मैच जीत लिया। पीवी सिंधु के खिलाफ चार मैचों में गुयेन थुई लिन्ह की यह दूसरी जीत है। भारत के पुरुष खिलाड़ियों का कोर्ट पर अच्छा दिन रहा। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणॉय ने एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के केंटा निशिमोटो को मात दी। पहला गेम हारने के बावजूद एचएस प्रणॉय ने अगले दो गेम में वापसी करते हुए, केंटा निशिमोटो को मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराया। एक अन्य मैच में किदांबी श्रीकांत ने भी चीन के लू गुआंगजू को हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। पुरुष एकल रैंकिंग में 65वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी और छठे वरीय लू गुआंगजू को 23-21,13-21, 21-11 से हराया। सतीश करुणाकरन ने भी चीनी ताइपे के चोउ टिएन-चेन को 21-13, 21-14 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई।

गुजरात जायंट्स ने जयवीर को बनाया टीम का मुख्य कोच

अहमदाबाद, 21 मई। गुजरात जायंट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 के लिए, 31 मई और एक जून को होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी से पहले बुधवार को कोचिंग सदस्यों में बदलाव करते हुए दिग्गज जयवीर शर्मा को मुख्य कोच और वरिंदर सिंह संधू को टीम का सहायक कोच नियुक्त किया। अडानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जायंट्स ने नए सीजन से पहले रणनीतिक बदलाव करते हुए यह नियुक्तियां की हैं। जयवीर भारतीय कबड्डी में सबसे सम्मानित हस्तियों में से एक हैं। वह 1992 से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ काम कर रहे हैं, कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों के करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

गुजरात टाइटंस की नजर शीर्ष स्थान पर, लखनऊ उतरेगा सत्र का सकारात्मक अंत करने

अहमदाबाद, 21 मई। प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी गुजरात टाइटन्स गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत दर्ज कर आईपीएल-25 की अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी पकड़ मजबूत करने मैदान में उतरेगी। वहीं क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो चुकी लखनऊ लीग सत्र का सकारात्मक अंत करना चाहेगी।

शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस ने पिछले छह मैचों में पांच जीत दर्ज करते हुए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल के इस सत्र में गिल और साई सुदर्शन ने 12 पारियों में 76.3 की औसत से कुल 839 रन बनाए हैं। वह आईपीएल इतिहास में एक सत्र में किसी भी जोड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रनों (939) के रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 100 रन दूर है। गुजरात टाइटंस की हरफनमौला ताकत उसके खिताब जीतने ललक को दिखाती है। बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर खेलते हुए जॉस बटलर ने ओपनिंग और मध्यक्रम में खेलते हुए 11 पारियों में 71.4 की औसत और 164 के स्ट्राइक रेट से 500 रन बनाए हैं। दूसरी ओर ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ ने निराशाजनक सीजन का सामना किया है। पंत ने पूरे सत्र की 11 पारियों में 12.3 की औसत से मात्र 135 रन बनाए हैं। मैच जीतने के लिए उनका फॉम हासिल करना जरूरी है। एडन मारक्रम और मिशेल मार्श के बीच 115 रनों की जुझारू साझेदारी के बावजूद टीम खराब गेंदबाजी और सामरिक चूक के कारण प्रतिस्पर्धी स्कोर का बचाव करने में विफल रही। लखनऊ का मध्य क्रम दबाव में लड़खड़ाता रहा है। निकोलस पूरन और आयुष बडोनी ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसने निरंतरता की कमी रही। लखनऊ ने इस सत्र अपने तीन शीर्ष विदेशी बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा किया और शुरुआत में उन्हें इसका लाभ हुआ।

रोहन राजभर के शतक व प्रखर शर्मा के पंजे से जीता जयपुर

जयपुर, 21 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एकदिवसीय सीरीज के तहत उदयपुर के साथ खेले गए तीसरे मैच में जयपुर ए टीम ने उदयपुर को 102 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर उदयपुर ने टॉस जीतकर पहले जयपुर को बल्लेबाजी करने के आमंत्रित किया। जयपुर ने रोहन राजभर के शतक की बदौलत 50 ओवर में 6 विकेट पर 259 रन बनाए। उदयपुर के लिए निखिल शुक्ला ने 52 पर 4 व मोहम्मद जफर ने 46 पर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में उदयपुर की टीम प्रखर शर्मा के 41 पर 5 व दीपक चौधरी के 36 पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी के सामने 33.5 ओवर में 157 रनों पर सिमट गई। उदयपुर के लिए पुष्पेंद्र सिंह ने 36 रन, अनिरुद्ध सिंह ने 20 रन, मोहम्मद जफर ने 41 रन बनाए। आज श्रीगंगानगर की टीम से जयपुर की बी टीम से मैच खेला जाएगा।

जयपुर ए टीम ने रोहन राजभर (130 रन, भाविन कुमावत के 56 रन, राज शर्मा के 30 रन, करण लांबा के 14 रन, राहुल चौधरी के नाबाद 16 रन व मानेंद्र सिंह के 15 रनों)

नीरज के. पवन ने जय क्लब में नवनिर्मित पिकल बॉल कोर्ट का उद्घाटन किया

जयपुर, 21 मई। सी-स्कीम स्थित जय क्लब में दिनांक 21.05.2025 को क्लब प्रांगण में नवनिर्मित पिकल बॉल कोर्ट का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. नीरज के. पवन (आई.ए.एस.) शासन सचिव, खेल एवं युवा मामलात, राजस्थान सरकार, जयपुर के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि करण सिंह शेखावत, अध्यक्ष -राजस्थान पिकल बॉल व राजेंद्र सिंह सिसोदिया थे। इस अवसर पर जय क्लब के मनोज दासोत-सचिव, राजीव नागोरी-संयुक्त सचिव प्रशासन, संजय अजमेरा-संयुक्त सचिव स्पोर्ट्स व क्लब कार्यकारिणी के सदस्यगण, रोबिन काला, विकास जैन, पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, संजीव जैन, सिद्धार्थ शर्मा, धीरज विजयवर्गीय, व क्लब के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण कर व गुलदस्ते भेंट कर स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट किये गए।

मुख्य अतिथि डॉ. नीरज के. पवन ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान में पिकल बॉल का क्रेज तेजी के साथ बढ़ रहा है। जय क्लब अब सभी खेल सुविधाओं से युक्त हो गया है। जय क्लब खेलों के नाम से प्रसिद्ध है। खेलों को आगे बढ़ाने में क्लब को जो भी सहयोग होगा वो हमारे विभाग की ओर से किया जायेगा। क्लब सचिव मनोज दासोत ने बताया की जय क्लब का हम सभी प्रकार के खेलों का एक बहुत बड़ा हब बनाएंगे।

बीसीसीआई का मतलब मोदी : तनवीर अहमद

नई दिल्ली, 21 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का असर दोनों देशों के लोगों पर भी दिखा था। भारतीय सेना के कड़े रुख के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए नजर आए थे। अब पाकिस्तान का एक और पूर्व क्रिकेटर भी भड़काऊ भाषण देने के कारण चर्चा में आ गया है। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारतीय टीम एशिया कप 2025 में नहीं खेलेगी। हालांकि, बीसीसीआई ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया है। इस बीच तनवीर अहमद के बीसीसीआई पर बयान ने बवाल मचा दिया है। तनवीर अहमद ने जहर उगलते हुए कहा कि, बीसीसीआई ने एशिया कप खेलने से मना कर दिया है। बीसीसीआई मतलब मोदी। बीसीसीआई रोट खाने, पानी पीने के लिए भी जैसे मोदी से पूछता है, खासतौर पर पाकिस्तान के मामले में।

लविशा का भारतीय वॉलीबाल टीम प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन

उदयपुर, 21 मई। राजस्थान में उदयपुर के सेंट ग्रिगोरियस सिनियर सेकेण्डरी स्कूल की छात्रा लविशा डाँगी का बालिका वर्ग के अन्डर-16 में भारतीय वॉलीबॉल टीम के प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन हुआ है। उप प्रधानाचार्य अनिल गोस्वामी ने बताया कि उदयपुर से इस शिविर के लिए चयनित होने वाली लविशा एकमात्र छात्रा है। समस्त देश से मात्र 20 खिलाड़ियों का चयन लविशा एवं विद्यालय ही नहीं, अपितु शहर के लिए भी गर्व का विषय है। वॉलीबॉल कोर्ट में सेंटर अटेकर की पोजीशन पर अपने खेल को नयी ऊँचाइयों पर पहुँचाने वाली लविशा प्रतिदिन आठ घंटे की कड़ी मेहनत करती है। पिछले दो सालों से लविशा ने लगातार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में अनेक पदक प्राप्त किए हैं।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

नैना एकेडमी की जीत में रोविन का नाबाद शतक तथा भरत 95 रन शतक से चूका

जयपुर, 21 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड, जगतपुरा, जयपुर पर खेले गये पूल जी के मैच में रोविन सिंह 108 रन नाबाद (54 गेंद 10 चौके, 7 छक्के), भरत शर्मा 95 रन (36 गेंद, 7 चौके 10 छक्के) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत नैना क्रिकेट एकेडमी ने एलिट स्पोर्टस एकेडमी को 154 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये नैना एकेडमी के रोविन सिंह 108 रन नाबाद (54 गेंद 10 चौके, 7 छक्के), भरत शर्मा 95 रन (36 गेंद. 7 चौके 10 छक्के) ने मिलकर 10.2 ओवर में 148 रन जोड़कर शानदार शुरुआत की। भरत शर्मा के आउट होने के बाद रोविन सिंह ने अजय बेनीवाल 17 रन के साथ मिलकर 4 ओवर में 48 रन जोड़े और शुभम मीणा 20 रन नाबाद के साथ मिलकर अपनी टीम को बड़े स्कोर की दिशा की ओर ले गये और निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 264 रन बनाये। गेंदबाजी में एलिट स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से शुभम शर्मा 38 रन पर 2 विकेट, आरव चौधरी 37 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में एलिट स्पोर्टस एकेडमी के रोविन सिंह 47 रन व गर्वित राज 20 रन को छोड़कर एलिट स्पोर्टस एकेडमी को कोई भी बल्लेबाज ढाई की संख्या को भी नहीं छू सका और पूरी टीम 20 ओवर में 110 रन बनाकर सिमट गई। गेंदबाजी में नैना एकेडमी की ओर से नितिन सिंघल 17 रन पर 2 विकेट तथा राजेश जाट, मोहित गुप्ता, पुनित कुमार, शुभम मीणा, रोविन सिंह प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। मैन ऑफ मैच रोविन सिंह 108 रन नाबाद व 5 रन पर 1 विकेट नैना क्रिकेट एकेडमी रहे।

धनंजय सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस्तीफे की जानकारी दी

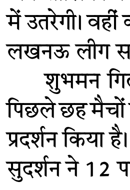

जयपुर, 21 मई। धनंजय सिंह खींवसर ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि उन्होंने 28 मार्च 2025 को नागौर जिले के सभी दायित्वों से विधिवत रूप से इस्तीफा दे चुका हूं, और इसका विवरण उप पंजीयक, सहकारिता विभाग, जिला खेल अधिकारी, एवं नागौर क्रिकेट एसोसिएशन सचिव नांदू सहित सभी संबंधित प्राधिकरणों को मेरे निजी सचिव हिम्मत सिंह द्वारा लिखित रूप में व्यक्तिगत रूप से सौंपा जा चुका है। नागौर क्रिकेट एसोसिएशन सचिव अब एस द्वारा पत्र लेने से स्पष्ट मना कर दिया गया था।

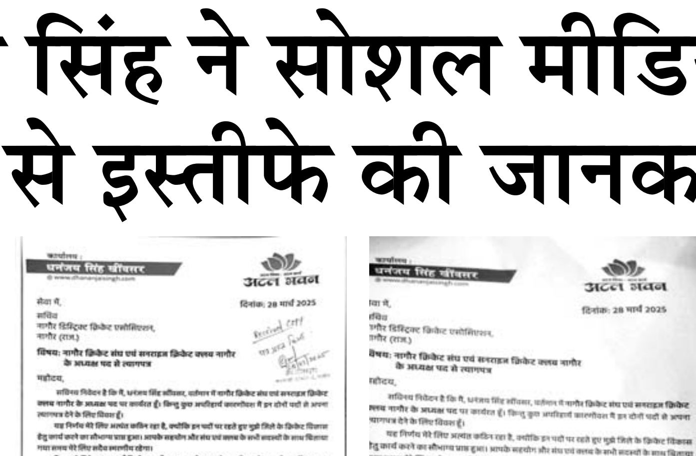

उप पंजीयक, सहकारिता विभाग तथा जिला खेल अधिकारी, नागौर द्वार दी गई रिसीविंग कॉपी।

मुझे किसी भी माध्यम से इस्तीफा नहीं भेजा गया : राजेन्द्र नान्दू

नागौर क्रिकेट एसोसिएशन सचिव राजेन्द्र सिंह नान्दू ने धनंजय सिंह खींवसर के आरोप को खारिज करते हुए बताया कि मुझे किसी भी माध्यम से इस्तीफा नहीं भेजा गया। नागौर जिला क्रिकेट संघ के आज भी अध्यक्ष धनंजय सिंह खींवसर ही हैं।

सत्यमेव जयते

विकसित भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

राजस्थान की जनता के लिए ₹26,000 करोड़ के उपहार

देश भर में पुनर्विकसित

103 अमृत स्टेशनों

जिसमें शामिल हैं

राजस्थान के 8 अमृत स्टेशन

मण्डावर महुआ रोड | गोविन्दगढ़ | फतेहपुर शेखावाटी | गोगामेड़ी | देशनोक | राजगढ़ | बून्दी | माण्डलगढ़

एवं

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत सेक्टर की विभिन्न परियोजनाओं का

उद्‌घाटन

चूरू – सादुलपुर रेल खंड का दोहरीकरण (58 कि.मी.)

एवं

विद्युत, सड़क परिवहन और राजमार्ग, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर्स तथा राजस्थान सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का

शिलान्यास

बीकानेर और मुंबई के बीच देशनोक रेलवे स्टेशन से नई एक्सप्रेस ट्रेन का

शुभारम्भ

विद्युतीकृत रेल खंड

सूरतगढ़ – फलोदी | फुलेरा – डेगाना | उदयपुर – हिंमतनगर

फलोदी – जैसलमेर | समदड़ी – बाड़मेर

एवं

सड़क परिवहन और राजमार्ग सेक्टर की विभिन्न परियोजनाओं का

राष्ट्र को समर्पण

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर कमलों द्वारा

गुरुवार 22 मई, 2025 | प्रातः 10:30 बजे | देशनोक, बीकानेर (राजस्थान)

गरिमामयी उपस्थिति

हरिभाऊ किसनराव बागडे
राज्यपाल, राजस्थान

ओम बिरला
अध्यक्ष, लोक सभा

भजन लाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

भूपेन्द्र यादव
केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री

गजेन्द्र सिंह शेखावत
केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

अर्जुन राम मेघवाल
केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री

पुनर्विकसित 103 अमृत स्टेशनों की मुख्य विशेषताएँ

- सिटी सेंटर के रूप में विकास - रूफ प्लाजा, शॉपिंग जोन, विश्राम कक्ष, विशाल परिसंचारी क्षेत्र आदि जैसी सुविधाएं
- विरासत भी विकास भी -स्थानीय वास्तुकला से प्रेरित स्टेशन भवन
- अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, बेहतर पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, लाउंज, प्रतीक्षालय, ट्रैवलेटर, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के एकीकरण से ये स्टेशन बनेंगे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र
- स्टेशनों के डिज़ाइन में ऊर्जा दक्षता और हरित उपायों को प्राथमिकता, जिससे न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव

अन्य परियोजनाओं के लाभ

- चूरू–सदुलपुर रेल लाइन की डबलिंग से ट्रेन संचालन में वृद्धि, यात्रा समय में कमी और स्थानीय व्यापार में वृद्धि
- एक्सप्रेस ट्रेन से व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ
- विद्युतीकृत रेल खंडों से ऊर्जा की बचत

डीडी न्यूज पर लाइव प्रोग्राम देखें | /RailMinIndia हमें फॉलो करें